राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुये मुख्यमंत्री....

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा ने कहा, लक्ष्य उदाहरण पेश करके नेतृत्व करना है..... 11

वर्ष : 12 | अंक : 236 | पटना, मंगलवार, 10 दिसम्बर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएम नीतीश ने 'मशाल' बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम का किया उद्घाटन

सीएम ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए सलाना की छात्रवृत्ति प्रदान की

प्रात : किरण

जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को मिलेंगे 2500

इस प्रतियोगिता में प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1000 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 600 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 400 रुपये पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा। वहीं, जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 2500 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1500 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को एक हजार रुपये की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा, जबकि राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 5 हजार रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 3 हजार रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने खिलाड़ी को 2000 रुपये प्रदान किये जायेंगे। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागी खिलाड़ियों के आवेदन प्राप्त करने के लिए पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जिस पर इच्छुक प्रतिभागी अपना आवेदन कर सकेंगे।

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विश्व की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' का मशाल जलाकर शुभारंभ किया। पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग के इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सात उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 20 लाख रुपए सलाना की छात्रवृत्ति प्रदान की। खिलाड़ियों के बीच मुख्यमंत्री ने खेल किट का भी वितरण किया। शुभारंभ समारोह में बिहार बालिका वुशु टीम की खिलाड़ियों ने ताउलू एवं वॉल माउटिंग का लाइव प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता पर आधारित लघु वृतचित्र प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ की गयी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर भी खिंचवाई।

ज्ञातव्य है कि 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' राज्य सरकार की खेल और खिलाडियों के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता के अनुरूप अत्यंत महत्वपूर्ण और महात्वाकांक्षी योजना है। इसका मूल उद्देश्य राज्य में खेल संस्कृति के विकास को बढ़ावा देना है। इस खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली छात्रों तथा स्कूल से बाहर के प्रतिभावान खिलाडियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है ताकि वर्ष 2032 और वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स में राज्य और देश के लिए पदक जीत सकें। इस प्रतियोगिता में राज्य के करीब 40 हजार सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 60 लाख प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके साथ-साथ ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी जो स्कूल से बाहर हैं, उन्हें भी इस खोज प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। इसके जरिये प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन प्रखंड स्तर, जिला स्तर, प्रमंडल स्तर एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। इसके लिये एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल और वालीबॉल खेल विधा में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। एथलेटिक्स के अंतर्गत दौड़, लंबी कूद और क्रिकेट बॉल थ्रो शामिल है। यह प्रतियोगिता 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग श्रेणी में बालक और बालिका दोनों के लिए आयोजित की जायेगी।

बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग, शिक्षा विभाग, एससीईआरटी और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ई-सर्टिफिकेट देने के साथ ही कुल 10 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार भी खिलाड़ियों के बीच वितरित किया जायेगा। इसके अलावा प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल किट (बैग, टी शर्ट, इंस्ट्रूमेंट बॉक्स आदि) प्रोत्साहन के रूप में दिए जाएंगे।

ये रहें मौजूदः

इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, खेल विभाग के प्रधान सचिव डॉ बी राजेंदर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, खेल विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार सहित खेल विभाग के अधिकारीगण एवं हजारों की संख्या में विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी उपस्थित थे।

हर चीज को वोटबैंक की तराजू पर तोलने वाले परेशानः मोदी

प्रधानमंत्री ने की बीमा सखी योजना की शुरूआत

प्रात : किरण

पानीपत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि हर चीज को वोट बैंक की तराजू पर तोलने वाले लोग बहुत परेशान हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि चुनाव दर चुनाव मोदी के खाते में माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद बढ़ता ही क्यों जा रहा है।

श्री मोदी ने यहां भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि हरियाणा ने एक है तो सेफ है के मंत्र को अपनाकर पूरे देश में नया उदाहरण पेश किया है और अब दूसरे राज्य के लोग भी इसका अनुसरण करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हर चीज को वोट बैंक की तराजू पर तोलने वाले लोग बहुत परेशान हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि चुनाव दर चुनाव मोदी के खाते में माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद बढ़ता ही क्यों जा रहा है। जिन लोगों ने माताओं-बहनों को सिर्फ वोट बैंक समझा, वो इस मजबूत रिश्ते को समझ भी नहीं पाएंगे। उन्होंने अपने पहले के दो कार्यकालों में महिलाओं के हित में लिए गए निर्णयों और उनके लिए शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश भर की 10 करोड़ बहनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। उनसे जुड़कर महिलाओं की कमाई हो रही है। बीते 10 वर्ष में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद दी गई है। उन्होंने कहा मैं देशभर में स्वयं सहायता समूह की बहनों को भी कहूंगा आपकी भूमिका असाधारण है, आपका योगदान बहुत बड़ा है। आप सभी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने में जुटी हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज लाखों बेटियों को बीमा एजेंट, बीमा सखी बनाने का अभियान शुरू हो रहा है यानी जिस सेवा का लाभ पाने से कभी वो वंचित रहीं, आज उसी सेवा से दूसरे लोगों को जोड़ने का जिम्मा उन्हें दिया जा रहा है। आजादी के 60-65 साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के पास बैंक खाते नहीं थे, यानी महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं से कटी हुई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन खाते खुलवाए। आज मुझे गर्व है कि जनधन योजना से 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते खुले हैं। नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वो देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक देश में ऐसे अनेक काम थे जो महिलाओं के लिए वर्जित थे। भाजपा की सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है। उन्होंने कहा, ह्लअभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

श्री मोदी ने कहा कुछ वर्ष पहले मुझे, पानीपत से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में हुआ। अब 10 वर्ष बाद, इसी पानीपत की धरती से बहनों-बेटियों के लिए 'बीमा सखी योजना' का प्रारंभ हुआ है। हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है।

उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है।

संक्षिप्त खबरें

दोहरे हत्या कांड में फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

दानापुर। थाना के शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दियारा स्थित गंगहारा गांव में दोहरे हत्या कांड में फरार चल रहे दो आरोपी बिनोद राय व सोमनाथ को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फरार चल रहे दोनो आरोपी के गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार लगी रही! शाहपुरथानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि थाना क्षेत्र के दियारा स्थित गंगहारा में विगत 24 अगस्त 2020 को दो पक्षो में सड़क निर्माण के विवाद को लेकर जमकर गोलीबारी हुई। जिसमें राम प्रवेश शर्मा के पुत्र जितेन्द्र शर्मा 40 वर्षीय पूर्व मुखिया के शिवजी शर्मा के भाई जितेन्द्र शर्मा 42 वर्षीय की गोली लगने से मौत हो गयी थी। जिसमें आठ लोग आरोपित थे। आठ में से 6 आरोपी को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। दो आरोपित मनेर निवासी बिनोद राय व अकिलपुर थाना क्षेत्र के 42पट्टी निवासी सोमनाथ राय फरार था पूछताछ करने के बाद दोनों आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है।

निःशुल्क कनेक्शन एवं बिल सुधार के लिए लगेगा शिविर

फतुहा। किसानों के लिए खुशखबरी। बिजली कनेक्शन एवं बिल सुधार के लिए लगेगा शिविर। इस संबंध कनीय अभियंता बबलू कुमार ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रखंड के डुमरी में दस दिसंबर, कोल्हर में ग्यारह दिसंबर, पितांबरपुर में बारह दिसंबर, जेठुली में तेरह दिसंबर एवं चौदह दिसंबर को गौरी पुन्दह पंचायत में किसानों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन एवं बिल सुधार के लिए शिविर लगाया जाएगा।

अवैध बालू लदे हाइवा जब्त, चालक फरार

मसौढ़ी !स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के तारेगना रेलवे गुमटी के समीप से बालू लदे एक हाइवा को जब्त किया है। जब्ती गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को की गयी। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही चालक मौके से फरार हो गये।इसके बाद पुलिस ने बालू लदे हाइवा को अपने कब्जे में ले लिया है।

रेफरल अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की हुई बैठक

मोकामा। मोकामा रेफरल अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का पुनर्गठन किया गया।सोमवार को अस्पताल कक्ष में आयोजित बैठक में मोकामा बीडीओ कुमारी पूजा को अध्यक्ष और चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर रंजन कुमार को सचिव बनाया गया।शहर के प्रबुधजनों को इस समिति का सदस्य बनाया गया है।मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने में समिति की अहम भूमिका रहती है।मोकामा रेफरल अस्पताल में मरीजों को दवा मुहैया कराने और जरुरत पड़ने पर एंबुलेंस सुविधा भी दी जाती है।समिति अस्पताल की हर व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए बैठक आहूत कर उचित सुझाव भी देती है।समिति का सुझाव व्यवस्था में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय होता है।

खेल जीवन को आनंद प्रदान करता है : प्राचार्य राजीव

पटना सिटी (प्राकि)। जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के आदेश के आलोक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटित मशाल कार्यक्रम पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकडबाग में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता के लिए विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन के नेतृत्व में सौ से अधिक छात्रों का दल रवाना हुआ। प्राचार्य ने कहा कि खेल जीवन को आनंद प्रदान करता है। मुख्यमंत्री का यह सराहनीय पहल है।सरकारी विद्यालयों के छात्रों को ऐसे आयोजनों से जोड़ने के लिए विद्यालय परिवार मुख्यमंत्री का आभार जताता है। मौके पर नोडल पदाधिकारी नेक आलम, जितेंद्र कुमार पाल, नितिन कुमार वर्मा, राकेश कुमार, विनीता कुमारी व सुजाता भगत मौजूद थीं। यह जानकारी विद्यालय के मीडिया प्रभारी विक्रम कुमार सिंह ने दी।

कायाकल्प में उच्च अंक प्राप्त करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों का होगा बाह्य असेसमेंट

46 स्वास्थ्य संस्थानों ने लाया 70 प्रतिशत से अधिक अंक

- बाह्य असेसमेंट के लिए राज्य स्तरीय टीम गठित

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में साफ सफाई से संक्रमण रोकने के लिए कायाकल्प कार्यक्रम की शुरूआत की गयी थी। राज्य में कायाकल्प कार्यक्रम के वित्तीय वर्ष 2024 –25 के तहत हुए पीयर असेसमेंट के दौरान 46 स्वास्थ्य संस्थानों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है। अब इन स्वास्थ्य संस्थानों का बाह्य असेसमेंट होगा। असेसमेंट के लिए राज्य स्तरीय टीम का गठन भी हो चुका है। यह टीम थीमेटिक एरिया में शामिल चेक लिस्ट के अनुसार स्वास्थ्य संस्थानों का असेसमेंट करेगी। इनमें सात बिंदु प्रमुख होते हैं, जिसमें मरीजों को दी जाने वाली सुविधाएं, सफाई, मैनेजमेंट, सामाजिक कार्य, मरीजों का भोजन आदि शामिल हैं। इन बिंदुओं के आधार पर स्वास्थ्य केंद्र को अधिकतम 500 तक अंक दिए जाते हैं। कायाकल्प सर्टिफिकेट के लिए से कम 350 अंक लाना होता है।

स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर सेवा देने की कवायदः

अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने मुख्य रूप से तीन तरह की सुविधाओं पर फोकस किया है। जिसके तहत स्वच्छता(हाईजीन), बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, हॉस्पिटल इंफेक्शन, मरीजों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों का उत्तम व्यवहार , जिस पर अस्पताल प्रशासन को कार्य करना होगा। सामान्य अस्पताल के सभी वार्डों में स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मचारियों द्वारा इलाजरत मरीजों या आने वाले अभिभावकों के साथ अच्छा व्यवहार बनाए रखने का निर्देश दिया गया है । मरीजों से मिलने का समय भी निर्धारित किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों में पीने के लिए स्वच्छ व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है।

ठेला चालक की ईंट पत्थर से कूचकर अपराधियों ने कर दी हत्या

- पत्थर घाट पर एफएसएल व डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची, जांच जारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मालसलामी थाना क्षेत्र के पत्थर घाट के पास अपराधियों ने ईंट-पत्थर से कूच कर ठेला चालक की हत्या कर दी। सोमवार की सुबह जब लोगों की नजर पड़े शव की ओर गई, तब मालसलामी थाना की पुलिस को सूचित किया गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया। घटना के बाद पुलिस ने जांच के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया। हालांकि खोजी कुत्ता से कोई खास उपलब्धि पुलिस को नहीं हासिल हो पाई है। मृतक की पहचान मंगल तालाब खानकाहे एमादिया के पीछे का रहने वाला करीब 30 साल के मोहम्मद शकील के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजन को सूचित किया। मृतक के बड़े भाई मोहम्मद खुर्शीद ने बताया कि शकील ठेला चला कर जीवकोपार्जन करता था। वह नशापान किया करता था। अपनी कमाई का अधिकांश हिस्सा वह नशापान में उड़ा दिया करता था। माता-पिता जीवित नहीं हैं। उसकी शादी भी नहीं हो पाई है। शकील को मंगल तालाब के पास के ही रहने वाले संजीत कुमार ने ठेला चलाने के लिए दिया था। रविवार की रात वह झाऊगंज पोस्ट ऑफिस के पास ठेला पर था। वहीं पर उसने नशापान भी किया था। इसके बाद वह पत्थर घाट की ओर कैसे चला गया और उसकी हत्या कर दी गई। यह उसकी समझ में नहीं आ रहा है। अपराधियों ने मोहम्मद शकील के चेहरे पर ईंट, पत्थर और तेज हथियार से प्रहार कर बुरी तरह घायल किया है। इससे उसका शरीर भी विकृत कर दिया गया था। इस कारण से शव की पहचान करना मुश्किल हो पा रहा था। मालसलामी थाना के थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि ठेला चालक की हत्या क्यों और किसने की है, इसकी छानबीन की जा रही है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार है। परिजनों ने भी हत्या किए जाने का कोई कारण नहीं बताया है। वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया गया। पुलिस रास्ते में लगे सीसीटीवी को भी खंगाल रही है। बड़ा भाई खुर्शीद ने बताया कि तीन भाई में सबसे बड़ा मो शमीम है, जो खिलौने की दुकान लगाकर बेचा करता है। इसके बाद वह मंझला है, जबकि शकील सबसे छोटा है।

कांग्रेसियों ने सांसद सोनिया का केक काट मनाया जन्मदिन

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब विधानसभा कार्यालय मोर्चा रोड में सांसद श्रीमती सोनिया गांधी की 78वां जन्मदिवस कांग्रेसियों ने केक काट व मिठाइयां बांट कर मनाया। बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री, चॉकलेट और मिठाइयां दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेसी नेता डॉ विनोद कुमार अवस्थी व संचालन प्रखंड अध्यक्ष अभय जायसवाल ने किया। कांग्रेसियों ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी दो पूर्व प्रधानमंत्री की बहू एवं पूर्व प्रधानमंत्री की धर्मपत्नी हिंदुस्तान की आदर्श बहू के रूप में पार्टी को निरंतर 25 वर्षों तक यूपीए की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के कुशल नेतृत्व देते हुए 10 वर्षों तक यूपीए सरकार को त्याग और बलिदान की मूर्ति बनीं। महिलाओं के उत्थान के लिए गरीब , वंचित को दो वक्त का अनाज मिल सके, फूड सिक्योरिटी बिल लाया, हिंदुस्तान को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य किया।

संसाधन कम, फिर भी आरपीएम कॉलेज को नैक से सी ग्रेड मिला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक से (सी) ग्रेड प्राप्त हुआ है। इस कॉलेज ने ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि का श्रेय प्राचार्या प्रोडॉ पूनम के कुशल नेतृत्व और उनके मार्गदर्शन को जाता है। इसमें आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ रजिया नसरीन, नैक को-ऑर्डिनेटर डॉ अंजू जैन और कॉलेज के समर्पित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्राओं की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह ग्रेड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी प्रतिबद्धता और गुणवत्ता को दर्शाता है। कॉलेज ने नैक से पहली बार ग्रेडिंग प्राप्त की है। प्राचार्या ने बताया कि यदि महाविद्यालय को वित्तीय सहायता और संसाधन समय पर प्राप्त हो जाता, तो कॉलेज और अच्छा ग्रेडिंग प्राप्त कर सकता था। यह केवल एक शुरूआत है और आने वाले वर्षों में गुणवत्ता सुधार के अन्य पहलुओं पर भी कार्य किया जाएगा। कॉलेज की छात्राओं और स्थानीय लोगों ने भी इस सफलता पर गर्व प्रकट किया। प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का वादा किया है, जिससे आने वाले समय में कॉलेज अपनी ग्रेडिंग को और बेहतर बना सके। यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। यह ग्रेड कॉलेज की शिक्षा और प्रशासन की गुणवत्ता को नई पहचान देगा।

लग्जरी कार से डेढ़ लाख का विदेशी शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने बनारस से लग्जरी कार में लेकर आ रहे विदेशी शराब को छापेमारी कर एनएच 30 के पैजाबा के पास से जब्त किया है। इस मामले में चालक को गिरफ्तार करने के साथ ही उससे पूछताछ की जा रही है। उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि सूचना मिली कि एक लग्जरी कार पर विदेशी शराब की खेप आ रही है। सूचना मिलने के बाद उत्पाद के निरीक्षक अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई, जिसमें एएसआई भरत झा, अजीत पटेल व सिंटू कुमारी को शामिल किया गया। रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि करीब एक बजे बाइपास थाना क्षेत्र के एनएच 30 के पैजाबा स्थित आ रहे उक्त लग्जरी कार होंडा सिटी, जिस पर पंजीयन संख्या डब्ल्यूबी 06ई 5624 लिखा था, को रोका गया। इस दौरान जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें टेट्रा पैक भरा पाया गया। उक्त वाहन से 670 पीस टेट्रा पैक शराब बरामद किया गया, जिसकी कुल मात्रा 129.570 लीटर थी। यह विदेशी शराब मेड इन उत्तर प्रदेश का था। चालक रविंद्र प्रसाद, जो चौक थाना क्षेत्र के लाल इमली का रहने वाला है, को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पूछताछ के दौरान बताया कि वह शराब को बनारस से लेकर आ रहा था कि इसी दौरान उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा की गई छापेमारी के दौरान वह पकड़ा गया। सहायक आयुक्त (उत्पाद) प्रेम प्रकाश ने बताया कि शराब की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपया आंकी गई है।

बिहार राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर बने यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रात :किरण संवाददाता

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भाग लेने के बाद लगातार दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए बिहार राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर। ध्यातव्य है कि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो युवाओं के ट्रेनिंग ट्रैकिंग एवं जागरूकता के क्षेत्र में कार्य करने हेतु जाना जाता है, जिसके कार्यकाल 3 साल का होता है। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के त्रैवार्षिक चुनाव दिनांक 8 दिसंबर, 2024 को (चुनाव संबंधित सभी कार्यक्रम) अंतरराष्ट्रीय युवा आवास (इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल) 5 न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी ,नई दिल्ली में संपन्न हुआ। उक्त चुनाव में देश के विभिन्न राज्यों से 11 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन किया था, जिसमें 7 प्रत्याशियों का नामांकन किसी न किसी त्रुटि के कारण रद्द हो गया, सिर्फ चार प्रत्याशियों का नामांकन वैध पाया गया। चार में से तीन प्रत्याशी ने चुनाव से पूर्व अशोक गोलाने (मध्य प्रदेश), सविता भौमिक (दिल्ली) एवं बी.उमा. महेश्वर राव (आंध्र प्रदेश) ने राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के पक्ष में अपना नामांकन वापस ले लिया। नाम वापस लेने के फलस्वरूप राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर सर्व सम्मति से निर्विरोध निर्वाचित हुए। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन राज्य शाखा बिहार के पदाधिकारी मोहन कुमार, सुधीर मधुकर, ए.के.बोस सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों की ओर से नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यपाल बिहार को आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

शहीद टेश लाल वर्मा के शहादत दिवस पर व्यक्तित्व व कृतित्व को किया याद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना नगर निगम के कर्मियों के कद्दावर नेता एवं कामगार यूनियन के संस्थापक टेश लाल वर्मा का 34वां शहादत दिवस पटना नगर निगम के अजीमाबाद अंचल परिसर में मनाया गया। सबसे पहले नगर निगम के कार्यालय में स्थापित शहीद टेशलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यकर्म की शुरूआत की गयी। फिर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता करते हुए ट्रेड यूनियन नेता एवं कामगार यूनियन के अध्यक्ष आरएन ठाकुर ने कहा कि शहीद टेश लाल वर्मा की हत्या के कुछ मिनट पहले हम मजदूरों की बैठक में एक ही साथ हम सब थे। बैठक के बाद यारपुर के पास गुमटी के निकट उनकी किसी ने हत्या कर दी। उनकी लोकप्रियता इतनी थी कि उनकी हत्या की खबर आग की तरह शहर में फैल गई और नगर निगमकर्मी रोष में आ गए। जनसंघर्ष मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष देवरत्न प्रसाद ने कहा कि शहीद टेश लाल वर्मा ने जो शहादत दिया, आज उसका कर्ज चुकाने का समय आ गया है। पटना नगर निगम के सभी यूनियन आज एकता के साथ अपने अधिकांश अधिकार को प्राप्त किया है। इसके लिये समन्वय समिति के नेतृत्वकारी बधाई के पात्र हैं। शिक्षाविद् विजय कुमार सिंह ने कहा कि शहीदों की शहादत कभी बेकार नहीं जाती। इसका ज्वलंत उदहारण है आप हर वर्ष उन्हें और उनकी शहादत को याद कर कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं और उसके लिये निर्णायक आंदोलन करते हैं। पटना नगर निगम कामगार यूनियन के महासचिव सह नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रामयत्न प्रसाद ने कहा कि वे हमारे प्रेरणा के स्त्रोत रहे हैं। पूर्व वार्ड पार्षद बलराम चौधरी ने कहा कि उन्हें याद है कि 1990 में शहीद टेशलाल वर्मा साइकिल से नगर निगम के सभी अंचल में घूम-घूम कर कर्मियों को संगठित कर रहे थे।शाम में घर लौटने के क्रम में उनकी हत्या कर दी गई। वार्ड पार्षद फैयाजुर रहमान उर्फ फिरोज खां ने कहा कि हम टेश लाल वर्मा के शहादत पर संकल्प लेते हैं कि जिस विचार को लेकर उन्होंने शहादत दी, हम उसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। सभा को सीपीआई के पटना साहिब अंचल सचिव शंभू शरण प्रसाद ने कर्मियों का आह्वान किया कि आप अधिकार की रक्षा के लिए नेतृत्वकारी साथी का हाथ मजबूत करें। धन्यवाद ज्ञापन समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार और संचालन समन्वय समिति के संयोजक मंगल पासवान ने किया। सभा को प्रशाखा पदाधिकारी उमेश कुमार, कृष्ण नारायण शुक्ला, रामजयपाल यादव, कृष्णा पंडित, सन्नी कुमार, मोहन पासवान, राजू कुमार, शिव कुमार, संतोष कुमार, रामदेव सिंह आदि ने संबोधित किया।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए नवम पातशाह ने दी शहादत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार सिख फेडरेशन ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 349वें शहादत दिवस पर हिंद की चादर पर व्याख्यान का आयोजन सोमवार को किया। बाड़े की गली स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह गर्ल्स स्कूल में विद्यालय के अध्यक्ष सह प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के सदस्य सरदार राजा सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन, सचिव सरदार हरबंश सिंह, शक्तिपीठ स्थल श्री बड़ी पटनदेवी के महंत एवं धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य विजय शंकर गिरी, वरिष्ठ अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा, मानवाधिकार संघ के सदस्य आनंद मोहन झा, सरदार योगेश्वर सिंह एवं सरदार राजेश सिंह अकाली विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। सरदार हरभजन सिंह, सुरेंद्र प्रसाद एवं तेजिंदर सिंह बग्गा को फेडरेशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल, उपाध्यक्ष सरदार शेर सिंह, महासचिव सूरज सिंह, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए फेडरेशन के कार्यों को बताते हुए कहा कि फेडरेशन इसी तरह से कार्यक्रम का आयोजन कर गुरु के संदेश और उपदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगा। अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के दिए गए बलिदान पर कहा कि उन्होंने हिन्दू धर्म को बचाने के लिए जो शहादत दी है, उसे कभी भुलाया नहीं जाएगा। इनके बलिदान को प्रति वर्ष सनातनी हमेशा मनाते रहेंगे। वह इन्हें नमन करते हैं। तख्तश्री पटना साहिब के मुख्य कथावाचक ज्ञानी दलजीत सिंह ने गुरु तेग बहादुर जी के द्वारा दिए गए बलिदान के इतिहास को बताते हुए कहा कि गुरु साहब ने 11 नवंबर, 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक पर कश्मीर के पंडितों के आग्रह पर हिन्दू सनातन धर्म को बचाने के लिए अपने तीन साथियों के साथ इस्लाम धर्म नहीं कबूल करने पर औरंगजेब के द्वारा इनको शहीद किया गया। हिन्दू धर्म को बचाया, इसलिए इन्हें हिंद की चादर कहते हैं। श्री बड़ी पटनदेवी के महंत विजय शंकर गिरि ने कहा कि हिन्दू धर्म को बचाने के लिए सिख गुरुओं ने और सिखों ने जो बलिदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे ऐसे शहीदों को शत-शत नमन करते हैं। संस्थापक त्रिलोक सिंह निषाद ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के द्वारा दिल्ली के चांदनी चौक में हिंदुस्तान की संस्कृति और सभ्यता एवं सनातन हिन्दू धर्म को बचाने के लिए शहादत दी। यह हिन्दू को हिन्दू बने रहने का गवाह बना।

एम्स पटना में 11वां एआरओआई-एस्ट्रो शिक्षण पाठ्यक्रम हुआ आयोजित

- इस कार्यशाला का उद्देश्य कैंसर के प्रबंधन के बारे में नवीनतम अपडेट और अत्याधुनिक ज्ञान प्रदान करना है : निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स-पटना ने 05 से 08 दिसम्ब्र 2024 तक एम्स-ऑडिटोरियम, पटना में 11वां एआरओआई-एस्ट्रो शिक्षण पाठयक्रम आयोजित किया। पाठयक्रम का विषय ह्लउन्नत प्रौद्योगिकी के साथ अंतर को कम करनाह्न है। शिक्षण पाठ्यक्रम एम्स-पटना के कार्यकारी निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय के संरक्षण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर एम्स-पटना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुप कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. प्रीतांजलि सिंह की देखरेख में आयोजित हुआ। गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. मनोज गुप्ता (एम्स-ऋषिकेश), डॉ. बी. सान्याल (एमसीएस, पटना), डॉ. जे.के. सिंह (एसएस हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, पटना), डॉ. राजीव रंजन (मेदांता हॉस्पिटल, पटना) और डॉ. पी.एन. पंडित इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यशाला में भाग लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं में डॉ. एंड्रयू होप, रेडिएशन, ऑन्कोलॉजिस्ट, प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल टोरंटो, डॉ. बेन हेजमेन, मेडिकल फिजिसिस्ट और एरामस एमसी कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडियशन ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर, जीडी रॉटरडैम और मैरेड डेली (रेडियोग्राफर, कैंसर अनुसंधान, यू.के.)।एआरओआई पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. इंद्रनील मल्लिक वरिष्ठ सलाहकार, विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, टीएमसी, कोलकाता और एस्ट्रो पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. बेन हेजमेन, चिकित्सा भौतिक विज्ञानी एरामस एमसी कैंसर संस्थान, जीडी रॉटरडैम राष्ट्रीय संकायों के साथ शिक्षण पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन किया। उपचार योजना, त्रुटियों, मार्जिन और सुधार रणनीतियों, श्वसन गति प्रबंधन, आईएमआरटी वितरण और योजना मूल्यांकन के लिए आधुनिक इमेजिंग तकनीक पर विस्तृत चर्चा। इसमें स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी और रेडियोसर्जरी, बायोफिजिकल मॉडल, कण थेरेपी, अनुकूली रोडियोथेरेपी, स्वाचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, नई तकनीक और नई उभरती प्रौद्योगिकियों (हैवी आयरन, फ्लैश और ग्रिड थेरेपी आदि) का आकलन करने के लिए डिजाइनिंग अध्ययन पर चर्चा भी शामिल है। 5 दिसम्बर 2024 को, डॉ. एंड्रयू होप (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल टोरंटो, कनाडा), ने उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए नैदानिक तर्क पर एक व्याख्यान दिया, उन्होंने अनुरूप रेडियोथेरपी देने में गति प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया जो उच्च खुराक देने में मदद करता है। जोखिम वाले अंग को लक्ष्य और कम खुराक। श्वसन गति प्रबंधन के तीन दृष्टिकोणों में चैड़ाई पकड़ तकनीक और पेट संपीड़न के साथ गति को सीमित करना, गति (निष्क्रिय रणनीतियों) का आकलन करना और प्रसव से पहले उपचार रणनीतियों को अनुकूलित करना या रेडियोथेरेपी के वितरण के दौरान उपचार रणनीतियों को अपनाने के साथ सक्रिय रणनीतियों के साथ गति का पालन करना शामिल है। डॉ. तेजपाल गुप्ता (मुम्बई) लक्ष्य परिभाषा में आधुनिक इमेजिंग को शामिल करने के सिद्धांत, अवसरों और चुनौतियों के बारे में बताएं। डॉ. संतम चक्रवर्ती (कोलकाता) क्लिनिकल प्रैक्टिस में त्रुटि और मार्जिन के बारे में बात करते हैं।

महिला हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और पुलिस सहयोग को प्रोत्साहित करने की पहल

प्रात :किरण संवाददाता

पटनाः 16 दिवसीय पखवाड़े के अंतर्गत सहयोगी ने इब्तिदा नेटवर्क और परिवर्तन विकास के सहयोग से मनेर थाने में पुलिस उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य महिला हिंसा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पुलिस को पीड़ित महिलाओं के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम में मनेर थाने के थानाध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार, उप-निरीक्षक श्री रितेश कुमार और श्री विवेक कुमार, महिला हेल्पडेस्क प्रभारी श्रीमती बेबी कुमारी, आनंदपुर पंचायत की वार्ड सदस्य प्रिया देवी, सराय की वार्ड सदस्य नीलम गुप्ता, और विभिन्न पंचायतों की महिलाएं व किशोरियां उपस्थित रहीं। महिलाओं को प्रोत्साहन वाला वातावरण बनाना चाहिए कार्यक्रम का संचालन सहयोगी की कार्यकारी निदेशिका रजनी ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ जेंडर आधारित भेदभाव और हिंसा के विषय पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा, ह्लआज महिलाएं साहस के साथ हिंसा के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं। पुलिस को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जो इस साहस को समर्थन और प्रोत्साहन दे। 70% शिकायतें घरेलू हिंसा से संबंधित होती हैं झ बेबी कुमारी महिला हेल्पडेस्क प्रभारी श्रीमती बेबी कुमारी ने जानकारी दी कि थाने में आने वाली 70% शिकायतें घरेलू हिंसा से संबंधित होती हैं। उन्होंने कहा, ह्लमहिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों को समझने की आवश्यकता है। जब वे खुद अपनी समस्याओं के खिलाफ खड़ी होंगी, तभी स्थायी समाधान संभव होगा। शिक्षा और रोजगार की बाधाओं को तोड़ें महिलाएँ झ प्रदीप कुमार थानाध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, ह्ल पुरुषों के समानांतर जीवन जीना आपका अधिकार है। शिक्षा और रोजगार की बाधाओं को तोड़ने के लिए निरंतर प्रयास करें ह्ल उन्होंने किशोरियों को सोशल मीडिया और अन्य विचलित करने वाले प्रभावों से बचने की सलाह देते हुए अपने जीवन के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रतिभागियों को 112 और 1930 जैसे आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जो संकट के समय में सहायक हैं इस अवसर पर सहयोगी से बिंदु, निर्मला, प्रियंका, शारदा, रूबी, मोनिका, और धर्मेंद्र उपस्थित रहे।

हर जरुरतमंद को रक्त प्रदान करने की हो रही कोशिश : मंगल

अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जरुरतमंदों को आसानी से मिलेगा ब्लड

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में रक्त की जरुरत होने पर अब परेशान होने की जरुरत नहीं है। राज्य में संचालित सभी सरकारी और गैर सरकारी 126 रक्त केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्धता की कोशिश की जा रही है। जहां जरुरतमंदों को उनकी जरुरत के हिसाब से रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावे रक्त की जरुरत पड़ने पर आम जन राज्य सरकार के हेल्प लाइन नंबर 104 पर भी संपर्क कर सकते हैं। संपर्क करने पर उन्हें तत्काल रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य में रक्त केंद्रों में रक्त केन्द्रों एवं रक्त उपलब्धता के विषय में ई-रक्त कोष मोबाईल एप्स से भी जानकारी ली जा सकती है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लड बैंकों की कमी के संकट को भी दूर करने का प्रयास किया गया है। इसके लिए इस वर्ष 21 सितंबर के बाद अब तक रक्त संग्रह इकाईयों की संख्या 6 से बढ़कर 64 की गयी है। इस बढोत्तरी का फायदा अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अनुमंडल अस्पतालों में राज्य के लोगों को मिलना भी शुरू हो गया है। वहीं, आनवाले दिनों में अन्य जगहों पर भी रक्त संग्रह इकाईयों के स्थापन की प्रक्रिया जारी है। इन इकाईयों से मरीजों को संकट के समय रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही जरुरत के हिसाब से जिला अस्पतालों में भी इन इकाईयों से रक्त आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य के सभी रक्त केंद्रों पर थैलेसिमिया, हेमोफिलिया, सिकिलएनिमिया, ब्लड कैंसर और एचआईवी के मरीजों को उनके जरुरत के हिसाब से निः शुल्क रक्त भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य के 48 स्थानों में ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन मशीन लगाए गए हैं, जहां से मरीजों को विभिन्न प्रकार के रक्त उत्पाद की आपूर्ति की जा रही है। महामारी या आपदा के समय इस रक्त केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो जाती है। सूबे में रक्त संग्रहण, परीक्षण और भंडारण में आनेवाली चुनौतियों के दूर करने और इस प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जहाँ तकनीकी रुप से पूर्ण प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। श्री पांडेय ने कहा कि रक्त की प्रचुर मात्रा और समय पर उपलब्धता के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में लगाये जाने वाले ब्लड डोनेशन कैम्प से रक्त संग्रहित कर उन्हें रक्त केंद्रों तक पहुंचाने के लिए 7 ब्लड ट्रांसफ्यूजन वैन भी कार्य कर रहे हैं। सुरक्षित रक्त दान की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पटना के आइजीआइएमएस, गया स्थित एएनएमसीएच सहित 5 स्थानों पर मोबाइल ऐच्छिक रक्त दान बस भी कार्य कर रहे हैं। राज्य के सभी सरकारी रक्त केंद्रों पर जरुरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को भी काफी सरल बनाया गया है ताकि जरुरतमंदों को आवश्यकता होने पर तत्काल रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

धूमधाम से मनाया गया सोनिया गांधी का 78 वाँ जन्मदिन

सदाकत आश्रम में काटा गया केक, बांटी गई मिठाई

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को सदाकत आश्रम में केक काटकर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय राजनीति में सुचिता और त्याग की प्रतीक सोनिया गांधी ने देश में राजनीतिक जीवन को एक आदर्श प्रदान किया है। भारतीय राजनीति में शायद ही त्याग की ऐसी प्रतिमूर्ति मिलें। सोनिया गांधी से सभी कांग्रेसजन को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व- राजीव गांधी के निधन के उपरांत जब कांग्रेस पार्टी की स्थिति पूरे देश में काफी कमजोर हो गई थी।ऐसा लगने लगा था कि कांग्रेस फिर से सत्ता में कभी वापस नहीं आ पाएगी। उस वक्त सोनिया गांधी ने सिर्फ पार्टी को राष्ट्र सेवा के लिए सक्षम बनाने हेतु राजनीति में प्रवेश किया।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के कारण ही कांग्रेस फिर से अपने पैरों पर खड़ा होकर सत्ता प्राप्त कर सकी।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में देश में दो बार कांग्रेस ने संसदीय चुनाव में विजय प्राप्त किया।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में ही यह संभव है कि एक दिन पूरे देश में कांग्रेस फिर से जनता के संपूर्ण हृदयस्थल से लेकर सत्ता के शीर्ष तक पुनः स्थापित हो जाएगी।डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने श्रीमती सोनिया गाँधी के लम्बे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि त्याग और स्नेह की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी ने आजीवन वसुधैव कुटुम्बकम् के अवधारणा को अपनाया। सोनिया गांधी का विचार और जीवन शैली दोनों राजनीतिक आदर्श है।

सदाकत आश्रम में जन्मदिन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावे प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रामजतन सिन्हा, विधान पार्षद डॉ समीर कुमार सिंह, प्रतिमा कुमारी दास, नरेन्द्र कुमार, डॉ ज्योति, कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, लाल बाबू लाल, बंटी चौधरी, प्रमोद कुमार सिंह, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ विनोद यादव, विनय वर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह, नूतन पाण्डेय, उमेर खान, मिन्नत रहमानी, निधि पाण्डेय, राज किशोर सिंह, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, शाश्वत कुमार पाण्डेय आशुतोष शर्मा, मनोज मेहता, शशिकांत तिवारी रीता सिंह, ललन यादव, उदय शंकर पटेल, मंजीत आनन्द साहू, सुदय शर्मा, मो कामरान रवि गोल्डन ,बीअब्दुल बाकी सज्जन, गुरूदयाल सिंह, मोहम्मद शाहनवाज, विशाल रंजन, अमित सिकन्दर,, विमलेश तिवारी, मिथिलेश शर्मा मधुकर, सिद्धार्थ क्षत्रिय, ताहिर अनीस खां, मृगेन्द्र कुमार सिंह, मुन्दिका सिंह यादव, मनोज कुमार यादव, सहित अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

झूठ फैलाने वालों का 2025 में हो जाएगा राजनीतिक खात्मा : उमेश

- फ्री बिजली के वादों पर जनता को भरोसा नहीं
- विपक्ष में बैठकर झूठ फैलाना राजद का स्वभाव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर राजद को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने रेलवे में नौकरी के नाम पर गरीबों और असहायों का जमीन लिखवाया उनके द्वारा 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के वादों पर जनता कभी भरोसा नहीं करेगी। बिहार की जनता अब राजद के असली चाल-चरित्र को बखूबी समझ चुकी है।

श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सरकारी खजानों में सेंधमारी कर अपनी तिजोरी भरने वाले कभी गरीबों के हितैषी नहीं हो सकते हैं। जबकि यह सर्वविदित है कि राजद ने 15 वर्षों के अपने शासनकाल में सबसे अधिक गरीबों को लूटने और प्रताड़ित करने का काम किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता में आकर लूट मचाना और विपक्ष में बैठकर झूठ फैलाना विपक्षी पार्टियों का स्वभाव बन चुका है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू-राबड़ी की सरकार में बिजली का आना एक उत्सव के रूप में देखा जाता था। 15 वर्षों के शासन में राजद ने कभी गरीब के घरों तक बिजली पहुँचाने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया लेकिन आज प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 23 से 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 21 से 22 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत भी 70 यूनिट से बढ़कर अब 360 यूनिट हो चुकी है।

श्री कुशवाहा ने कहा कि हमारे नेता ने प्रदेश के कोने-कोने में बिजली पहुंचाने का काम किया और हम आज पूरे गौरव से कह सकते हैं कि बिहार से लालटेन युग की समाप्ति हो चुकी है। आगे उन्होंने कहा कि हाथों में लालटेन लेकर झूठ फैलाने वालों का भी 2025 के चुनाव में राजनीतिक खात्मा हो जाएगा।

राजद में शीर्ष नेताओं का हो रहा अपमान : मनीष

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश प्रवक्ता मनीष यादव ने मीडिया में बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अपनी कार्यकर्ता दर्शन यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव अपनी ही पार्टी के दूसरे शीर्ष नेताओं का अपमान कर रहे हैं और उन्हें उचित स्थान नहीं दे रहे हैं। पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि खुद आरजेडी के संस्थापक लालू प्रसाद यादव को तेजस्वी यादव ने एक तरह से राजनीतिक तौर पर नजरबंद कर दिया है और पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में श्री लालू प्रसाद यादव की अनुपस्थिति इस बात का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हकीकत ये है कि श्री लालू प्रसाद यादव अब केवल कागज पर ही आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं जबकि पार्टी का संचालन कोई और कर रहा है। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं की बजाए दूसरे राज्य से आए एक नेता को आगे बढ़ाने का काम किया है जिससे आरजेडी के दूसरे तमाम नेता खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि आजकल वो कार्यकर्ता दर्शन यात्रा पर निकले हैं और हैरान करने वाली बात ये है कि इस यात्रा के दौरान उनके बगल में आरजेडी का कोई शीर्ष नेता नहीं बैठ रहा है बल्कि उनकी बगल में दूसरे प्रदेश से आए एक नेता बैठ रहा है और वो ही बयान दे रहा है। तेजस्वी यादव से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि क्या उनकी यात्रा के दौरान आरजेडी का दूसरा कोई नेता उनकी बगल में बैठने के लिए नहीं है जो उन्होंने हरियाणा से आए एक नेता को बैठने का मौका दिया और उनसे बयानबाजी करा रहे हैं? पार्टी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कार्यकर्ता दर्शन यात्रा के दौरान अपनी पार्टी के नेताओं को जगह नहीं देकर तेजस्वी यादव उन्हें अपमानित करने का काम कर रहे हैं। वहीं तेजस्वी यादव को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इस बार दूसरी यात्राओं की तरह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बीच में कार्यकर्ता दर्शन यात्रा को नहीं छोड़ेंगे और उसे पूरा करने का काम करेंगे।

मोदी सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया : अरविन्द

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि कांग्रेस राजद के शासनकाल में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थितियां बहुत कठिन हुआ करती थी। अस्पताल बहुत ही काम थे, डॉक्टरों की संख्या बहुत ही कम थी, दवाइयां बहुत महँगी थी, बीमारी की जांच का कोई ठिकाना नहीं था, और राजद कांग्रेस शासनकाल में सिर्फ वादों और दावों में ही जनता को उलझाए रखती थी। गरीब के पास चुपचाप बीमारी सहने के अलावा और कोई चारा नहीं था। ऐसी स्थिति में हमारा देश कैसे आगे बढ़ता, इसलिए मोदी सरकार ने पुरानी सोच और अप्रोच दोनों को बदला। कोई परिवार नहीं चाहता कि उसके घर में कोई बीमार पड़े। शरीर स्वस्थ रहे इसके लिए लोगों को आयुर्वेद, पोषक खान-पान का महत्व लोगों को मोदी सरकार ने बताया जा रहा है। फिट इंडिया मूवमेंट चलाया जा रहा है। ज्यादातर सामान्य बीमारियों की वजह गंदगी, दूषित खान-पान, खराब जीवनशैली होती है। इसलिए मोदी सरकार में स्वच्छ भारत अभियान, हर घर शौचालय, नल से जल जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से शहर गांव तो स्वच्छ बनता ही है, बीमारियां फैलने की गुंजाइश भी कम होती है। आयुष्मान भारत योजना जनता के लिए वरदान साबित हुई है। मोदी सरकार देश में स्वास्थ्य को लेकर हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है। आयुष्मान के साथ-साथ जन औषधि केन्द्रों पर बहुत ही कम कीमत में दवाइयां दी जा रही हैं।

नीतीश कुमार ने बिहार में विकास को जमीन पर उतारा : जदयू

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मुँह से विकास और रोजगार जैसे शब्दों का इस्तेमाल लोगों के बीच हास्यास्पद प्रतिक्रिया को जन्म देता है । उन्हें यह जानना चाहिए कि बिहार में नीतीश कुमार और विकास एक दूसरे के पर्याय हैं । तेजस्वी या राजद के लोग जब भी विकास की बात करते हैं तो वोटरों के जेहन में स्वाभाविक रूप से नीतीश कुमार का चेहरा कौंध जाता है । साथ ही उन्हें याद आता है राजद का पंद्रह वर्षों का घोर जातिवादी और भ्रष्ट शासन । सुशासन किस चिड़िया का नाम है शायद ही राजद के लोगों को पता हो । नीतीश कुमार ने बिहार के मतदाताओं में विकास की ऐसी भूख जगा दी है कि अब कोई उन्हें भ्रमित नहीं कर सकता । जाति, वर्ग और संप्रदाय की सीमाओं से परे जाकर नीतीश कुमार ने सच्चे अर्थों में बिहार में विकास और सुशासन को जमीन पर उतारा है ।

सदाकत आश्रम में मनी पूर्व मुख्यमंत्री केदार पांडेय की जयंती

- बिहार में शैक्षणिक और प्रशासनिक सुधारों के जनक थे केदार पांडेय: अखिलेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. केदार पांडेय की 111 वीं जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि करके मनाई गई।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. केदार पांडेय को कांग्रेस के आम कार्यकर्ता से प्रदेश अध्यक्ष तक के सफर को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि प्रखंड कमिटी से प्रदेश अध्यक्ष और फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद तक जाने वाले स्व. पांडेय कांग्रेस के निष्ठावान नेता रहें।स्व. केदार पांडेय को कार्यकताओं के हितों की रक्षा करने वाला सच्चा सिपाही बताया। उन्होंने शैक्षणिक सुधारों को लेकर कहा कि परीक्षा में नकल रोकने से लेकर शिक्षकों को उचित मानदेय देने का काम पूर्व मुख्यमंत्री स्व. केदार पांडेय ने किया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री स्व. केदार पांडेय की पुत्र वधु कांग्रेस नेता नूतन पांडेय और उनके पौत्र वाल्मीकिनगर लोकसभा से पूर्व प्रत्याशी शाश्वत केदार पांडेय भी मौजूद रहें। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजतन सिन्हा, विधान पार्षद डा समीर कुमार सिंह, प्रतिमा कुमारी दास, नरेन्द्र कुमार, डा ज्योति, कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, मीडिया चेयरमेन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, लाल बाबू लाल, बंटी चैधरी, प्रमोद कुमार सिंह, डा अजय कुमार सिंह, डा विनोद यादव, विनय वर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह, नूतन पाण्डेय, उमेर खान, मिन्नत रहमानी, निधि पाण्डेय, राज किशोर सिंह, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, शाश्वत कुमार पाण्डेय आशुतोष शर्मा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

बीपीएससी परीक्षा की तिथि बढ़ाई जाए : भाकपा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठी चार्ज की शख्त निंदा करते हुए बिहार लोक सेवा अयोग द्वारा आयोजित 70वीं प्रारंभिक परीक्षा की तिथि में बदलाव करने की मांग की है। बिहार लोक सेवा आयोग का सर्वर डाउन रहने के कारण लाखों अभ्यर्थियों ने परीक्षा फार्म नहीं भर पाया। अभ्यर्थियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर पटना में आयोजित प्रदर्शन पर पुलिस प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज किया गया। अब बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसम्बर 2024 को लेने पर अड़ा हुआ है। यह निंदनीय और आपत्तिजनक है। अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज भाजपा-नीतीश सरकार के अहंकार और अफसरशाही के तानाशाही का प्रतीक है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हस्तक्षेप कर बिहार लोक सेवा अयोग के तानाशाही रवैया पर रोक लगावे। आयोग का दावा पूरी तरह निराधार है। सर्वर डाउन नहीं रहता तो अभ्यर्थी सड़क पर क्यों उतरते। इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाए। आयोग विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करे। सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के अवसर को पुनः प्रदान करे। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने स्तर से हस्तक्षेप करे। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिस पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करे। विद्यार्थियों को फिर से फार्म भरने का समय दिया जाए और 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली बीपीएससी की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाय।

सीएम नीतीश ने राज्य में कानून का राज स्थापित किया : मधुरेंदु

पटना। जदयू नेता डॉ.मधुरेंदु पांडेय ने कहा है कि इन दिनों नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कदमों का अनुशरण कर जनता के बीच अपनी खोयी प्रतिष्ठा अर्जित करने यात्रा पर निकले हैं लेकिन आज भी बिहार की जनता उन जख्मों को नहीं भूल पायी है जो लालू-राबड़ी के शासन के दौरान यहां के लोगो ने झेले हैं। सूबे को बीमारू राज्य ही नहीं अपितु अपराध की शरणस्थली बनाने में इन लोगों को महारत मिली हुई है लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आत्मविश्लेषण व विश्वास से बिहार को उबार लिया। जनता भयमुक्त हो कर सूबे के विकास में सहभागी बनी और नेतृत्वकर्ता नीतीश कुमार व बिहार,एक दूजे का पर्याय बनते गये और राज्य व कानून का राज स्थापित होने में गति आयी जिसपर जनता भी मुहर लगातार लगती आ रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी जनता को अपने झूठे बयानों से दिग्भ्रमित ही किया है। क्रिकेट,शिक्षा समेत भ्रष्टाचार के नये नमूने गढ़ने वाले तेजस्वी यादव अब जनता के बीच निकल कर बिहार विधान सभा चुनाव से पहले जनता को हाथ में लालटेन लेकर भयाक्रांत करने तथा बयानवीर बनने निकल गये है।जिन जिलों में वे अबतक गये है वहां के माननीय महान जनता ने मन में छुरी के बीच हथजोरी की कहानी समझ ली होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शीतलहरी के बीच भी जनसंवाद बनाए रखा। तेजस्वी यादव किस मुंह से मांगे मंजूरी क्यूंकि उन्होंने तो जनता से आज भी जी हुजूरी की लत लगी हुई है।

पुस्तक मेला में कैथी लिपि की पुस्तिका उपलब्ध, कर सकते हैं खरीदारी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित पुस्तक मेला में राजस्व विभाग के स्टॉल पर कैथी लिपि की पुस्तिका उपलब्ध है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि कैथी लिपि की जानकारी रखने में इच्छुक व्यक्ति संबंधित पुस्तिका पटना पुस्तक मेला में लगे राजस्व विभाग के स्टॉल से खरीद सकते हैं। विभाग द्वारा हाल हीं में इसका विमोचन किया गया है। दरअसल राज्य में कई पुराने खातियान एवं अन्य दस्तावेज कैथी लिपि में हैं, जिन्हें समझने में आमलोगों के साथ-साथ विशेष सर्वेक्षण में लगे कर्मियों को भी होती थी। 5 दिसंबर को इसके विमोचन के साथ हीं विभाग द्वारा इसे अधिकारिक रूप से वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था। नागरिक इस वेबसाइट पर जाकर इसे निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। मेला में स्टॉल पर आने वाले लोगों के द्वारा लगातार इस पुस्तिका की माँग की जा रही थी। आमलोगों की माँग को देखते हुये विभाग द्वारा इस पुस्तिका को अब पटना पुस्तक मेला में लगे राजस्व विभाग के स्टॉल पर उपलब्ध करवा दिया गया है। इसका प्रकाशन भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा किया गया है। इक्छुक व्यक्ति इसे मात्र 50 रुपये की नगद राशि देकर खरीद सकते हैं। सोमवार को इस पुस्तिका को राज्य के लगभग 150 रैयतों ने खरीदा। ज्ञात हो कि पिछले गुरुवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल द्वारा कैथी लिपि पर लिखी गई इस पुस्तिका का अनावरण किया था। बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में कैथी की विविध क्षेत्रीय शैलियाँ प्रचलित हैं। जो मुख्यतः तिरहुत, मगध और भोजपुर क्षेत्र की कैथी है। भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक शजे प्रियदर्शिनी ने इस पुस्तिका की विशेष जानकारी देते हुए बताया कि कुछ जिलों के पुराने खतियान कैथी लिपि में हैं। सर्वे कर्मियों सहित आमलोगों को भी इसे समझने में परेशानी होती थी। वेबसाइट पर यह निःशुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है। पर जनता की माँग को देखते हुये निदेशालय द्वारा इसे प्रिंट करवाकर एक पुस्तक के रूप में आमलोगों को एक मामूली शुल्क पर उपलब्ध करवाया गया है । इससे सर्वे संबंधित कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आयेगी। विभाग द्वारा उठाए गए इस कदम से राज्य के सभी वैसे रैयत लाभान्वित होंगे जिनके पास भू- स्वामित्व से संबंधित पुराने दस्तावेज कैथी लिपि में लिखे हुए हैं और उसके आधार पर ही उनकी भूमि के स्वामित्व का निर्धारण वर्तमान सर्वे की प्रक्रिया में किया जाना है।

बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुये मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री सह कुलाधिपति बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल एवं लैपटॉप प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित ह्यसंवादह्व में आयोजित दीक्षांत समारोह में विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ प्रतिमा ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होनेवाले छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने सम्मानित होनेवाले छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञातव्य है कि बिहार सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह परिकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक अभियंत्रण महाविद्यालय में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है जहां छात्रावास एवं शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। अभियंत्रण महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं विभिन्न प्रकार की नयी-नयी तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योग प्रशिक्षण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के इन सकारात्मक प्रयासों का असर छात्रों के नियोजन पर पड़ा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का नियोजन अच्छे-अच्छे संस्थानों में हो रही है।

ये रहें मौजूद :

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ प्रतिमा, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेश कांत वर्मा सहित बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकगण, कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

रोटरी पटना मिडटाउन और सवेरा कैंसर अस्पताल में जुम्बा सत्र आयोजित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

रोटरी पटना मिडटाउन और सवेरा कैंसर अस्पताल ने सोमवार को ऊर्जावान जुम्बा सत्र का आयोजन किया, जिसमें जाने-माने ट्रेनर श्री धीरज सोनी ने नेतृत्व किया। इस सत्र में सवेरा कैंसर अस्पताल के कर्मचारियों और रोटरी पटना मिडटाउन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक व्यायाम को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना और एक स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन जीने के महत्व को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर रोटरी पटना मिडटाउन के अध्यक्ष डॉ. वीपी सिंह ने व्यायाम के महत्व पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा, नियमित व्यायाम न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और दीघार्यु में भी सहायक है। व्यस्त जीवनशैली के बावजूद हमें अपने स्वास्थ्य के लिए समय निकालना चाहिए।

जुम्बा सत्र के दौरान उपस्थित लोगों ने नृत्य और व्यायाम का आनंद लिया और कार्यक्रम ने सभी को फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

रोटरी पटना मिडटाउन और सवेरा कैंसर अस्पताल इस तरह के जागरूकता और फिटनेस कार्यक्रमों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अगहन नवमी पर श्री दादीजी मंदिर में भजन संध्या आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अगहन शुदी नवमी के अवसर पर बैंक रोड स्थित श्री दादीजी मंदिर में आज भजन संध्या आयोजित किया गया। मौके पर दादीजी सेवा न्यास के मुख्य संस्थापक अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि अगहन शुदी नवमी के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। अवसर पर श्री दादीजी का विशेष श्रृंगार किया गया, मेहँदी लगाई गयी तथा पूरे मन्दिर को बहुत हीं आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया। इस अवसर सैंकड़ों की संख्याएँ में महिलायें राजस्थानी वेश भूषा में सजधज कर लाल पीली साड़ी , चुनड़ी ओढ़े श्री दादीजी का भजन पाठ किया।

श्री दादीजी का भजन संध्या पूरे धूमधाम से मनाया गया। इस भजन संध्या में शक्तिधाम महिला मंडल की सरोज बंका, रेखा मोदी, शकुंतला अग्रवाल, सरिता बंका, प्रेम लता गोयल, रिमझिम सर्राफ, अनुसुईया खेतान, इंदिरा खंडेलवाल, रेणु बजाज, सीमा माखरिया एवं अन्य द्वारा किये जा रहे इस भजन कीर्तन में भक्ति रस की धारा बह रही थी तथा सभी उपस्थित समुदाय भक्ति रस में डूबे जा रहे थे। आयोजन को सफल बनाने में अमर कुमार अग्रवाल, ओम पोद्दार, रमेश मोदी, निर्मल अग्रवाल , अक्षय अग्रवाल, सूर्य नारायण, रौशन सर्राफ आदि की प्रमुख भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

10 दिसंबर को 5 घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

समस्तीपुर, बिजली विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, समस्तीपुर में 10 दिसंबर को शीतकालीन मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इसके चलते सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक समस्तीपुर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस संबंध में कनीय विद्युत अभियंता अजय कुमार ने बताया कि मेंटेनेंस के दौरान 33 केवी हॉफ मेन बस-बार की मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्य किए जाएंगे। इसके कारण पूसा, सुधा डेयरी, कपूरीग्राम, कल्याणपुर और जितवारपुर फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं को पांच घंटे बिजली नहीं मिलेगी। बिजली आपूर्ति बाधित होने के चलते प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस अवधि के लिए पानी और अन्य आवश्यकताओं की व्यवस्था पहले ही कर लें। असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए कंपनी ने कहा कि यह कार्य बिजली आपूर्ति को अधिक स्थिर और सुचारू बनाने के लिए जरूरी है।

पूर्व लेखपाल के बर्खास्तगी की पत्र निकालने की मांग

बेनीपुर(दरभंगा)। नगर परिषद बेनीपुर कार्यालय के पूर्व अकाउंटेंट विवेक जायसवाल के बर्खास्तगी की पत्र निकालने की मांग सामाजिक कार्यकर्ता आशीष रंजन दास ने आवेदन देकर कार्यपालक अधिकारी से की है। आवेदन में कहा गया है कि नगर परिषद की बोर्ड की बैठक में पूर्व अकाउंटेंट विवेक जायसवाल को सर्वसम्मति से कार्य मुक्त कर दिया गया है। इस आलोक में अब तक उसके बर्खास्तगी का पत्र जारी नहीं किया गया है, जो खेदजनक है। इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। कहा गया है कि अकाउंटेंट पर कई गंभीर मामले हैं। इस मामला का जांच में साबित भी हो चुका है। बावजूद इसके पत्र जारी नहीं किया गया है। इस संबंध में पूछने पर प्रभारी कार्यपालक अधिकारी जय कुमार ने कॉल रिसीव नहीं किया।

तिरहुत स्नातक क्षेत्र निर्वाचन का मतगणना जारी

मुजफ्फरपुर।बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक उपचुनाव के मतगणना का कार्य एमआईटी कालेज के प्रशासनिक भवन में ससमय सुबह 8 बजे से शुरू है। तिरहुत स्नातक उपचुनाव के प्रेक्षक, निवार्ची पदाधिकारी तथा सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी की उपस्थिति में मतगणना का कार्य स्वच्छ, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण रूप से जारी है। विदित हो कि मतगणना के लिए 20 टेबल बनाये गये हैं।निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया, प्रावधान एवं दिशानिर्देश के अनुरूप मतगणना का कार्य स्वच्छ, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण रूप से जारी है। शुरू में 50 की संख्या में बंडल बनाने का कार्य किया गया। अब प्रत्येक टेबल पर 10 बंडल रखे गये हैं। अर्थात 500 की संख्या में मतपत्र प्रत्येक टेबल पर रखे गये हैं। मतगणना का परिणाम देर रात तक जारी होने की सम्भावना है।

विषपान करने से महिला की हुई मौत

कल्याणपुर समस्तीपुर, थाना क्षेत्र के मिल्की गांव में एक विवाहिता ने विषपान खाकर मोत होने का मामला प्रकाश में आया है।सोमवार की सवेरे बिजली की तरह बात पूरे गांव सहित पंचायत में फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शब को कब्जे मे ले पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा। इस संबंध में थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही अग्रसर करवाई होगी। वैसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सही पता चल जाएगा। ग्रामीणों की माने तो मिर्ची का देवेंद्र पासवान की पत्नी 25 वर्षीय अमृता देवी के साथ बराबर विवाद चलता था।

दो वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याणपुर समसतीपुर स्थानीय पुलिस ने कोर्ट के निर्देश पर दो वारंटी को गोपालपुर भूटा चौक से गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए वारंटी की पहचान गांव के ही स्वर्गीय गुलाम रसीद के पुत्र शवजान दूसरे मोहम्मद गफूर के पुत्र मोहम्मद अख्तर के रूप में की गई। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है।

बिहार में नौकरी की बजाए लाठी मिल रहा नौजवानों को : आरवाईए

बीपीएससी अभ्यार्थियों पर हुए मुकदमे वापस ले बिहार सरकार : आइसा

समस्तीपुर, प्रात :किरणसंवाददाता

बीपीएससी में नॉर्मलाइजेशन लागू करने, विरोध कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने, मुकदमे करने, तथा परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की मांग नहीं मानने के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत आरवाईए-आइसा ने समस्तीपुर शहर के पटेल मैदान गोलंबर से कलेक्ट्रेट होते हुए पुरानी बस स्टैंड तक विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत सभा की अध्यक्षता आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज व संचालन आरवाईए जिला सचिव रौशन कुमार यादव ने किया। सभा को संबोधित करते हुए आइसा जिला सचिव सुनील कुमार ने कहा कि नॉर्मलाइजेशन तथा परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ऊपर लाठी चार्ज किया गया तथा उन पर मुकदमे दर्ज किए गए यह निंदनीय है कई छात्रों को जेल भी भेजा गया है। भाजपा जदयू की सरकार छात्रों पर किए गए मुकदमे जल्द वापस ले परीक्षा की तिथि आगे बढ़े तथा जिन छात्रों को जेल भेजा गया है उन्हें बिना शर्त रिहा करें। सरकार छात्र आंदोलन को लगातार दमन कर रही है छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है या बिहार सरकार की तानाशाही है और छात्र समुदाय इसको बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा बिहार में लगातार पेपर लिखो रहे हैं पेपर माफियाओं को बिहार सरकार पकड़ नहीं पा रही है और छात्र जब उसके खिलाफ बोल रहे हैं सही से परीक्षा कराने की मांग कर रहे हैं तो उल्टा छात्रों के ऊपर ही लाठियां चटकाई जा रही है यह लोकतंत्र विरोधी सरकार की कार्यनीति है। छात्र लगातार कह रहे हैं कि तकनीकी दिक्कत नहीं वेबसाइट में सर्वर डाउन रहा जिसकी वजह से छात्र फॉर्म नहीं भर पाए लेकिन आयोग इस बात से लगातार इनकार कर रहा है और तिथि बढ़ाने को राजी नहीं है सर्वर डाउन होने से छात्रों को वाकई बहुत परेशानी हुई है और आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए।आरवाईए जिला सचिव रौशन कुमार ने कहा कि बिहार में नौजवानों को नौकरी की बजे लाठिया मिल रही है। लंबे समय से बिहार की सत्ता पर काबिज भाजपा-जदयू की सरकार ने नौजवानों के साथ हमेशा अन्याय किया है आज भी नौजवान जब अपने हक हुकुम की आवाज उठा रहे हैं पेपर माफियाओं के खिलाफ बोल रहे हैं प्रदर्शन कर रहे हैं बीएससी की अनियमितता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं तो छात्र-युवाओं को डंडों से मारा जा रहा है। प्रतिवाद मार्च में आरवाईए नेता तनजय प्रकाश, नवीन कुमार, मनीष कुमार, रंजीत कुमार, गौरव कुमार गनपत कुमार, विक्रम कुमार, बिट्टू कुमार, आइसा नेता नीतीश कुमार, मो फैयाज, सोनू कुमार, विवेक सिंह, अभिषेक कुमार, आयुष राज, रोहित कुमार, रवि कुमार, मोनू कुमार व भाकपा-माले उजियारपुर प्रखंड सचिव गंगा पासवान सहित अन्य दर्जनों छात्र-युवाओं ने उपस्थित होकर सभा को संबोधित किया।

बाइक की टक्कर में सड़क पर गिर जख्मी हुए तीन युवक, पीछे से आ रहे ट्रैक्टर के रौंदने से एक की मौत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिथान थाना क्षेत्र के बिथान- हसनपुर मुख्य पथ के बिथान पुल के समीप रविवार की रात दो बाइक की ठोकर में एक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार अन्य दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक की पहचान कटोसी गांव के प्रिंस कुमार ठाकुर (35 वर्ष) के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को देते हुए दोनों जख्मी को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। स्थानीय लोगो ने बताया कि प्रिंस अपने बाइक पर अपने अन्य दो सहयोगी के साथ बिथान से अपने गांव कटोसी जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति में आ रहे एक बाइक ने ठोकर मार फरार हो गया जिससे बाइक सवार तीनों नीचे गिर गया। इसी दौरान तेज गति से आ रहे हैं ट्रैक्टर ने बाइक से गिरे हुए प्रिंस को जोरदार धक्का मार दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना में घायल दो लोगों को इलाज के लिए ग्रामीणों के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए बाहर ले गए घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों के द्वारा बिथान- हसनपुर मुख्य पथ को जाम कर दिया गया है।

शराब बरामदगी मामले मे फरार धंधेबाज कपीलेश्वर से गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर कुछ माह पूर्व शराब तस्करी मामले मे एक उजाला रंग का दिल्ली नंबर मारुति सुजुकी कार से भारी मात्रा में शराब के खेप लेकर रहिका के तरफ से पीछा करते हुए ग्राम बभनगरी रामसागर यादव के घर के पास ग्रामीण सड़क पर घेराबंदी कर पुलिस बल के सहयोग से शराब से लदे कार को पकड़ लिया गया था और कार मे बैठे चार व्यक्तिओ को गिरफ्तार कर लिया गया था गिरफ्तार तस्कर ककरौल गांव निवासी मो0 समसुल के पुत्र मो0 अमजद,श्यामानन्द ठाकुर के पुत्र अजित कुमार ठाकुर, कैलाश मंडल के पुत्र बेचन मंडल, स्व0 देबू भगत के पुत्र संदीप कुमार सभी ग्राम काकरौल थाना रहिका जिला मधुबनी को पूर्व मे न्यायिक हिरासत मे लेने हेतु भेज दिया गया था जबकि अन्य पांच फरार शराब तस्कर के गिरफ्तारी को लेकर जगह जगह छापेमारी कर रहे थे उसी मामले मे एक फरार तस्कर वभनगरी गांव निवासी महेन्द्र यादव के पुत्र राधेश्याम यादव को कपिलेश्वर स्थान से गिरफ्तार कर लिया गया तथा न्यायिक हिरासत में लेने हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेज दिया गया. उक्त जानकारी रहिका थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार के द्वारा दी गई.

विभिन्न कार्यालय गतिविधियो की साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा जिला नीलाम पत्र वाद जिला लोक शिकायत निवारण में दायर परिवाद समाधान यात्रा में प्राप्त आवेदन सी पी ग्राम जानता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनो माननीय उच्च न्यायालय में चल रहे मामलो सूचना का अधिकार मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलो की बारी बारी से समीक्षा की गई। नीलाम पत्र वादो की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियो को तेजी से निष्पादन करने का निर्देश दिया।उन्होने नीलाम पत्र वादो के निष्पादित मामलो को राजस्व विभाग के पोर्टल पर ससमय अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होने निर्देश दिया कि प्रतिदिन कम से कम चार-पाच मामले की सुनवाई करे।सेवात लाभ की समीक्षा के क्रम मे ससमय सेवांत लाभ उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी या सुनिश्चित करें कि रिटायर होने वाले कर्मियों से 6 माह पूर्व से ही उनके सेवांत लाभ से संबधित भुगतान के लिए प्रस्ताव स्वीकृति हेतु सक्षम प्राधिकार को भेज दे ताकि सेवा निवृत्ति के दिन ही उन्हें सभी प्रकार के सेवांत लाभो को दिया जा सके।उन्होने कहा कि विभागीय कार्यवाही के मामले में संचालन पदाधिकारी निर्धारित अवधि के अंदर अपनी रिपोर्ट दे। कर्मियो के लॉगबुक की समीक्षा के क्रम मे उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि कार्यालयो में लॉग बुक का संबधित पदाधिकारी नियमित रूप से जाच करे। उन्होने अधिकारियो को निर्देश दिया कि समय से संचिका ओ को प्रस्तुत नही करने वाले सहायको पर करवाई करे। उन्होने कहा कि सभी शाखा के वरीय पदाधिकारी अपने संबंधित शाखा का नियमित जांच करे साथ ही लॉग बुक के संधारण पर पूरा ध्यान दे।उन्होने उपस्थित पदाधिकारियो को निर्देश दिया कि जन शिकायतो को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करे । उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक का परिणाम नजर आनी चाहिए एवं लंबित मामलो को हर हाल में शून्य करे। उन्होने कहा कि सभी पदाधिकारी नियमित रूप से लॉग बुक,सूचना के अधिकार पंजी सहित सभी महत्वपूर्ण पंजियो का नियमित से निरीक्षण करे ताकि यह सुनिश्चित कर सके कि ससमय मामलो का निष्पादन हो सके। उन्होने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय में लंबित मामलो को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य करे । इसमे थोड़ी भी शिथिलता या लापरवाही बरदाश्त नही की जाएगी। समीक्षा के क्रम में सिडब्लू जेसी में शिक्षा एवं भू अर्जन विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पाए गए।उक्त बैठक में नगर आयुक्त अनिल चौधरी,डीपीआरओ परिमल कुमार, निर्देशक डीआरडीए,जिला परिवहन पदाधिकारी शशि शेखरण जिला कृषि पदाधिकारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित सभी विभागो के जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

विश्व में शांति सर्व कल्याण हेतू धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम प्रारंभ

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी जयनगर में विश्व में शांति सर्व कल्याण हेतू नौ दिवसीय गायत्री महायज्ञ श्री मद पावन प्रज्ञा पुराण कथा धार्मिक अनुष्ठान को ले मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक अनुष्ठान को लेकर मंगल कलश शोभायात्रा विधिवत पूजा अर्चना के साथ जयनगर स्थित गायत्री मन्दिर शक्ति पीठ अनुष्ठान स्थल से प्रारंभ होकर क्षेत्र भर्मण करते हुए पवित्र कमला नदी पहुँच कर माँ कमला की पूजा अर्चना कर कलशों में जल बोझकर गायत्री माता की जय जय कारे व जय घोष कर साथ पुनः क्षेत्र भर्मण करते हुए गायत्री मन्दिर अनुष्ठान स्थल पहुच कर अनुष्ठान स्थल परिसर में पुजारी के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ कलशों को स्थापित किया गया। बड़ी संख्या में मंगल कलश शोभायात्रा में श्रद्धालुओ ने भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में 07 दिवसीय संगीतमय पावन प्रज्ञा पुराण कथा,विशेष पूजा पाठ, मंत्रोच्चारण के साथ देव पूजन , हवन यज्ञ, विभिन्न संस्कार प्राण प्रतिष्ठा प्रखर प्रज्ञा पुराण कथा,सजल श्रद्धा, विराट दिप महायज्ञ और विशाल भंडारा, विदाई समापन भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम ज्ञान सत्संग प्रवचन समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम होंगे। यह धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में व गायत्री परिवार ट्रस्ट जयनगर के द्वारा किया जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुभाग ले रहे है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सर्व कल्याण विश्व में शांति शिक्षित समाज का निर्माण और नशा पान से दूरी निःस्वार्थ भाव से जरूरत मन्दों की सेवा और अपने सत्कर्मो का निर्वहन कर धार्मिक व संस्कारी बनने का आह्वान करते है। धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम से क्षेत्र में भक्तिमय का माहौल है।

सब पोस्ट ऑफिस के भवन निर्माण की मिली स्वीकृति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिले के पियर उप डाकघर के भवन निर्माण की वर्षो लंबित मांग अब पूरी होने वाली है। यह डाक घर ब्रिटिश काल में बना था । तब इसके लिए जमींन और भवन ग्रामवासियों के द्वारा डाक विभाग को उपलब्ध कराई गई थी। बाद में मरम्मत के अभाव में उक्त भवन ध्वस्त हो गया। तीन दसक से डाकघर किराये के मकान में चल रहा था । अब जाकर डाक विभाग ने यहां भवन निर्माण की स्वीकृति दी है इस खबर से स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। वरिष्ठ समाजसेवी अनिल ठाकुर ने मुख्य डाक महा प्रबंधक अनिल कुमार से मिलकर उनको इस कार्य के लिए उनके आवास पर मिलकर बधाई दी है।! मुख्या डाक प्रबंधन ने बताया कि अब इस उप डाक घर का अत्याधुनिक भवन का जनवरी माह में कार्य प्रारम्भ होगा केंद्र से भवन निर्माण की राशि (80 ताख) स्वीकृत हो गई है और यह राशि पटना कार्यालय को प्राप्त हो गई है ।इसके निर्माण कार्य का प्रारम्भ जनवरी माह से होगा तथा लगभग छह महीने में यह बन कर तैयार हो जाएगा सपोर्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष रंगीश ठाकुर ने इस हेतु कई बार संसद तथा विभागीय मंत्री से पत्राचार किया था । पत्रकार ब्रह्मानन्द ठाकुर, दिवाकर प्रसाद ठाकुर बच्चा बाबू शर्मा ने केन्द सरकार ०डाकविभाग को इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया हे।

अंबेडकर आवासीय बालिका उच्च विद्यालय के प्रिंसिपल छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार, भेजे गए न्यायिक हिरासत में

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

हरपुर एलौथ स्थित अम्बेदकर आवासीय बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं से छेड़छाड़ के मामले में एससी-एसटी थाने की पुलिस ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक व किशनगंज के कोचाधामन थाना क्षेत्र के सिंघाड़ी के रहने वाले असगर कमाल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनके विरुद्ध मिले शिकायत के सत्यापन के बाद जिला कल्याण पदाधिकारी प्रसून परिमल के आवेदन पर एससी-एसटी थाने में एफआईआर दर्ज किया गया था। बता दें कि दर्ज एफआईआर के अनुसार अंबेडकर आवासीय बालिका उच्च विद्यालय की कुछ छात्राओं ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक असगर कमाल पर गलत नीयत से उनके शरीर को स्पर्श कर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया था। जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा विद्यालय में जाकर विद्यालय के शिक्षकों की उपस्थिति में प्रधानाध्यापक पर लगे छेड़छाड़ के आरोपों की जांच की गई थी। जांच उपरांत आरोप सही पाने के बाद जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा एससी-एसटी थाने में उनके विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया था। वहीं इस संबंध में एससी-एसटी थाने के थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार भारती ने बताया कि दर्ज एफआईआर के आधार पर गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सनातन संघर्ष समिति के शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी के मार्फत राष्ट्रपति को दिया ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सनातन संघर्ष समिति के शिष्टमंडल ने दरभंगा जिलाधिकारी राजीव रौशन के मार्फत भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू, बौद्ध तथा जैन समुदाय के साथ इस्लामी जिहादी तत्वों द्वारा किए जा रहे बर्बर आक्रमण के विरोध में आज ज्ञापन दिया। जैसा कि आप जानते हैं कि बांग्लादेश में हिन्दुओं की संपत्ति लूटी जा रही है, मठ-मंदिर तोड़े जा रहे हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार किया जा रहा है। यह सभी नृशंस गतिविधियां बांग्लादेश की सरकार में शामिल इस्लामी जिहादी तत्वों द्वारा किया जा रहा है।इसके विरोध में सनातन संघर्ष समिति दरभंगा द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बीते दिनों बांग्लादेशी हिन्दुओं को संबल प्रदान करने के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात आक्रोश पदयात्रा निकाली गई। कल शाम में मशाल जुलूस में भारी संख्या में शहर के हिन्दू समुदात के लोग उपस्थित हुए।इसी कड़ी में आज यह ज्ञापन भारत के राष्ट्रपति के नाम से जिलाधिकारी महोदय को प्रदान किया गया। सनातन संघर्ष समिति ने यह निश्चय किया है कि अगर बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ अत्याचार नहीं रुका तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में चंद्रकांत यादव, दिनेश चंद्र मिश्र, प्रो अविनाश, रंगनाथ ठाकुर, अंकुर गुप्ता, राजेश झा, उदित नारायण, जीवछ सहनी, डॉ आमोद झा, आदित्य नारायण चौधरी मन्ना, सौरभ सुरेका उपस्थित थे।

सात निश्चय योजना में मुजफ्फरपुर को मिला तीसरा स्थान

प्रात : किरण संवाददाता

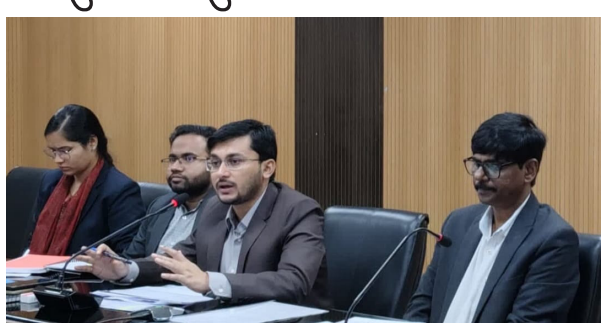

मुजफ्फरपुर।सात निश्चय वन एवं टू में मुजफ्फरपुर जिला को राज्य स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी द्वारा लगातार समीक्षा कर सात निश्चय के कार्य में प्रगति लाई गई है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पूरी जवाबदेही एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन द्वारा धान अधिप्राप्ति की समीक्षा करते हुए पाया गया कि जिला में 676 किसानों से 6010.36मिट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की गई है तथा 242 किसानों को बैंक द्वारा भुगतान किया जा चुका है। बैठक में कुढ़नी ,मरवन के प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी से अधिप्राप्ति में खराब प्रदर्शन के कारण स्पष्टीकरण करते हुए वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा की 72 घंटे से ज्यादा देर तक भुगतान लंबित नहीं रहे तथा 75 प्रतिशत से कम पेमेंट नहीं रहे। समीक्षा बैठक के दौरान गायघाट का प्रदर्शन सर्वोत्तम रहा।अधिप्राप्ति एवं भुगतान में तेजी लाने हेतु दोनों अनुमंडल पदाधिकारी को प्रति सप्ताह दो बार सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी के साथ बैठक करने तथा लगातार मॉनिटरिंग कर प्रगति लाने का निर्देश दिया। जिला सहकारिता पदाधिकारी को प्रतिदिन इउड के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक कर प्रगति लाने तथा प्रतिदिन रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। बुधवार को जिला पदाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी के साथ पुनः समीक्षा बैठक की जाएगी।

किसानों के भुगतान के मामले में खराब प्रदर्शन औराई, कटरा ,मरवन, बंदरा,कांटी मुसहरी का पाया गया। जिलाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर बैठक कर किसानों के भुगतान में तेजी लाने का निर्देश दिया। शिथिलता बरतने वाले प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु युवाओं के लिए खेल का मैदान बनाने की योजना है। इस योजना के तहत मुजफ्फरपुर जिले के सभी 373 पंचायतों में खेल का मैदान बनाया जाना है।जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारी के साथ नियमित समीक्षा बैठक कर जमीन चिन्हित किया गया है। बैठक में अवगत कराया गया कि 313 पंचायतों में जमीन चिन्हित कर लिया गया है। अब मात्र 60 पंचायत में ही जमीन चिन्हित होना शेष है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अंचलाधिकारी एवं कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा को आपसी समन्वय बनाते हुए शत प्रतिशत जमीन चिन्हित कर पूरा करने का निर्देश दिया। विदित हो कि पंचायत में खेल के मैदान के लिए 140ह्न130ह्न जमीन की जरूरत है। जिलाधिकारी ने जिला खेल पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता मनरेगा को भी सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग कर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

जिला जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक होगा : रामशंकर सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते जदयू प्रदेश नेतृत्व द्वारा दरभंगा के पोलो मैदान में 15 दिसंबर को होने वाले जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर सोमवार को बलहा गांव में कुशेश्वरस्थान एवं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के युवा जदयू कार्यकताओं की संयुक्त बैठक प्रखंड अध्यक्ष क्रमशः मो लालबाबू एवं सुमन कुमार राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि युवा जदयू जिलाध्यक्ष राम शंकर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए युवा जदयू की टीम लगातार सक्रिय हैं। इसको लेकर प्रखंड स्तर एवं पंचायत स्तर पर तैयारी बैठक चल रही है। सम्मेलन में जिला के सभी प्रखंडों से बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि युवा कार्यकताओं के कंधे पर संगठन के साथ साथ सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। 2025 के विधानसभा चुनाव में जदयू को एक नम्बर की पार्टी बनेगी युवा जदयू कार्यकताओं से अभी से इसकी तैयारी में जुट जाने की अपील की। साथ ही अभियान चलाकर संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने एवं वार्ड स्तर पर सरकार की योजनाओं को व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने की बात कही। युवा जदयू प्रदेश महासचिव गौरव कुमार राय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 19 वर्षों के शासनकाल में राज्य के विकास को गति दी है इनके न्याय के साथ विकास की योजना से समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ मिला है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कारण ही बिहार आज देश के विकसित प्रदेशों में शामिल है। शिक्षा, सड़क, बिजली, एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। बैठक में युवा जदयू के जिला कोषाध्यक्ष गौतम कुमार सिंह, जिला शोशल मिडिया प्रभारी बैजनाथ राय, अमिताभ कुमार, श्यामसुंदर पंडित,मो असफाक, राज पासवान,विजय पंडित,अजीत कमती,रौशन राय,पवन राय मो सैफ सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु सभी थानाध्यक्षों के साथ हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार विनोद कुमार तिवारी ने शनिवार को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिले भर के थानाध्यक्षों के साथ समीक्षात्मक बैठक किया। उन्होंने थानाध्यक्षों से पक्षकारों को तामिल किए गए नोटिसों के संबंध में जानकारी लिया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जरूरी है कि जारी किए गए ,सभी नोटिस पक्षकारों तक ससमय पहुंचना सुनिश्चित करें । लोक अदालत के नोटिस को पक्षकारों तक पहुंचने पर ही उन्हें मालूम होता है कि उनका मामला लोक अदालत में निपटारे योग्य है। जिस पर वे लोग आपस में सुलह समझौता कर वाद को निष्पादित कराने के लिए लोक अदालत में पहुंचते हैं। इसलिए सभी पक्षकारों तक नोटिस पहुंचवाने की जिम्मेवारी थानाध्यक्षों का है। उल्लेखनीय कि 14 दिसंबर 2024 शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत की सभी सभी तैयारी पूर्ण की जा रही है ।अधिक से अधिक वादों के निपटारे के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। सभी अधिकारियों से संपर्क का साबित किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रंजन देव ने कहा कि अबतक तीन हजार से अधिक न्यायालयों में लंबित वादों में नोटिस जारी किया गया है। जबकि दस हजार से अधिक बैंक ऋण आदि से संबंधित मामलों में नोटिस जारी किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

योगा ट्रेनिंग मुंगेर की मैट्रिक पास छात्राओं के लिए एक सुनहरा मौका

सदर मुंगेर। उद्यमी ट्रेनिंग सेंटर पटना द्वारा बीआरएस कॉलेज मुंगेर में 1 वर्षीय योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। वही पहले से ही नर्सरी टीचर ट्रेनिंग के साथ अब योगा टीचर ट्रेनिंग के लिए नामांकन जारी है।संचालिका संगीता मिश्रा ने बताया कि हर स्कूल में योग शिक्षक की जरूरत होती है, इसलिए कॉलेज के प्रांगण में एक वर्षीय ट्रेनिंग दी जा रही है मैट्रिक पास छात्रा छात्राओं को इस ट्रेनिंग को लेकर फिर किसी स्कूल में ज्वाइन कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।अच्छा अवसर है छात्राओं के लिए जो योगा शिक्षक बनना चाहती हैं और अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं नामांकन पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर होगा।छात्राएं जल्द से जल्द आवेदन देकर नामांकन करवा सकती हैं और अन्य छात्राएं को भी इस बारे में जानकारी देकर संक्षेप में ऑफिस जाकर जानकारी ले।

दो फरार वारंटी की हुई गिरफ्तारी

जमुई [झाझा] पुराने मामले में फरार चल दो वारंटी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। पुलिस के द्वारा दी गई जानकारी अनुसार लंबे समय से फरार चल रहे अलकजरा गांव के रहने वाले नंदकिशोर यादव और चौबा यादव न्यायालय के आदेश पर न्यायालय में उपस्थित नही हो रहा था और वह फरार चल रहा था। सूचना के आधार पर दोनो फरार वारंटी को गिरफ्तार किया गया और कागजी कार्रवाई पूरी कर न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

किशोर कला मंदिर के द्वारा जीवनदीप हॉस्पिटल में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

मधुबनी हर साल की भांति इस साल भी किशोर कला मंदिर के द्वारा जीवनदीप हॉस्पिटल में दो दिवसीय दृष्टि पर्व का आयोजन 7 और 8 दिसंबर को किया गया।इस शिविर में पहले दिन शनिवार को डा. कुमार कृष्णन के नेतृत्व में 130 और दूसरे दिन रविवार को 120 मरीजो का निशुल्क मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। अस्पताल के परियोजना निदेशक विमल मस्कारा, अध्यक्ष अरुण जैन, सचिव सुमन शर्मा ने बताया कि लगभग 300 मरीजो का रजिस्ट्रेशन किया गया था जिसमें से चयनित 250 लोगों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। इस शिविर में काफी संख्या में नेपाल एवम मधुबनी जिला के विभिन्न इलाकों से मरीज एवम उसके परिजनो की भीड़ देखी गई।

पहल : पीएम पोषण योजना की कुकिंग मटेरियल की बढ़ी लागत राशि, बच्चों को होगा फायदा

पहले की तुलना में अधिक पोषण युक्त मिलेगा भोजन 6 से 8 कक्षा तक प्रति बच्चे पर खर्च होंगे 9.19 रुपए

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में अब पहले की तुलना में अधिक पोषण युक्त भोजन दिया जाएगा। इसके लिए पीएम पोषण भोजन योजना की कुकिंग मटेरियल लागत राशि बढ़ा दी गई है। बता दें कि कुकिंग कॉस्ट में केंद्र सरकार का हिस्सा 60 फीसदी होता है बाकी 40 फीसदी राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाती है। राशि के बढ़ने से जिले के स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलेगा। बता दें कि विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के तहत सोमवार को चावल दाल और हरी सब्जी,मंगलवार को चावल व चना सब्जी,बुधवार को पुलाव चावल,दाल, गुरुवार को चावल,दाल व हरी सब्जी, शुक्रवार को चावल, हरी सब्जी व मौसमी फल,अंडा,शनिवार को खिचड़ी फ्राई राइस पालक के साथ सोयाबीन बरी व पापड़ आदि देने का नियम है। पहले महंगाई के कारण बच्चों की थाली से हरी सब्जियां,अंडा,फल आदि गायब रहते थे। 1 दिसंबर से बढ़ी हुई दरें लागू हो गई हरी सब्जियां ही नहीं अन्य सामग्रियों की कीमत भी आसमान छू रही है। जिससे मध्याह्न भोजन योजना के लिए दी जा रही राशि काफी कम पड़ रही थी। इधर बढ़ी महंगाई को देखते हुए स्कूल प्रधानों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है। कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को प्रति छात्र-छात्रा 6.19 रुपए की राशि तय राशि बढ़ोतरी के संबंध में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने पत्र जारी किया है। नई दर के अनुसार बाल वाटिका और कक्षा 1 से 5 तक के छात्र-छात्राओं को मध्याह्न भोजन तैयार करने के लिए प्रति छात्र-छात्रा 6.19 रुपए दिए जाएंगे। जबकि कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के लिए यह राशि प्रति छात्र-छात्रा 9. 19 रूपए होगी। पहले कक्षा 1 से 5 के लिए प्रति छात्र 5.45 रुपए और कक्षा 6 से 8 के लिए 8.70 एमडीएम में खर्च करने को दिया जाता था।

राजा रानी तालाब को नव वर्ष पर शहर वासियों के लिए खोला जाएगा : जिला पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिला मुख्यालय स्थित राजा रानी तालाब का सोमवार को जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की स्थिति को देख नगर आयुक्त को तत्काल कई निर्देश दिए।इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि नर्व वर्ष पर शहरवासियों को राजा रानी तालाब को भी आमजन की सुविधाओं के लिए खोल दिया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को न सिर्फ सुबह सुबह टहलने का आनंद प्राप्त होगा, बल्कि लोग यहां वोटिंग आदि का भी लुत्फ उठा सकेंगे। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद से अब तक यह हैंड ओवर नहीं हो पाने के कारण इस्तेमाल में नहीं आ पा रहा था। परन्तु आज के निरीक्षण के पश्चात प्रभारी नगर आयुक्त को 15 दिनों के अंदर इसकी पूरी साफ-सफाई का निर्देश दिया गया है। इसके अलावे लाइटिंग, तालाब की सफाई, रंग-रोगन आदि को भी दुरूस्त करने का निर्देश दिया गया है। आगामी नव वर्ष के 10 जनवरी 2025 तक इसे जिलेवासियों के लिए खोल दिया जाएगा। लोग यहां के प्राकृतिक दृश्य तथा वोटिंग आदि का लुत्फ उठा सकेंगे। यह शहरवासियों के लिए एक रमणीक स्थल के साथ ही मनोरंजन का अच्छा साधन होगा। यहां लगे फाउंटेन से योगाश्रम का नजारा भी लोगों को काफी आकर्षित करेगा जो एक सेल्फी प्वाईंट के रूप में भी विकसित होगा।

सिंचाई विभाग के कर्मी सहित बाइक चालक हुआ घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोहजाना मोड़ से आगे डूमरपोखर के पास रविवार की रात्रि एक बाइक से सिंचाई विभाग झाझा के कर्मी को टक्कर लगने के बाद कर्मी सहित बाइक चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सिंचाई विभाग के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी विनय कुमार सिंह एवं बाइक चालक कानन गांव के रहने वाले करन कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी सिंचाई विभाग के अन्य कर्मी को मिलने के बाद विभागीय पदाधिकारी भी अस्पताल पहुंचा तो घायल बाइक चालक के परिजन की भीड़ भी अस्पताल में लग गई। घटना देखकर सड़क पर गिरे पड़े घायल अवस्था मे दोनो को देखने के बाद स्थानीय लोगों ने तुरन्त डायल 112 पर संपर्क किया जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम ने दोनो घायलों को उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां दोनो घायलों का डॉक्टर सदाब के द्वारा प्राथमिक इलाज किया लेकिन दोनो घायलों की चोट गम्भीर देखकर डॉक्टर ने दोनो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल कर्मी ने बताया कि सोहजना मोड़ के पास से सब्जी खरीदारी कर सिंचाई विभाग के पास अपने आवास में जा रहा था कि तभी सामने से तेज रफ्तार में बाइक चालक ने आकर टक्कर मार दिया। घटना में कर्मी का एक पैर टूट गया है।

हथियार के साथ उत्तर प्रदेश का अधिवक्ता गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। पूरब सराय पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार की शाम को पूरब सराय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मिजार्पुर वर्धा गांव में सादे लिबास में एक व्यक्ति का पीछा करते हुए रिफ्यूजी कॉलोनी के समीप में पुलिस ने सर्वेश राय को गिरफ्तार किया सर देशराज के पास से एक पिस्तौल दो मैगजीन और 22 हजार नगद मिले सर्वेश गोरखपुर कोर्ट में वकालत करता है पूछताछ के बाद रविवार की शाम अधिवक्ता को जेल भेज दिया गया । सदर एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि पूरब सराय थाना अध्यक्ष सौरभ कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मिजार्पुर वर्धा गांव से जमालपुर जाने वाला है इस सूचना पर पुलिस ने सिविल ड्रेस में वरहद गांव से लग गई। पूरब सराय रिफ्यूजी कॉलोनी के समीप अधिवक्ता सर्वेश कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया गया । उनसे पूछताछ में उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिला स्थित ब्रिज मां बृजमनगंज क्षेत्र के कान्हा गांव का रहने वाला है यहां रिफ्यूजी कॉलोनी से जमालपुर जाने के लिए गाड़ी खोज रहा था पूछताछ में वह पल-पल अपना बयान बदल रहा था अधिवक्ता वहां हथियार का ऑर्डर भी देने आया था यह भी आसान काम है बरामद बीसलपुर में मुंगेर से ही खरीदा गया था और काम नहीं करने पर वह यहां कारीगर से मरम्मत करने आया होगा पुलिस का ऐसा अनुमान है पुलिस ने बताया कि हर एंगल पर जांच किया जा रहा है और अधिवक्ता के अपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर।सोमवार को जिलाधिकारी मुंगेर के निदेर्शानुसार सदर प्रखंड में कन्या विवाह योजना हेतु निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। वहीं इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर मुंगेर आर राघव द्वारा बताया गया कि आज जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार प्रखंड में कन्या विवाह योजना हेतु शिविर का आयोजन किया गया था इस शिविर में प्रखंड क्षेत्र के पंचायत तथा नगर निगम मुंगेर के 25 आवेदकों ने अपना आवेदन प्रखंड कार्यालय में जमा किया। वही बीडीओ द्वारा यह भी बताया गया कि शिविर के बाद भी लोग अपना आवेदन प्रखंड कार्यालय में आरपीएस के माध्यम से जमा करें समय पर उन्हें राशि भुगतान की जाएगी किन्हीं प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होगी।

प्रखंड जदयू कार्यकताओं ने फूलमाला और अंग वस्त्र देकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर /मुंगेर । बिहार प्रदेश जनता दल यू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा का चांद वाली स्थान के समीप हवेली खड़गपुर प्रखंड जदयू के कार्यकताओं ने फूल माला और वस्त्र देकर सम्मानित किया। जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री कुशवाहा बांका से मुंगेर जा रहे थे । इस मौके पर मुंगेर जिला जदयू के अध्यक्ष नचिकेता मंडल के नेतृत्व में चांद बलि स्थान के निकट गर्म जोशी से अंग वस्त्र फूल माला देकर सभी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर तारापुर विधायक राजीव सिंह मुंगेर जिला जदयू प्रवक्ता मनोज कुमार रघु जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह चौहान जिला सचिव मोहम्मद इनाम हसन जिला महासचिव राजीव सिंह जिला सचिव संजय झा खड़गपुर प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र मंडल बरियारपुर प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश मंडल मुंगेर सदर प्रखंड अध्यक्ष सुजीत मंडल गोबड्डा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मुकेश बिंद खड़गपुर जदयू व्यवसाय प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह मनोज हिमांशु विनय झा धनंजय मंडल खुर्शीद आलम मोहम्मद अनवर खान बिट्टू शर्मा चंदन झा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

30 दिवसीय सिलाई कटाई प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर।सोमवार को सदर प्रखंड के प्रांगण युको ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा निशुल्क 30 दिवसीय सिलाई कटाई प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रमका उद्घाटन आर सिटी के निदेशक रोहन , उद्योग विस्तार पदाधिकारी विंध्याचल कुमार , देवेंद्र कुमार ,सन्नी एवं ट्रेनी के द्वारा दीप प्रज्वलित के साथ शुरू किया गया।प्रशिक्षण में 35 से अधिक महिलाएं भाग लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 दिनों तक चलेगा` इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे सदर प्रखंड एवं जमालपुर प्रखंड की प्रतिभागी भाग ले रही है यूको आर सेटी के निदेशक रोहन ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को नवीनतम तकनीक के साथ टेलरिंग का काम सिखाया जाएगा।उद्योग विस्तार पदाधिकारी विंध्याचल कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को पूरी तैयारी व बाजार अनुसंधान के साथ व्यवसाय स्थापित कर स्वयं को एक सफल उद्यमी के रूप में पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान सिलाई एक ऐसा स्वरोजगार है जिसे महिलाएं घर बैठे आसानी से कर सकती है तथा उचित आय प्राप्त कर सकती है।इसके अलावा प्रतिभागियों को मार्केट मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, बुक किपिंग, टैक्स, बिजनेस प्लान बनाना आदि विषयों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। साथ ही उद्यमिता विकास और व्यक्तिगत विकास पर भी बल दिया जाएगा। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। यह प्रशिक्षण ट्रेनर पूनम कुमारी के द्वारा दिया जायेगा।

बाढ़ राहत मांग को लेकर तीन घंटे किया राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 80 को जाम

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर(मुंगेर) । भारतीय काम्युनिस्ट पाटी के बैनेर तले अंचल कमिटी जमालपुर(ग्रामीण) व अंचल कमिटी राजेश कुमार मंडल के अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग 80 को तीन घंटों तक जाम किया गया।जामस्थल पर ग्रामीणों के आक्रोश देखने को मिला आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि बिचौलियों के साथ सांठगांठ कर बाढ राशियों को लुटने का कर्य युद्धस्तर पर किया गया है। इसकी जॉच होनी चाहिये। जॉच अगर नही होते है तो हमलोगों को न्याय नही मिलेगी। इस सम्बंध मे जामस्थल पर स्थानीय लोगों ने कहा कि बिचौलियों का पदार्फाश होनी चाहिए। जामस्थल पर बरियारपुर थाना के एस आई से बात नही बनते ही पुलिस निरीक्षक बीरभद्र सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे जहां अथक प्रयास के बाद प्रखंड बिकास पदाधिकारी जमालपुर के अश्वासन पर कि दस दिनों के अन्दर इस की जांच कर समस्या का समाधान किया जायेगा।

आशा कार्यकर्ताओं के साथ रेफरल अस्पताल में प्रभारी ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] रेफरल अस्पताल झाझा के परिसर में सोमवार को आशा कार्यकताओं के साथ बैठक की गई। बैठक में अस्पताल प्रभारी डॉ अरूण सिंह की अध्यक्षता में की गई। बैठक में आशा कार्यकताओं को सरकार के द्वारा प्रायोजित योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने सहित सवै ड्यूलिस्ट , आयुष्मान भारत नियमित टीकाकरण सतप्रतिशत, फैमिली प्लानिंग के लिए जागरूकता, कुष्ठ निवारण हेतु जागरूकता सहित एच बी , एन सी भीजिट प्रसव करने के बारे में क्षेत्र में जाकर लोगों को जागरूक करने की बात कही गई। साथ ही गृह भ्रमण कार्यक्रम में ईमानदारी से कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में कहा गया कि आशा अपनी जिम्मेदारी समझे और उसका शत-प्रतिशत निर्वहन करें। कार्य मे लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर बीसीएम पंकज कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाष चन्द्रा, केयर , युनिसेफ के शिवानी कुमारी , डाटा सहायक आशुतोष कुमार वाजपेई सहित कई आशा फैशिलेटर और आशा कार्यकर्ता मौजूद रही।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने उच्चस्तरीय बैठक कर निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज को मुख्यालय, हाजीपुर में एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में थर्मल प्लांट तक कोयला के सुगम परिवहन पर चर्चा की । तत्पश्चात महाप्रबंधक द्वारा इरकॉन, आरवीएनएल एवं राइट्स द्वारा पूरी की जा रही पूर्व मध्य रेल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे । बैठक को संबोधित करते हुये महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार में तेजी लाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं एवं बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े कार्यों की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि सभी निर्माण कार्य तय समय पर पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने 92.79 किलोमीटर लंबे सोननगर-गढ़वा रोड थर्ड लाइन एवं नेउरा-दनियांवा नई रेल लाईन (42.2 किमी), जयनगर-बदीर्बास (69 किमी) सहित अन्य रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की । उन्होंने किउल-गया दोहरीकरण परियोजना के भी कार्य प्रगति की समीक्षा की। लगभग 123 किलोमीटर लंबे इस परियोजना के शेष बचे नवादा-तिलैया (17.32 किलोमीटर) का कार्य शीघ्र पूरा कर लिए जाने की संभावना है । बैठक में इसके अलावा अन्य परियोजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई ।

अब पुस्तक मेला में खरीद सकते हैं कैथी लिपि की पुस्तिका

प्रात : किरण संवाददाता

पटना अगर आप कैथी लिपि की जानकारी रखने में इच्छुक हैं तो इससे संबंधित पुस्तिका पटना पुस्तक मेला में लगे राजस्व विभाग के स्टॉल से खरीद सकते हैं। विभाग द्वारा हाल हीं में इसका विमोचन किया गया है। दरअसल राज्य में कई पुराने खातियान एवं अन्य दस्तावेज कैथी लिपि में हैं, जिन्हें समझने में आमलोगों के साथ-साथ विशेष सर्वेक्षण में लगे कर्मियों को भी होती थी। 5 दिसंबर को इसके विमोचन के साथ हीं विभाग द्वारा इसे अधिकारिक रूप से पर अपलोड कर दिया गया था। नागरिक इस वेबसाइट पर जाकर इसे निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। मेला में स्टॉल पर आने वाले लोगों के द्वारा लगातार इस पुस्तिका की माँग की जा रही थी। आमलोगों की माँग को देखते हुये विभाग द्वारा इस पुस्तिका को अब पटना पुस्तक मेला में लगे राजस्व विभाग के स्टॉल पर उपलब्ध करवा दिया गया है। इसका प्रकाशन भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा किया गया है। इक्छुक व्यक्ति इसे मात्र 50 रुपये की नगद राशि देकर खरीद सकते हैं। सोमवार को इस पुस्तिका को राज्य के लगभग 150 रैयतों ने खरीदा। ज्ञात हो कि पिछले गुरुवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल द्वारा कैथी लिपि पर लिखी गई इस पुस्तिका का अनावरण किया था। बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में कैथी की विविध क्षेत्रीय शैलियाँ प्रचलित हैं। जो मुख्यतः तिरहुत, मगध और भोजपुर क्षेत्र की कैथी है। भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक श्रीमति जे0 प्रियदर्शिनी ने इस पुस्तिका की विशेष जानकारी देते हुए बताया कि कुछ जिलों के पुराने खतियान कैथी लिपि में हैं। सर्वे कर्मियों सहित आमलोगों को भी इसे समझने में परेशानी होती थी। वेबसाइट पर यह निःशुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है। पर जनता की माँग को देखते हुये निदेशालय द्वारा इसे प्रिंट करवाकर एक पुस्तक के रूप में आमलोगों को एक मामूली शुल्क पर उपलब्ध करवाया गया है । इससे सर्वे संबंधित कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आयेगी। विभाग द्वारा उठाए गए इस कदम से राज्य के सभी वैसे रैयत लाभान्वित होंगे जिनके पास भू- स्वामित्व से संबंधित पुराने दस्तावेज कैथी लिपि में लिखे हुए हैं और उसके आधार पर ही उनकी भूमि के स्वामित्व का निर्धारण वर्तमान सर्वे की प्रक्रिया में किया जाना है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत, गश्ती टीम को सड़क किनारे पड़ा मिला शव, पहचान में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी के सकरी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह हुए एक सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गया है। घटना नरपति नगर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 27 एनएच 27 पर हुआ है। जानकारी के अनुसार सकरी थाना की गश्ती गाड़ी जब वहां से गुजर रहे थे तो पुलिस ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को मृत अवस्था में देख पाया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि व्यक्ति की मौत किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से हुआ होगा। हालांकि मृतक की पहचान अब तक नही हो पाया है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी के सदर अस्पताल भेज दिया है। और जांच में जुटे हैं पुलिस सकरी थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे की जांच कीया जा रहा है और घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पुलिस मृतक की पहचान के साथ-साथ दुर्घटना के जिम्मेदार वाहन का पता लगाने की कोशिश कर रहे है। मृतक की पहचान के लिए पुलिस आसपास के इलाको में पूछताछ कर रहे है। बताया जा रहा है कि कोहरे और धुंध के कारण सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी देखा जा रहा है। स्थानीय निवासियो का कहना है कि ठंड के मौसम में कम दृश्यता के चलते अक्सर सड़क हादसे होते हैं। पुलिस ने लोगो से सावधानी बरतने और वाहन चलाते समय धीमी गति बनाए रखने की अपील किया है।

समूह लोन के दबाव में बनी महिला शराब धंधेबाज, गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी पुलिस इंडोनेपाल बॉर्डर के रास्ते बलडिहा नहर के निकट 30 लीटर नेपाली शराब संग एक महिला धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला दरभंगा जिले के सीसो गांव निवासी सगरी देवी है। जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार महिला दरभंगा जिले की है। इससे पुर्व रहिका थाना क्षेत्र में शराब संग गिरफ्तार हो चुकी है। महिला धंधेबाज झोले व शरीर में पहने कपड़ो में शराब छूपा रखा था। इधर महिला रोते हुये बतायी कि बाबू समूह लोन लिए थे। कर्जे से तंग तथा कर्जदारों के तकादे के दबाव में वह शराब धंधेबाज बन गयी। कर्जा उतार कर लोभ में फिर शराब धंधेबाजी का लत व लोभ हो गया तथा फिर पकड़ी गयी। शातिर साइकिल चोर गिरफ्तार जयनगर। एक संवाददाता पुलिस ने विद्या नगर से साइकिल चोरी करते रंगेहाथ एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार चोर इस्लामपुर निवासी मो. नासीर है। जो इससे पुर्व भी चोरी मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जिसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

शिक्षा के साथ प्रशिक्षण ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी : प्रो मुश्ताक अहमद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।किसी भी शैक्षणिक संस्थान के कर्तव्यों में छात्रों को पाठ्यक्रम की शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षण देना भी शामिल है। यदि कोई शिक्षण संस्थान अपने इस दायित्व को पूरा करने में सफल होता है तो उसके छात्रों का उज्ज्वल भविष्य स्वतः ही प्रशस्त हो जाता है। उक्त विचार सीएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने व्यक्त किये. प्रोफेसर अहमद कॉलेज एनसीसी अंडर ऑफिसर कैडेट शुभम कुमार सिंह का गणतंत्र दिवस 2025 परेड के लिए वेस्ट कैडेट के रूप में चयन होने पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। प्रोफेसर अहमद ने कहा कि इस गणतंत्र दिवस परेड, लाल किला दिल्ली के लिए हमारे कैडेट का चयन न केवल सीएम कॉलेज परिवार के लिए बल्कि बिहार प्रांत के लिए भी खुशी और सम्मान है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि हर साल गणतंत्र दिवस परेड के लिए अविभाजित बिहार यानी बिहार और झारखंड से केवल एक वेस्ट कैडेट का चयन किया जाता है। प्रोफेसर अहमद ने कहा कि सीएम कॉलेज की स्थापना 1938 में हुई थी और तब से उत्तर बिहार का यह शिक्षण संस्थान ऐतिहासिक भूमिका निभा रहा है. प्रोफेसर अहमद ने कहा कि 2016 में भी हमारे एक कैडेट का चयन हुआ था और फिर एक दशक बाद दूसरे कैडेट शुभम कुमार का चयन हुआ. यह हमारे लिए गर्व की बात है और एनसीसी इकाई के लिए भी एक अनुकरणीय उपलब्धि है। उन्होंने सभी एनसीसी कैडेटों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अब अन्य कैडेटों को भी अपनी मेहनत से अपनी जगह बनानी चाहिए और इसके लिए रोजाना अभ्यास करना और एनसीसी के सभी आयोजनों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है।

नेहरा थाना भवन के लिए चयनित जमीन पर लोगों ने जताई आपत्ति

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)।नेहरा थाना भवन के लिए सी ओ द्वारा चयनित भूमि पर नेहरा पंचायत के रजबाड़ा टोला के लोगों ने आपत्ति जताते हुए इसमें सुधार कर अन्य भूमि के चयन के लिए जिलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर,सी ओ मनीगाछी,पंचायती राज पदाधिकारी, दलित चेतना मंच, अखिल भारतीय दुसाध उत्थान परिषद् एवं भीम आर्मी की जिला इकाई सहित अन्य लोगों को ज्ञापन देकर इसमें बदलाव की मांग की है।दो दर्जन से भी अधिक लोगों द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि सी ओ द्वारा चयनित यह भूमि सतह से करीब दश फीट गहरा है एवं बिना बरसात के मौसम में भी इसमें पानी का बहाव बना रहता है।इस जमीन का कोई भी संपर्क पथ नहीं है। इसके साथ ही यह जमीन रजबाड़ा दलित टोला के अंदर में है। ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि इस वस्ती में 75 प्रतिशत परिवारों में शौचालय नहीं रहने के कारण परिवार की महिलाएं शौच के लिए इसी जमीन का उपयोग करतीं हैं। जबकि नेहरा मौजा में रजोखर पोखर का भिंडा,मसोमात पोखर का भिंडा एवं बंद पड़े सकरी चीनी मिल की जमीन थाना भवन के लिए सर्वथा उपयुक्त है। बताया जाता है कि इस जमीन के चयन को लेकर नेहरा थानाध्यक्ष ने भी वरीय पदाधिकारी को अपनी असहमति जताई है। लोगों का कहना है कि इस मौजा में सैकड़ों एकड़ अनाबाद बिहार सरकार की जमीन है। जिसकी अनदेखी अंचल प्रशासन की ओर से की गई है।

प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक मानवाधिकारों की यात्रा

निरंजन कुमार

मानवाधिकारों का इतिहास एक लंबी और विविध यात्रा रही है, जो प्राचीन सभ्यताओं से लेकर आधुनिक वैश्विक दृष्टिकोण तक फैली हुई है। मानवाधिकारों का विचार हमेशा से ही मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ है, लेकिन इन अधिकारों की पहचान और संरक्षा का प्रयास समय के साथ विकसित हुआ है। प्रारंभिक काल में मानवाधिकारों की अवधारणा संकुचित और सीमित थी, जो आज के समान व्यापक और सार्वभौमिक नहीं थी। प्राचीन भारत में मानवाधिकारों की भावना वेदों, उपनिषदों और अन्य धार्मिक ग्रंथों में झलकती थी, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और स्वतंत्रता का अधिकार माना जाता था। हालांकि, उस समय समाज में वर्ग, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव मौजूद था। लेकिन फिर भी धर्म और अहिंसा के सिद्धांतों ने मानवाधिकारों के संरक्षण की नींव रखी। ग्रीस और रोम में भी नागरिकों के अधिकारों की अवधारणा थी, लेकिन यह केवल कुछ विशेष वर्गों तक ही सीमित थी। वहीं, इंग्लैंड में 1215 में मैग्ना कार्टा पर हस्ताक्षर हुए, जो उस समय के शाही अधिकारों और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने का पहला कदम था। मानवाधिकारों की आधुनिक अवधारणा का आरंभ 17वीं और 18वीं शताब्दी में हुआ, जब अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियों ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की अवधारणा को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। 1776 में अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा में जीवन, स्वतंत्रता और सुख की तलाश के अधिकारों की बात की गई। फ्रांसीसी क्रांति के समय 1789 में मानव और नागरिक अधिकारों की घोषणा ने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों को वैश्विक स्तर पर फैलाया। इन क्रांतियों ने मानवाधिकारों को एक व्यापक और सार्वभौमिक विचारधारा के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन मानवाधिकारों का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ 20वीं शताब्दी में आया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, पूरी दुनिया ने देखा कि युद्ध ने मानवता को किस हद तक आहत किया था। इसके परिणामस्वरूप, 1945 में संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ और 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया गया। इस घोषणा ने मानवाधिकारों की संपूर्ण सूची दी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को जीवन, स्वतंत्रता, शिक्षा, रोजगार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय प्राप्त करने का अधिकार शामिल था। यह एक ऐतिहासिक दस्तावेज था जिसने दुनिया भर में मानवाधिकारों की परिभाषा को नया रूप दिया। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई संगठन और संस्थाएं काम करती हैं। संयुक्त राष्ट्र, जो एक वैश्विक संगठन है, मानवाधिकारों के संरक्षण का सबसे प्रमुख संरक्षक है। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद और मानवाधिकार उच्चायुक्त जैसी संस्थाएं मानवाधिकारों के उल्लंघन पर निगरानी रखती हैं और आवश्यक कदम उठाती हैं। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय भी मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने का कार्य करता है। इन संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में हर व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त कराना और किसी भी प्रकार के भेदभाव, उत्पीड़न और असमानता को समाप्त करना है। भारत में भी संविधान के तहत नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। भारतीय संविधान में मूल अधिकार का प्रावधान किया गया है, जो हर भारतीय नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। इन अधिकारों में धर्म, जाति, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव के खिलाफ अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और जीवन का अधिकार शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय न्यायपालिका ने कई महत्वपूर्ण फैसलों के माध्यम से मानवाधिकारों की रक्षा की है। जैसे कि 1978 में मेनका गांधी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह माना कि किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता केवल उचित प्रक्रिया के तहत छीनी जा सकती है। इसी तरह, 1997 में विशाखा बनाम राजस्थान राज्य मामले में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

संभावित मौसम समस्याओं की चेतावनी और सरकार से कार्यवाही की अपेक्षा

अरुण श्रीवास्तव

सरकार को मौसम में आ रहे बदलाव को नोटिस में लेते हुए तुरंत निर्णय लेने की अपेक्षा है। केंद्र की मोदी सरकार को गेहूं पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क खत्म करने में समय नहीं गंवाना चाहिए। सर्दी में सब्जियों के नए उत्पादों से उसकी महंगाई पर अपने आप नियंत्रण हो जाएगा। लेकिन असली समस्या लोगों के सामने अनाज, खाद्य तेलों और दालों के बढ़ते दामों को लेकर है। मौसम के वर्तमान हालातों को देखते हुए इनके दामों में कमी की उम्मीद नहीं की जा सकती। सरकार को टैरिफ नीति के माध्यम से कार्रवाई करनी चाहिए। रबी (सर्दी-बसंत) की फसलें, खासतौर पर गेहूं, हाल के समय में मार्च में पारे के उछाल के प्रति संवेदनशील रहती हैं। विशेष रुप से जब वे अंतिम फसल तैयारी और भराई के चरण में होती हैं। पिछले दो वर्षों में देखा गया है कि जब इन फसलों के बीज बोने के समय अक्टूबर और नवंबर में तापमान औसत से काफी ऊपर रहा है, । भारत मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार इस अक्टूबर में देशभर में औसत न्यूनतम और औसत तापमान अब तक का सबसे उच्चतम रहा है। । नवंबर को भी, अधिकतम और औसत तापमान क्रमशः दूसरे और तीसरे उच्चतम स्तर पर दर्ज किए गए। इसका समग्र रबी बुवाई पर प्रभाव पड़ा है। बता दें कि रबी की बुवाई मध्य नवंबर तक पीछे रही। हालांकि इसके बाद सर्दी के अंत में सुधार हुआ है। लेकिन इसके कारण सरसों या आलू की मदद हो जाएगी संभव नहीं दिखता। सरसों और आलू की बुवाई की नवंबर के पहले पखवाड़े में समाप्त हो जाती है। रबी फसलों के उत्पादन पर चिंता करना लाजिमी है। जिन्हें उचित अंकुरण और वानस्पतिक विकास के लिए अपेक्षाकृत कम तापमान की आवश्यकता होती है। जबकि देरी से बुवाई के कारण गेहूं और अधिकांश अन्य फसलों (पहले उल्लिखित आलू व सरसों को छोड़कर) में पैदावार प्रभावित नहीं होनी चाहिए। एक विस्तारित सर्दियों पर सशर्त और समय से पहले पकने के कारण ह्लमार्च के आइडसह्व हीटवेव नहीं होनी चाहिए। यहां आशा –ला नीना– से है, जिसके अधिकांश वैश्विक मौसम मॉडल जनवरी-मार्च तक जारी रहने के लिए इस महीने के अंत तक विकसित होने का अनुमान विशेषज्ञ लगा रहे हैं। ला नीना की घटनाएं आमतौर पर भारत में प्रचुर मात्रा में बारिश और सामान्य से अधिक ठंडी सर्दियां लाती हैं। केंद्रीय मौसम विभाग ने आगामी सर्दियों के मौसम (दिसंबर-फरवरी) के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम और अधिकतम तापमान की चेतावनी दी है। यह एक अनिश्चित तस्वीर को को सामने लाता है। यह कुछ महीने पहले के विपरीत है, जबकि खरीफ की अच्छी फसल के बाद एक बम्पर रबी की संभावना जताई जा रही थी झ अधिशेष मानसून बारिश के लिए धन्यवाद, जिसने प्रमुख बांध जलाशयों को भरने और भूजल एक्वीफर्स को रिचार्ज करने में मदद की। पहले से ही उच्च खुदरा खाद्य मुद्रास्फीति (अक्टूबर में सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत) के साथ मौसम की अनिश्चितता शायद भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति द्वारा शुक्रवार की बैठक में ब्याज दरों में कटौती नहीं करने का निर्णय लेने का एक प्रमुख कारण है। हालांकि, खाद्य कीमतों के बारे में केंद्रीय बैंक बहुत कम कर सकता है। इस मामले में आपूर्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी सरकार पर है। सरकार को गेहूं पर 40 फीसदी आयात शुल्क खत्म करने और कच्चे पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क को मौजूदा 20 फीसदी से घटाकर 10 करने में वक्त गंवाना नहीं चाहिए। सर्दियों के मौसम की सामान्य आवक के साथ सब्जियों की मुद्रास्फीति कम हो सकती है, लेकिन अनाज, खाद्य तेलों और दालों में इस तरह की आत्म-सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सरकार टैरिफ नीति के माध्यम से कार्य कर सकती है और उसे करना चाहिए।

बीमा सखी योजना: ग्रामीण महिलाओं को बनायेगी सशक्त

देश भर में 35,000 महिलाओं को शामिल करने की प्रारंभिक योजना। हरियाणा का पानीपत, महिला सशक्तिकरण पर अपने ऐतिहासिक जोर के कारण इस योजना का लॉन्चपैड है। आधिकारिक या नामित सरकारी पोर्टल पर जाएँ। व्यक्तिगत विवरण और वैध संपर्क जानकारी का उपयोग करके एक खाता बनाएँ। सटीक विवरण के साथ आवेदन पत्र भरें। आईडी प्रूफ, शैक्षिक प्रमाण पत्र और बैंक विवरण जैसे आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। आवेदनों की समीक्षा की जाती है। स्वीकृत होने के बाद, उम्मीदवारों को एक व्यक्तिगत डैशबोर्ड तक पहुँच प्राप्त होती है। बीमा सखी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और नमो दीदी कार्यक्रमों की सफलता के बाद, महिला-केंद्रित योजनाओं को शुरू करने के पीएम मोदी के ट्रैक रिकॉर्ड को जारी रखती है।

प्रियंका सौरभ
लेखक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसम्बर को पानीपत का दौरा करेंगे और बीमा सखी योजना शुरू करेंगे, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस योजना से लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जल्द ही इसकी विस्तृत जानकारी देंगे। 9 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के पानीपत में ह्यबीमा सखी योजनाह्व की शुरूआत करेंगे, जिसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करके महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत, महिलाएँ जीवन बीमा निगम की एजेंट बनेंगी, जिससे वे बीमा बेच सकेंगी और आय अर्जित कर सकेंगी। यह पहल महिला सशक्तिकरण और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। बीमा सखी योजना महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा पर केंद्रित है, जो महिलाओं के लिए बीमा कवरेज को बढ़ावा देती है। यह योजना महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाना है। यह योजना वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। महिलाओं को बीमा उत्पादों तक पहुँच प्राप्त होगी, जो कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी। इस सहायता का उद्देश्य महिलाओं के आत्मविश्वास और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। इस लॉन्च से महिलाओं के सशक्त होने की उम्मीद है। यह लैंगिक समानता के बारे में एक मजबूत संदेश भेजेगा। यह पहल महिलाओं के अधिकारों के लिए राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य महिलाओं को अपने भविष्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है। ह्यबीमा सखी योजनाह्व पूरे भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। योजना के तहत चुनी गई महिलाएँ एलआईसी एजेंट के रूप में काम करेंगी और अपने समुदायों में बीमा सेवाएँ प्रदान करेंगी। इससे न केवल महिलाओं के लिए रोजगार पैदा होगा बल्कि वित्तीय साक्षरता और सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी का हरियाणा से गहरा नाता है, अक्सर वे इसे महत्त्वपूर्ण पहलों के लिए लॉन्चिंग ग्राउंड के रूप में चुनते हैं। 2015 में पानीपत से ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्व आंदोलन की शुरूआत सहित मोदी के अभियानों के साथ राज्य का इतिहास महिलाओं के कल्याण के लिए उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए एक मिसाल कायम करता है। महिलाओं के अधिकारों पर ध्यान देने के लिए जाना जाने वाला हरियाणा एक बार फिर सामाजिक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने की राज्य की विरासत को और मजबूत करेगी। ह्यबीमा सखी योजनाह्व राज्य की सफल महिला-केंद्रित नीतियों के पोर्टफोलियो में शामिल होगी और समावेशी विकास पर बढ़ते फोकस को दर्शाएगी। ाारी शक्ति पर सरकार के जोर को लोकसभा में पारित नारी शक्ति वंदन विधेयक जैसे प्रयासों के माध्यम से मजबूत किया गया, जिसमें महिलाओं को 33% आरक्षण दिया गया। बीमा सखी योजना ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रगतिशील पहल है। इसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। यह योजना लैंगिक समानता और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप है। यह वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह पहल वित्तीय सेवाओं में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करते हुए स्थायी आजीविका बनाने का प्रयास करती है। इस योजना से महिलाओं को वित्तीय मुख्यधारा में एकीकृत करके ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। लैंगिक समानताः यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और अब बीमा सखी जैसी पहलों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। एक स्थिर आय और करियर पथ प्रदान करके, कार्यक्रम कमजोर समुदायों की महिलाओं का उत्थान करना चाहता है। पात्र महिलाओं को योजना के बारे में सूचित करने के लिए प्रभावी संचार रणनीतियाँ आवश्यक हैं। योजना की सफलता के लिए वेतन और कमीशन का समय पर वितरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है। बीमा क्षेत्र में अपनी भूमिका को बनाए रखने और विस्तारित करने के लिए महिला एजेंटों के लिए एक मजबूत सहायता प्रणाली का निर्माण करना। आवेदक भारतीय नागरिक होने चाहिए। न्यूनतम योग्यता 10वीं या 12वीं कक्षा की होनी चाहिए। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता विवरण, मोबाइल नंबर, शैक्षिक प्रमाण पत्र शामिल हैं और महिलाओं को ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों की निवासी होना चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को बीमा सखी के रूप में तैयार करने के लिए जीवन बीमा निगम द्वारा प्रदान किए गए विशेष प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रमाणन प्रदान किया जाता है। एक निश्चित मासिक वेतनः पहले वर्ष में 7,000, दूसरे में 6,000 और तीसरे वर्ष में 5,000 और बेची गई बीमा पॉलिसियों पर कमीशन के माध्यम से अतिरिक्त आय मिलेगी। आयोगों और नीति-सम्बंधी अपडेट की निगरानी के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म। कौशल और ज्ञान को उन्नत करने के लिए नियमित कार्यशालाएँ।

दिल्ली चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया।

ललित गर्ग
लेखक

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है। भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है। निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मालेर्ना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

टेक्निकल टैक्सटाइलः नवाचार और स्थिरता के साथ भारत के भविष्य का निर्माण

केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह

परिवर्तन ही संसार का नियम है- परिवर्तन ब्रह्मांड का नियम है। इस सशक्त संदेश के अनुरूप, भारत की वस्त्र विरासत बदलती दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल रही है। तकनीकी वस्त्रों के बारे में हमारी यात्रा सिर्फ.वस्त्र के संदर्भ में नहीं है, अपितु यह सपने बुनने, भविष्य को सुरक्षित करने और 1.4 बिलियन भारतीयों के लिए एक दीर्घकालिक कल तैयार करने के बारे में है। आज, मैं यह साझा करने में गर्व का अनुभव करता हूं कि कैसे भारत का तकनीकी वस्त्र क्षेत्र हमारे पूरे देश के जीवन में क्रांति ला रहा है। पैकटेक, इंडुटेक, मोबिलटेक, क्लॉथटेक, होमटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक, बिल्डटेक, प्रोटेक, जियोटेक, स्पोर्टेक और ओकोटेक जैसे 12 विशेष खंडों के साथ यह हर तरह के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े तकनीकी वस्त्र बाजार के रूप में, जिसका मूल्य 25 बिलियन डॉलर है और 2030 तक इसके 40 बिलियन डॉलर को पार करने का अनुमान है, भारत ने उल्लेखनीय निर्यात वृद्धि देखी है। यह 2014 में शून्य से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 3 बिलियन डॉलर हो चुकी है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 10 बिलियन डॉलर है। पैकटेक, इंडुटेक और मोबिलटेक का निर्यात में 70 प्रतिशत की सहभागिता है, जो भारत की विनिर्माण क्षमता को उजागर करता है, जबकि बिल्डटेक क्षेत्र में 229 प्रतिशत की वृद्धि विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञता को दशार्ती है। इसके अलावा भारत ने अनुसंधान और विकास, उद्यमिता और स्थायी कार्य प्रणालियों के माध्यम से घरेलू मांग को प्रोत्साहित करते हुए बिल्डटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक और अन्य उभरते क्षेत्रों सहित अन्य तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों में निर्यात का विस्तार करने की योजना बनाई है।
अपने देश के आत्मनिर्भरता लक्ष्य का समर्थन करने के लिए, हम नायलॉन, कार्बन फाइबर, हाई-स्पेशलिटी फाइबर और अल्ट्रा-हाई-मॉलिक्यूलर-वेट पॉलीइथिलीन (यूएचएमडब्ल्यूपीई) जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात निर्भरता को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जिस तरह भारत अपने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य कर रहा है, उसी तरह हम तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में भी ऐसा ही करने की आकांक्षा रखते हैं। इसे हासिल करने के लिए, मोदी सरकार ने 1,480 करोड़ रुपए के समर्थन से राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) का शुभारंभ किया। इस पहल ने पहले ही 509 करोड़ रुपए की 168 परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी है और 5.79 करोड़ रुपए के साथ 12 स्टार्टअप को वित्त पोषित किया है। हम केवल वैश्विक प्रगति में योगदान नहीं दे रहे हैं, अपितु इसे आकार भी दे रहे हैं। हमारा विजन संख्याओं से परे है, जिसका लक्ष्य एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है जो अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ता है। 2.5 वर्षों के भीतर टी100 कार्बन फाइबर के घरेलू उत्पादन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी प्रतीक्षा कर रही है, जो महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में हमारी आयात निर्भरता को काफी हद तक कम कर देगा। जबकि हम आयातित गैर-बुने हुए पदार्थों, कार्बन फाइबर, उच्च-विशिष्ट फाइबर, नायलॉन और यूएचएमडब्ल्यूपीई पर अपनी निर्भरता को कम करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि भारत वित्त वर्ष 2025-26 तक घरेलू कार्बन फाइबर उत्पादन का शुभारंभ कर देगा, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हमारा कृषि क्षेत्र तकनीकी वस्त्रों की परिवर्तनकारी क्षमता को प्रदर्शित करता है। नवोन्मेषी एग्रोटेक्सटाइल्स पिछले छह वर्षों में 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 567 मिलियन डॉलर से अधिक के निर्यात को बढ़ावा दे रहे है। ग्रामीण भारत में एक किसान की कल्पना करें जो छाया के लिए जाल और गीली घास की चटाई का उपयोग कर रहा है और 40 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करते हुए फसल की पैदावार में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि का साक्षी बन रहा है। एनटीटीएम के अंतर्गत ग्यारह अभूतपूर्व परियोजनाओं के माध्यम से, जिसमें उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) द्वारा सन हेम्प फसल कवर और दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एसआईटीआरए) द्वारा हर्बल-लेपित बीज बैग शामिल हैं, हम किसानों की आय में महत्वपूर्ण रूप से 67-75 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं। यह सही मायने में सतत विकास है। हमारे तकनीकी वस्त्रों की यात्रा में राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे सुरक्षा कर्मियों को अपने साहसपूर्ण कर्तव्य को पूर्ण करने में स्वदेशी ढाल का लाभ मिलता है। एनआईटीआरए के शोध के माध्यम से विकसित उन्नत सुरक्षात्मक वस्त्र 449 डिग्री तक के तापमान को झेल सकता है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन लोगों की सुरक्षा के बारे में है जो हमारी रक्षा करते हैं। भारत का ऑटोमोटिव क्षेत्र फल-फूल रहा है, वित्त वर्ष 2023-24 में वाहनों की बिक्री 40 लाख यूनिट को पार कर गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, मंगलवार ,10 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

जदयू अध्यक्ष ने सम्मेलन के लिए कार्यकर्ताओं का जताया आभार

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने सफल कार्यक्रम के लिए वर्तमान एवम पूर्व मंत्री विधायक विधान पार्षद प्रदेश से नियुक्त सभी विधानसभा प्रभारी वरीय नेता जिला से दूसरे विधानसभा में प्रभारी जिला कमेटी जिला से प्रदेश में विभिन्न प्रकोष्ठों में पदाधिकारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रखण्ड अध्यक्ष पंचायत अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष एवम बूथ सचिव सहित सभी समर्पित कार्यकर्ता साथीयों को बधाई के साथ साथ आभार व्यक्त किया है आलम ने कहा कि जदयू के सम्मानित कार्यकताओं ने चट्टानी एकता का सबूत दी है कार्यकर्ता के सहयोग से ही कार्यक्रम सफल हुआ है कार्यकर्ता साथीयों के बदौलत हम लोग जिला के सभी दासो विधानसभा क्षेत्रों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्यासी की जीत होगी।

शिक्षाविद अमीर बाबू की पुण्यतिथि पर किया गया पौधारोपण

इसुआपुर। प्रखंड के गलिमापुर गांव निवासी दिवंगत शिक्षाविद् शिक्षक अमीर सिंह की सातवीं पुण्यतिथि सोमवार को उनके पैतृक आवास पर मनाई गई। इस मौके पर उनकी स्मृति में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड के शिक्षाप्रेमियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं तथा गणमान्य लोगों ने भाग लिया। वहीं उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर तथा फूलमाला चढ़ाकर नमन किया। वहीं दिवंगत शिक्षाविद् के व्यक्तित्व व कृतित्व की चर्चा की गई। कहा गया कि आमिर बाबू अपने जीवन काल में शिक्षा के क्षेत्र व सामाजिक कार्यों मे बढ़ चढ कर हिस्सा लेते थे ।चिकित्सक पुत्र डॉक्टर पी के परमार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य श्रीप्रेमचंद, मूंगालल शास्त्री, आचार्य विश्वनाथ तिवारी, मदन श्रीवास्तव, रघुनाथ ओझा, सुदर्शन झा, प्रधानाध्यपक ओम प्रकाश गुप्ता, रजनीश रंजन तिवारी, लंकेश तिवारी, अमिताभ नीरज, संतोष कुमार सिंह समेत दर्जनों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

पूर्व डीजीपी डीपी ओझा के निधन पर जताया शोक

इसुआपुर । बिहार के पूर्व डीजीपी प्रखंड के कुम्हैला गांव निवासी ध्रुव प्रसाद ओझा के निधन पर की खबर सुन कर प्रखंड में शोक की लहर व्याप्त है ।लोगों ने कुम्हैला गांव स्थित उनके पैतृक आवास पर जाकर परिजनों के बीच अपनी शोक संवेदना व्यक्त किया । वहीं उनके तैल चित्र पर फूलमाला चढ़ाकर तथा माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व की चर्चा की गई। वहीं एक साधारण किसान परिवार में जन्मे डी पी ओझा के कुम्हैला गांव से पुलिस विभाग के सर्वोच्च पद डीजीपी बनने तक के सफर को याद किया गया। उनके सहपाठी रहे पूर्व अपर समाहर्ता रामायण सिंह, विधायक जनक सिंह, वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह,प्रखंड प्रमुख मितेंद्र प्रसाद यादव, उप प्रमुख प्रतिनिधि डब्लू ओझा, स्थानीय मुखिया धनंजय पांडेय ने अपनी गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। वहीं इंजीनियर कुमार शिवम, मदन ओझा, सुशांत कुमार, संतोष कुमार ,गोलू कष्णा, पूर्व सरपंच तहसील शर्मा, पवन ओझा, सर्वेश ओझा, शिवशंकर ओझा समेत दर्जनों लोगों ने पूर्व डीजीपी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

युवा ब्राह्मण चेतना मंच ने 25 को मालवीय एवं वाजपेई की जयंती मनाएगा

छपरा कार्यालय। युवा ब्राह्मण चेतना मंच के कार्यालय गुदरी बाजार में राष्ट्रीय संयोजक डॉ सुभाष पांडे की अध्यक्षता में जिला कमेटी की बैठक हुई इसमें सर्व सम्मति से 25 दिसंबर को मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाने का निर्णय किया गया। महामन्ना सम्मान देने पर भी विचार विमर्श किया गया ।बैठक में जिला अध्यक्ष पंडित अरुण पुरोहित ,आचार्य विमलेश तिवारी उर्फ बबलू बाबा ,कार्यक्रम प्रभारी शशि प्रकाश मिश्रा उर्फ मनोज बाबा ,आचार्य श्याम सुंदर मिश्र अनिल कुमार मिश्र उर्फ दीपू बाबा,नारायण पांडे,राजू रंजन तिवारी ,घनश्याम मिश्रा ,आचार्य विवेक विभूषित वगैरह उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत,दो घायल

छपरा कार्यालय। सोनपुर थाना क्षेत्र के दुधैला मोड़ सोनपुर बाईपास के पास 01 कार सवार 04 व्यक्ति का ट्रक से एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें 02 व्यक्ति की मौके पर मौत हो गयी और 02 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनपुर थाना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण कर घायल दोनों व्यक्तियों को इलाज हेतु पीएचसी सोनपुर में भर्ती करवाया गया जहाँ डॉक्टर के द्वारा बेहतर इलाज हेतु पटना रेफर किया गया है मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल छपरा भेजा गया है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर वरिष्ठ नागरिकों का बनाया जा रहा है आयुष्मान कार्ड

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले के सभी वरिष्ठ नागरिक जिनकी उम्र 70 वर्ष या उससे अधिक का है, वैसे बुजुर्ग अभिभावकों को आयुष्मान भारत वय वंदन कार्ड योजना के तहत कार्ड बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है । हालांकि यह अभियान बीते 20 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा। जिलाधिकारी अमन समीर ने आयुष्मान कार्ड से वंचित वरिष्ठ नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि अपने निकटतम वसुधा केंद्र,सभी सरकारी हॉस्पिटल में बने डिजिटल काउंटर या खुद आयुष्मान ऐप से केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद आयुष्मान कार्ड से लाभ उठा सकते हैं। हालांकि जिले के बुजुर्ग नागरिकों के लिए संचालित इस महत्वपूर्ण अभियान के संबंध में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करने तथा लाभांवित करने के उद्देश्य से जन जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सके। वरिष्ठ नागरिक प्रतिवर्ष 10 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज सूचीबद्ध अस्पतालों में करा सकते हैं। लेकिन अन्य आय वर्ग के वरिष्ठ नागरिक जो पूर्व से योजना अंतर्गत चिन्हित नहीं थे उन्हें इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 5 लाख के इलाज की सुविधा मिलेगी। जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला से लेकर सभी प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों के डिजिटल काउंटर पर यह सुविधा उपलब्ध है। यानी कि सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावे सदर अस्पताल में भी इसकी सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सभी नगर निकायों तथा वसुधा केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हालांकि इसके बावजूद आशा कार्यकताओं के माध्यम से डोर टू डोर भ्रमण कर आयुष्मान एप के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों का केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं घर बैठे भी आयुष्मान एप के माध्यम से केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं।

आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक नीरज कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी अमन समीर के दिशा निर्देश और सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिंहा के मार्ग दर्शन में जिले के वैसे वरिष्ठ नागरिक जिनका आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बना है वैसे नागरिकों से अपील है कि अपने निकटतम केंद्र पर जाकर या फिर खुद आयुष्मान ऐप से केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करने के बाद आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। इसके लिए जिलाधिकारी द्वारा छूटे हुए वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना से शत-प्रतिशत आच्छादित करने का आवश्यक निर्देश दिया गया है।क्योंकि किसी कारणवश प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं मिला है, उन लोगों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड निर्माण कराया जा रहा है। ताकि हर नागरिकों को इसका लाभ मिल सकें। क्योंकि अभी भी कुछ वैसे लाभुक है जिनका कार्ड नहीं बना है। हालांकि इसके साथ ही हर कोई लाभुक अब घर बैठे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) एप डाउनलोड कर स्वयं कार्ड बना सकते हैं।

आयुष्मान भारत योजना के जिला आईटी प्रबंधक अभिनय कुमार ने बताया कि विगत 30 नवंबर से 08 दिसंबर तक 7186 जिलेवासियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। जिसमें 70 से अधिक आयुवर्ग के 1674 बुजुर्गों का कार्ड बना है। दरियापुर में 464, सोनपुर में 457, एकमा में 442, गड़खा में 434, मांझी में 419, अमनौर में 409, बनियापुर में 391, छपरा सदर में 376, इसुआपुर में 268, तरैया में 252, मढ़ौरा में 251, मसरख में 213, दिघवारा में 206, मकेर में 202, जलालपुर में 186, परसा में 186, रिविलगंज में 160, पानापुर में 158, नगरा में 144, लहलादपुर में 134 जबकि इसके अलावा छपरा नगर निगम में 601, नगर पंचायत रिविलगंज में 64, सोनपुर में 64, मढ़ौरा में 41 जबकि दिघवारा में 40 के साथ जिले के जागरूक लोगों ने खुद 77 आयुष्मान कार्ड निर्माण किया है।

सदर सीओ के नेतृत्व में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में शहर में पुनः अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत आज किया गया ' अंचलाधिकारी सदर कुमारी आंचल एवं नगर निगम के प्रबंधक अरविंद कुमार के नेतृत्व में महिला एवं पुरुष पुलिस बल के साथ वार्ड नंबर 7 के 5 नंबर अड्डा के निकट किए गए अतिक्रमण को हटाया गया ' सोमवार को अंचलाधिकारी सदर कुमारी आंचल एवं नगर निगम प्रबंधक अरविंद कुमार तथा भगवान थाना के पुलिस अवर निरीक्षक विद्यानंद ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ वार्ड नंबर 7 के भगवान बाजार स्थित अड्डा नंबर 5 के पीछे किए गए अतिक्रमण को मुक्त करा लिया गया है ' नगर आयुक्त ने शांतिपूर्ण अतिक्रमण हटाए जाने के बाद इस आशय की सूचना अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर को पत्र के माध्यम से दे दी गई है ' बता दें कि शांतिपूर्ण अतिक्रमण हटाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी सदर द्वारा अंचलाधिकारी सदर कुमारी आंचल, नगर निगम के प्रबंधक अरविंद कुमार एवं भगवान बाजार थाना के पुलिस अवर निरीक्षक विद्यानंद ठाकुर तथा पुलिस आरक्षी केंद्र से 10 महिला एवं10 पुरुष पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी ।

सीता राम विवाह पंचमी के बाद लौटते समय रक्सौल में हुए भव्य स्वागत

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर स्वयंवर में धनुष तोड़ने के पश्चात जगत जननी सीता माता और भगवान राम का विवाह हुआ था, जो संसार के मानव जाति के लिए आदर्श विवाह रूप में महत्व दिया जाता है, क्योंकि भगवान राम के पूर्व एक पुरुष कई महिलाओं के साथ विवाह करते थे, यानी बहु विवाह की प्रथम दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में विद्यमान थी, भगवान राम ने इस परंपरा को तोड़ते हुए एक पुरुष का सिर्फ एक ही महिला के साथ विवाह हो सकता है, भगवान ने माता सीता के साथ विवाह करके इस प्रकार का आदर्श प्रस्तुत किया, जिसका उदाहरण दुनिया में कहीं नहीं है। हम सभी भगवान राम के भक्त हैं और अपने आराध्य के इस विवाह में भाग लेना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। प्रत्येक 5 वर्षों में अयोध्या से जनकपुर धाम के लिए बारात जाती है, विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर विवाह होने के पश्चात पुनः अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करती है। रक्सौल क्षेत्र के राम भक्तों के लिए काफी खुशी और गर्व की बात है कि कई बरसों के पश्चात श्री सीता राम विवाह बरात यात्रा रक्सौल के पावन धरती से होकर जा रही है, जो हमारे लिए सौभाग्य की बात है, इस यात्रा की सूचना जैसे ही अंतरार्ष्ट्रीय हिंदू परिषद सह राष्ट्रीय बजरंग दल- चंपारण जिला इकाई के कार्यकताओं को प्राप्त हुई, विभाग प्रमुख दिग्विजय पार्थ के नेतृत्व में यात्रा के स्वागत की तैयारी में लग गए और जैसे ही यह यात्रा 9 दिसंबर को शंकराचार्य गेट के पास पहुंची, गाजे बाजे और ध्वनि विस्तारक यंत्र के साथ सभी कार्यकर्ता अपने समाज के राम भक्तों के साथ जोरदार स्वागत किए, इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अरुण कुमार, जिला कोषाध्यक्ष राधेश्याम कुमार, बजरंग दल जिला अध्यक्ष नरेश पटेल, कार्य अध्यक्ष विजय सिंह,, महामंत्री राजेश कुमार, सीमा जागरण मंच के महेश अग्रवाल, आशुतोष कुमार, नगर अध्यक्ष सनी कुमार, मुकेश कुमार, मनीष कुमार, किशन कुमार, तेज बहादुर जी, नगर अध्यक्ष अजीत पांडे, विजय कुमार,जितेश कुमार, प्रशांत कुमार, शुभम कुमार, संदीप कुमार, संतोष मद्धेशिया, सुनील कुमार, इत्यादि सैकड़ो कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा है।

कन्हैया ब्रह बाबा मंदिर हेतु ग्रामीणों ने किया भूमि पूजन

रिविलगंज । प्रखंड के इनई के 200 वर्षो से ज्यादा पुराना पूर्वजो के कहना अनुसार प्राचीन मंदिर कन्हैया ब्रह्म बाबा का का जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन ग्राम वासियो द्वारा किया गया। यह कन्हैया बाबा बहुत ही जागृत बाबा है यहाँ के पूर्वजो का कहना है कि अगर जो पुत्र के लिये मन से मन्नत मांगते है तो कन्हैया बाबा जरूर पूरा करते है। ऐसे भी हम सभी पर कोई संकट आता है तो कन्हैया बाबा के पास जाने संकत्व हरण में लाभ मिलता है। इस मंदिर में पूरे गांव का शादी का मटकोर के दिन यही स्थान से मिट्टी कोरे जाते है एवं शादी के बाद चौथारीवके दिन पूजा करने के बाद मन्दिर को धागा से घेरा जाने की प्रथा है जो आज भी कायम है। इस अवसर पर पंडित चतुरनानन्द तिवारी, अशोक सिंह, मुखिया प्रतिनिधि जय प्रकाश सिंह,सरपंच प्रतिनिधि चांद किशोर सिंह , पवन कुमार, भाजपा नेता धर्मेन्द्र सिंह चौहान, अजय सिंह,रमेश सिंह, वार्ड सदस्य धर्मेन्द्र सिंह, मनोज सिंहः,जजमान जयराम सिंह,मिना देवी,राज कुमार सिंह, ई कामेश्वर सिंह,धर्मनाथ सिंह,मुन्ना कुमार सहित सैकड़ो जनता एवं महिलाये द्वारा मंगल गीत के साथ सम्पन्न हुआ।

कामता सखी का 139 वां जयंती समारोह संपन्न

छपरा कार्यालय। देश के प्रथम राष्ट्पति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद के आध्यात्मिक गुरु एवं भोजपुरी जगत के सुप्रशिद्ध संत कवि 108 महात्मा कामता सखी जी का 139 वा जयंती समारोह स्थानीय श्री कामता सखी मठ छपरा मे महात्मा जी के पौत्र एवं शिष्य श्री बृजमोहन प्रशाद वर्मा के नेतृत्व मे उनके समाधि स्थल पर बड़े हीं धूम धाम से मनाई गई इस कार्यक्रम के सर्ब प्रथम हवन भजन आरती कर प्रशाद के रूप मे खीर पूरी एवं पान मिठाई का बितरण किया गया ब्यास शंकर श्रीवास्तव द्वारा सोहर बधाईया एवं भजन के माध्यम से उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाल कर अभी भक्तो को मनमुग्ध कर दीये मोके पर राकेश वर्मा,श्रीप्रकाश वर्मा,मुकेश वर्मा,अमरेन्द्र वर्मा,सत्यप्रकाश वर्मा,अंकुर श्रीवा स्तव,सरोज देवी,बिन्दू श्रीवास्तव,पुन्नी देवी,निलम देवी,रंजू देवी,दूर्गावती देवी,स्नेहा,आरूषी,प्रभात रंजन वर्मा,नरेंद्र सिंह,पंडित रविन्द्र देव गोस्वामी,विजय साह,आदि भक्त शामिल थे।

विशेष अभियान चलाकर 603 वारंट, 25 कुर्की, 69 इश्तेहार एवं 329 सम्मन का किया गया निष्पादन

छपरा कार्यालय।पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों / अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण / परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक- 08.12.2024 को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 57 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबार में 12, शराब सेवन-20, वारंट में-17, हत्या का प्रयास में-02, गृहभेदन में-01, आर्म्स एक्ट में-01, एससी/एसटी एक्ट में-03 एवं अन्य में-01 अभियुक्त शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में विगत 24 घंटे में विशेष अभियान चलाकर 603 वारंट, 25 कुर्की, 69 इश्तेहार एवं 329 सम्मन का निष्पादन किया गया।

रक्सौल में डीआरआई की टीम ने की छापेमारी बांग्लादेश बॉर्डर से हुई आयात पर पड़ी थी नजर

■ फर्जीवाड़ा कर दूसरे के आधार कार्ड पर निकाला गया था जीएसटी

प्रातः किरण, संवाददाता

रक्सौल। मुजफ्फरपुर से आयी डीआरआई की टीम ने रविवार को रक्सौल में छापेमारी करते हुए वार्ड नंबर-19 स्थित हंस टोला से अर्जुन प्रसाद गुप्ता के पुत्र संजीव गुप्ता उर्फ मामा को अपने अभिरक्षा में लिया है। ऐसा आरोप है कि संजीव गुप्ता दूसरे-दूसरे व्यक्तियों के कागजात से फर्जीवाड़ा करते हुए उनके नाम पर गलत फॉर्म बनाते थे और उसी पर करोड़ों का लेन-देन किया जाता था, जबकि संबंधित व्यक्ति को इस बारे में किसी तरह की जानकारी तक नही होती थी। रविवार को इसका खुलासा हो गया, जिसके बाद कई ऐसे लोग जिनके नाम पर संजीव गुप्ता ने फर्जी कंपनी बना रखी थी, उनके पैरों तले जमीन खिंसक गयी।

फिलहाल छापेमारी के बाद डीआरआई की टीम को यहां से कई तरह के कागजात मिले है, जिसके आधार पर आगे की जांच व पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार भारत-बंगलादेश बॉर्डर के पेट्रापोल सीमा से करीब 7 करोड़ 50 लाख रुपए के यह आयात पर डीआरआई की नजर पड़ी, जिसके बाद कलकता डीआरआई की टीम ने बिहार की टीम से संपर्क किया और इसकी जांच का जिम्मा सौंपा, इसके बाद मुजफ्फरपुर की टीम ने यहां रक्सौल पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की है। फिलहाल संजीव गुप्ता डीआरआई की अभिरक्षा में है और जांच रिपोर्ट बनने के बाद जो आरोप साबित होगें, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। सूत्रों के अनुसार बहुत सारे प्रमाण डीआरआई को मिला है, दूसरे के नाम पर काम कर खुद की काली संपति बनाने के चक्कर में संजीव गुप्ता ने आठ से दस लोगों के साथ ऐसा काम किया है, इसके अलावा और भी कई लोग है, जिनकी जांच चल रही है। इस दौरान पुलिस निरीक्षक राजीव नंदन सिन्हा नहीं मौजूद थे। छापेमारी के दौरान कई लोगों के आधार कार्ड, बैंक खाता का पासबुक, चेक के साथ-साथ कई तरह के कस्टम से संबंधित पेपर भी जब्त किये गये है, जिसका डीआरआई की टीम अध्ययन कर रही है। गौरतलब है कि ऐसे फजीर्वाड़ा का मामला कई बार रक्सौल में सामने आया है।

वाल्मीकिनगर में चोरी की घटना अप्रत्याशित रूप से बढ़ी, पुलिस ने रात्रि गशती की तेज

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र स्थित जलसंसाधन विभाग के प्रोजेक्ट एरिया में चोरी की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी देखी जा रही है। जलसंसाधन विभाग एरिये में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट कन्वेंशन हॉल में चोरी,वहीं जलसंसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता शीर्ष कार्यालय में वृहस्पतिवार की रात चोरीकी घटना हुई। कार्यलय कर्मी प्रदीप कुमार ने बताया कि दो इन्वर्टर बैट्री, दो इन्वर्टर,5 पुराना उषा कंपनी का सिलिन फेन की चोरी हुई है। बतादें की कन्वेंशन हॉल में भी चोरी में इन्वर्टर व बैट्री की चोरी गत दिनों हुई थी। ज्ञात हो कि दोनों घटनाओं में चोरी के वक़्त नाईट गार्ड की तैनाती रहती है,इसके बावजूद चोरी की घटना को चोरों द्वारा अंजाम दिया गया। इससे घटना के कारणों की पृष्ठभूमि संदिग्ध नजर आ रही है ।थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि एक घटना में चोरी गए समान के साथ एक नाबालिग अपराधी को पकड़ कर जेल भेजा गया है ।वहीं दूसरी घटना की जांच की जा रही है ।बतातें चलें कि सर्दी के सीजन आते ही चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी पूर्व में भी देखी जाती रही है ।कार्यालय ।नमस्ते बिहार एक ऐसा कार्यक्रम है जो बिहार के छात्रों और युवाओं को एक मंच प्रदान करता है जहां वे अपनी प्रतिभा, कौशल और ज्ञान का प्रदर्शन कर सकते हैं।

उक्त बातें एच आर कॉलेज,अमनौर के प्राचार्य डॉ.पुष्प राज गौतम। ने एक मुलाकात के दौरान कही ।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं, जैसे कि भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, संगीत प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता आदि।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने किया पुस्तक का लोकार्पण

प्रात: किरण, संवाददाता

मकेर (सारण), सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश दिनेश कुमार शर्मा की पुस्तक ;ड्ढ स्त्रीइ'२ ल्ल्ि ।ï१ल्लिू ल्ल शै ।'ड्ढ६ू१ ड्ढ ४२ड्डि; का लोकार्पण उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के ,वी, विश्वनाथन ने किया ।पटना के ताज सिटी सेंटर में हुए एक समारोह में विधिवत पुस्तक का लोकार्पण किया गया ।पुस्तक की प्रशंसा करते हुए मुख्य अतिथि जस्टिस बिस्वनाथन के कहा कि एक न्यायाधीश के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक कानून के कई आयामो स्पर्श करती हुई ना सिर्फ समस्याओं को उजागर करती हैं, बल्कि उनका समाधान भी प्रस्तुत करती हैं ।पुस्तक उन सभी के लिए अनिवार्य बताया गया है जो न्यायपालिका को मजबूत बनाना चाहते हैं ।

पटना उच्चन्यायालय के न्यायाधीश आशुतोष कुमार ने कहा कि न्याय में गुणवत्ता एवम प्रतिष्ठा कायम रखने के लिए इस पुस्तक का अध्ययन जरूरी होगा ।उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी के लेखक न्यायाधीश दिनेश शर्मा की विद्वता की प्रशंसा करते हुए भावी पीढ़ी के लिए इस पुस्तक को बरदान बताय।

वही डॉ फैजान मुस्तफा, जो चाणक्या विधि विश्वविद्यालय के कुलपति है उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में कई ऐसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं जिनकी तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए जो जरूरी है ।न्यायाधीश दिनेश शर्मा जो पुस्तक के लेखक है ने कहा कि जीवन के अस्तित्व के प्रमाण चिंतन है और इसी दर्शन के अनुशीलन का परिणाम यह पुस्तक है जिसके विचार अनुभव पर आधारित है। इस मौके पर लेखक के पुत्र सिद्धार्थ शर्मा ,जो अधिवक्ता है ने आगत अतिथियों का स्वागत किया वही मंच का संचालन अधिवक्ता फौजिया शकील ने किया ,एवम धन्यवाद ज्ञापन किया ।पुस्तक विमोचन के अवसर पर पटना हाइकोर्ट के अन्य न्यायाधीश ,अधिवक्ता के साथ गणमान्य लोग अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई थी ।

रक्सौल के सेंट बेसिल स्कूल के मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल मैच हुआ

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। शहर के सेंट बेसिल स्कूल के फुटबॉल ग्राउंड पर रविवार को एकदिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। इस मैच में रक्सौल फुटबॉल क्लब और सुपर जॉइंट्स फुटबॉल क्लब के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। खेल भावना और जोश से भरा यह मैच दर्शकों के लिए मनोरंजन का एक बेहतरीन अनुभव साबित हुआ।

मैच की शुरूआत सुबह 7 बजे हुई, जिसमें रक्सौल फुटबॉल क्लब की कप्तानी अजय चौरसिया और सुपर जॉइंट्स फुटबॉल क्लब की कमान आकाश कुमार ने संभाली। गोलकीपर के रूप में रक्सौल क्लब के लिए विनीत किशोर और सुपर जॉइंट्स क्लब के लिए राज कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया। 90 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार खेल दिखाया, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। इसके बाद रेफरी सुरेंद्र रावत ने मैच को और रोमांचक बनाने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया। इस दौरान रक्सौल फुटबॉल क्लब ने एक शानदार गोल करने में कामयाब रहे, लेकिन रेफरी ने इसे अपने ही खिलाड़ी के हाथ से गेंद छूने का इशारा देते हुए अस्वीकार कर दिया। अंततः यह रोमांचक मुकाबला ड्रॉ घोषित कर दिया गया। खेल का समापन सुबह 9 बजे हुआ।

मैच में सैकड़ों दर्शकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और खेल का भरपूर आनंद लिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने खेल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन खेल प्रेमियों को प्रोत्साहित करते हैं और युवाओं को स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागरूक बनाते हैं।

प्रमुख खिलाड़ी और व्यवस्थापक मे रक्सौल फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों में आर. के रंजन, अभिषेक आनंद, सारुख नवाज, अभिषेक शर्मा, अनामुल, जे. एस. गिरी, रियाज अहमद एवं महबूब शामिल थे।

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय छपरा की पूर्व संचालिका बीके सीता माता की मनाई गई नौवीं स्मृति दिवस

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू के स्थानीय इकाई छपरा में सीता माता कि नौवीं स्मृति दिवस का आयोजन स्थानीय सेवा केंद्र में किया गया। केंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पटना के कंकरबाग स्थित सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्मा कुमारी संगीता दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा की शिक्षाएं आज भी आवश्यक उपयोगी हैं। अगर आपका कर्म और मधुर वाणी के साथ व्यवहार शुद्ध हो तो समाज भी शुद्ध बन जाएगा। उसके बाद ही पूरे विश्व में शांति स्थापित करने की परिकल्पना पूरी हो सकती हैं। हम सभी के प्रयासों व विचारों से भारत पुनः विश्वगुरु बन जाएगा। परमात्मा शिव ब्रह्मा के साकार तन में प्रविष्ट होकर मनुष्य आत्माओं को ज्ञान, पवित्रता और शांति का अनुभव कराते हैं। सभी धर्मो में ब्रह्मा की मान्यताये है। ईसाई धर्म में एडम, मुस्लिम धर्म में उनको अल्लाह तथा हिंदुओं में उन्हें आदि देव व ब्रह्मा के नाम से जानते हैं। हमारे ब्रह्मा बाबा शिव बाबा पर संपूर्ण निश्चयबुद्धि थे, हालांकि उनके जीवन में ना जाने कितनी भी विपरीत परिस्थितियां आई होगी, लेकिन वह अचल और अडिग रहे। ठीक उसी तरह हम सभी को ब्रह्मा बाबा के समान विषम परिस्थितियों के बीच रहते हुए संपूर्ण निश्चयबुद्धि के साथ ही अचल और अडोल होना है। क्योंकि ब्रह्मा बाबा के जीवन में परमात्मा के प्रति संपूर्ण भाव था।

बदला ना लो बल्कि बदल कर दिखाओ जैसे उद्देश्यों को पूरा करने में सीता माता ने अपना जीवन गुजार दीः बीके अनामिका दीदी

ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी ने स्थानीय पूर्व संचालिका सीता माता को याद करते हुए कहा कि छपरा शहर के बीचों बीच

दलदली बाजार में एक छोटे से कमरे में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना ब्रह्मा कुमार भाइयों द्वारा इसका संचालन किया जाता था, लेकिन वर्ष 1980 से 2016 तक मुख्य संचालिका रहते हुए उन्होंने अपने जीवन को पूर्ण रूप से आध्यात्मिक सेवा के लिए ब्रह्मा कुमारी संस्थान में समर्पित कर दिया था। सबसे अहम बात यह है वर्ष 1980 से 2016 तक परमात्मा के संदेश को सारण, सिवान और गोपालगंज जिला मुख्यालय से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक ईश्वरीय संदेश को पहुंचाने का काम कर हजारो लोगो के जीवन को सुखमय और शांतिमय बनाई थी। वहीं नैतिक उत्थान के लिए सीता माता जी ने अपने जीवन में कई बड़े- बड़े कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए कनीय और वरीय अधिकारियों के साथ मुलाकात कर उक्त सभी को ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के लक्ष्य को धरताल पर उतारने का काम करतीं रही। वहीं जिला कारागार में जाकर कैदियों के जीवन को बदलने का प्रयास करती रही। क्योंकि बदला ना लो बल्कि बदल कर दिखाओ इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया। छपरा शहर के रतनपूरा मोहल्ला स्थित ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में लंबी बीमारी के कारण 09 दिसंबर 2016 को अपना नश्वर शरीर को त्याग दिया। स्थानीय सभागार में आयोजित स्मृति दिवस के अवसर पर प्रो प्रियेश रंजन, बीके समीर आनंद, बीके अंकित भाई, बीके आराधना बहन, मुन्नी बहन, निर्मला बहन, वीना बहन, प्रियांशु बहन सहित सैकड़ो भाई और बहनो में श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

नियोजनालय के सौजन्य से कृषि भवन के परिसर में एक दिवसीय नियोजन-सह-व्ययसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया

दिलीप कुमार

आरा। आरा मुख्यालय में बेरोजगारों के लिए लगाया गया रोजगार मेला जिला नियोजनालय, भोजपुर, आरा के तत्वाधान में जिला जियोजनालय, भोजपुर, आरा अर्न्तगत कृषि भवन, परिसर में एक दिवसीय नियोजन-सह-व्ययसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। मेला का औपचारिक उद्घाटन इन्दू देवी, महापौर, आरा नगर निगम, नूर अहसन सहायक निदेशक (नि०), अ०प्रा०नि, पटना, शारिक नुरुल हसन, जिला योजना पदाधिकारी, भोजपुर, आरा, श्याम किशोर पटेल, वरीय कोषागार पदाधिकारी, भोजपुर, आरा, शत्रुधन साहू, जिला कृषि पदाधिकारी, भोजपुर, आरा, विमल कुमार, प्रर्चाय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान, एवं अनिश तिवारी, जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मेला में कुल 22 निजी क्षेत्र की कम्पनीयों द्वारा स्टॉल लगाया गया था एवं कुल 1500 से अधिक रिक्तियों दशार्थी गयी थी। इसके अलावे व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतु 06 स्टॉल लगाये थे जिनमें जिला उद्योग केन्द्र, जीविका, डीआरसीसी, आर सेटी प्रमुख थे। मेले में कुल-1659 बायोडाटा प्राप्त हुए जिसमें कुल 421 अभ्यार्थियों का स्थल चयन किया गया एवं कुल 298 अभ्यर्थियों का विभिन्न कम्पनियों द्वारा प्रथम स्तर पर चयन किया गया। इसके अतिरिक्त कुल 245 युवाओं को व्यसायिक मार्गदर्शन दिया गया।

उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि इन्दू देवी, महापौर नगर निगम, आरा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी युवक युवतियों हेतु सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में नियोजक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत नियोजन मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने मेले में उपस्थित सभी अभ्यर्थियों से अपील की कि मेले में शामिल होकर नियोजन मेले का संपूर्ण लाभ उठायें। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमति इन्दू देवी महापौर, आरा नगर निगम के द्वारा कुल-05 लाभार्थियों को टूल किट एवं 10 लाभार्थियों को स्टही किट वितरण किया गया।

इसके अतिरिक्त मेले में कुल 15 आगंतुको को नियोक्ताओं द्वारा चयन के पश्चात नियोजन पत्र भी मंच से वितरित किया गया। तत्पश्चात कुशल युवा कार्यक्रम में प्रशिक्षित छात्र/छात्राओं के मध्य प्रमाण पत्र वितरित किया गया। मेले में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रत्येक स्टाल पर जाकर नियोजकों से रितियों एवं कार्य स्थल के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधियों के अलावा सुनील कुमार, क०सां०स०, जनार्दन प्रसाद सिंह, उ०व०लि०, इन्दु सिन्हा, उ०व०लि०, अमृता कुमारी सिंहा, कंप्यूटर ऑपरेटर, आलोक, रंजन कुमार, जिला कौशल विशेषज्ञ, भोजपुर, संजय कुमार जिला कौशल प्रबंधक एवं राकेश कुमार, जिला कौशल प्रबंधक सभी कर्मियों के साथ उपस्थित रहें, जिसमें मंच का संचालन संजय कुमार, किया गया।

बिल सुधार, कृषि कनेक्शन और स्मार्ट प्रीपेड मीटर की शिकायतों के निवारण के लिए किया गया विशेष शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : मुख्यालय के निदेशानुसार विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज के विभिन्न पंचायत स्तर पर विद्युत उपभोक्ताओं के सहूलियत हेतु 9 से 14 दिसंबर तक विद्युत विभाग द्वारा विशेष कैंप का आयोजन किया जायेगा। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि सोमवार को आयोजित शिविर में पांचो प्रशाखा के विभिन्न पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष कैंप में विद्युत उपभोक्ताओं के विभिन्न शिकायत यथा विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायत, विद्युत विपत्र सुधार, विपत्र भुगतान, नए विद्युत संबंध, कृषि हेतु विद्युत संबंध, खराब मीटर को बदलने हेतु एवं अन्य प्राप्त आवेदन का त्वरित निष्पादन हेतु उपभोक्ता पहुंचे। कुछ उपभोक्ताओं का बिजली बिल ऑनस्पॉट सुधार कर दिया गया, जिनके विपत्र में ऑनस्पॉट सुधार संभव नहीं थे उनका आवेदन पत्र ले लिया गया है तथा सात कार्यदिवस में सुधार कर दिया जाएगा। उक्त शिविर मे उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर के सन्दर्भ मे प्रकाश डालते हुए बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर किसी भी भ्रान्ति का शिकार न हो। स्मार्ट मीटर एवं नॉर्मल मीटर दोनों एक जैसा है। खबर लिखने तक विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे कैंप स्थल पर ही 2 आवेदनों का निष्पादन कर दी गयी है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज के द्वारा आगे बताया गया की कुल प्राप्त आवेदनों मे प्रशाखा बिक्रमगंज मे 16, दिनारा मे 12, दावथ मे 2, सूर्यपुरा मे 12 एवं संझौली मे 1 आवेदन आये। विद्युत विपत्र सुधार कैंप मे खराब मीटर वाले उपभोक्ता के परिसर का मीटर भी बदला जा रहा है एवं इच्छुक उपभोक्ताओं के द्वारा अपना बकाया राशि भी जमा किया गया। विद्युत विपत्र सुधार शिविर में जेई बिक्रमगंज नवदीप गोयल, जेई सूर्यपुरा आनंद कुमार, जेई दावथ अर्जुन कुमार, जेई दिनारा विकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

काराकाट प्रखंड के बाद गांव में 13 दिसंबर से 25 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) । भारत के महान मनीषी संत श्री श्री 1008 श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी के निज धाम बाद गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय समीप 13 दिसंबर 2024 से 25 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा । जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है । यज्ञ समिति बाद के अनुसार 13 दिसंबर से भागवत कथा का प्रारंभ किया जाएगा । साथ ही 14 दिसंबर को देर संध्या श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज का आगमन होगा । श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का जल यात्रा सह शोभा यात्रा 15 दिसंबर को श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा । साथ ही साथ 20 दिसंबर को महायज्ञ की पूणार्हुति एवं महा भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा । मौके पर समस्त ग्रामीण जनता व आसपास के लोग उपस्थित थे ।

पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

काराकाट(रोहतास) । काराकाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है । काराकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरूर निवासी टुकर यादव स्वर्गीय गंगा सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

सम्राट अशोक अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भूमि का हुआ चयन

करगहर(रोहतास) । उदासी हरिचरण प्लस टू उच्च विद्यालय अररूआ, करगहर रोहतास के प्रांगण में सम्राट अशोक महान अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए क्षेत्रीय बुद्धिजीवी लोगों की बैठक सम्पन्न हुई।जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी श्री सत्यनारायण सिंह कुशवाहा एवं संचालन धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा ने किया। मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ.प्रो कन्हैया प्रसाद सिंह ने कहा कि सूदूर ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा क्रान्ति के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए महात्मा कामेश्वर सिंह की सोच बहुत ही उच्चस्तरीय है। सम्राट अशोक महान के शिक्षा समानता, विश्वबंधुत्व के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए उनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना करने की सोच अत्यन्त ही उत्तम है।फरवरी 2025 में भूमि पूजन व शिलान्यास के लिए अररूआ गांव में ही सर्व सम्मति से किया जाएगा। महात्मा कामेश्वर सिंह गुरूजी 12 एकड़ जमीन दान में देने की घोषणा किया। इस बैठक में डॉ.विमल सिंह, एडवोकेड परमानन्द कुशवाहा,निर्भय सिंह,दीनानाथ सिंह आदि थे।

डीएम ने की क्लस्टर योजना के प्रगति की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी, भोजपुर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में चिन्हित प्रखंडों के पंचायतों के क्लस्टर योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस समीक्षा के दौरान पंचायत सरकार भवन, जल जीवन हरियाली, जीविका के शडबिल्डिंग, बाल सुलभ आंगनवाड़ी केंद्र, सामुदायिक पुस्तकालय, खेल का मैदान, और अन्य विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, पीरो, कोइलवर, जगदीशपुर, शाहपुर, और अनुमंडल पदाधिकारी, आरा सदर, पीरो और जगदीशपुर से कार्यो की स्थिति का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 25 दिसम्बर तक सभी क्लस्टर के कार्यों को पूर्ण कर लिया जाए।इसके अलावा, जिलाधिकारी ने इन क्लस्टरों में विभिन्न विभागों की योजनाओं का कैंप लगाकर लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देने का भी निर्देश दिया।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त, भोजपुर, सिविल सर्जन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी,जिला आपूर्ति पदाधिकारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, निदेशक, डी.आर.डी.ए., जिला कल्याण पदाधिकारी, डी.पी.ओ., आई.सी.डी.एस., डी.आई.ओ., एन.आई.सी., कार्यपालक अभियंता, भवन, पथ, ग्रामीण कार्य विभाग, पी.एच.ई.डी., लघु सिंचाई, एल.ए.ई.ओ., जिला जन संपर्क पदाधिकारी, डी.पी.ओ., मनरेगा, जिला खेल पदाधिकारी, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, जिला पर्यटन पदाधिकारी, डी.पी.एम., जिला स्वास्थ्य समिति, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जगदीशपुर, शाहपुर, कोईलवर, संदेश और पीरो, अंचलाधिकारी, जगदीशपुर, शाहपुर, कोईलवर, संदेश और पीरो तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चोरों ने दो आभूषण दुकानों का ताला तोड़कर की लाखों की चोरी , पुलिस जांच में जुटी, नहीं मिला कोइ सुराग

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) । काराकाट थाना क्षेत्र के सकला बाजार पर दो ज्वेलरी की दुकान का ताला तोड़ लाखों रुपये के जेवर की चोरी कर ली गई है । इस संबंध में दुकानदारों ने काराकाट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है । थाना क्षेत्र के पांडेयडीह निवासी दुकानदार संजय कुमार वर्मा पिता लालबाबु प्रसाद ने बताया है कि उनका सकला बाजार में मनोरंजन मिश्र के मार्केट में मां ज्वेलर्स एवं बर्तन दुकान है । शनिवार को संध्या करीब 6 बजे अपना दुकान बंद कर अपने घर पाण्डेयडिहरी आ गये । रविवार को सुबह 4 बजे मिश्रा मार्केट के आगे चाय दुकानदार द्वारा मुझे फोन से सुचित किया गया कि आपके दुकान का ताला टूटा हुआ है तथा चोरी हो गई है । सूचना पाकर मैं तथा मेरे बगल के मां विन्ध्यावसनी ज्वेलर्स एवं बर्तन भण्डार के मालिक शशिकांत प्रसाद साथ पहुंचा । तो देखा कि मेरे एवं शशिकांत प्रसाद के दुकान में चोरी हो गई है । चोरी गये समान का मिलान करने पर मेरे दुकान से सोना का गहना करीब 27 ग्राम एव चांदी का गहना 2 केजी 800 ग्राम गायब था एवं बगल के शशिकांत प्रसाद के दुकान से करीब सोने का 18.500 ग्राम एवं चांदी का 450 ग्राम का गहना अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई है । जिसकी कीमत करीब पांच लाख रुपये से अधिक होगी । थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि उक्त मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

मनीष लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर बन बढ़ाया रोहतास जिले का मान

- मनीष के परिजन समेत रिश्तेदारों ने दी बधाई,परिजनों में खुशी

प्रातः किरण संवाददाता

दिनारा(रोहतास) : रोहतास जिला अंतर्गत दिनारा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी स्वर्गीय गंगा दयाल पांडेय के प्रपौत्र एवं मुकेश पांडेय के पुत्र मनीष कुमार लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर बन माता-पिता सहित रोहतास जिले का मान बढ़ाया है । मनीष दो भाई हैं जिसमें वे बड़े हैं । मनीष के छोटे भाई नीतीश कुमार आईआईटी पटना में एमटेक की तैयारी कर रहे हैं । उनके पिता मुकेश पांडेय शिक्षा सलाहकार एवं माता आरती पांडेय एक कुशल गृहिणी है ।

आपको बताते चलें कि वर्तमान में मनीष के माता-पिता बक्सर के पावन धाम वीर कुंवर सिंह कॉलोनी में रहते हैं । मनीष लखनऊ विश्वविद्यालय में पर्यटन विभाग में सहायक प्रोफेसर चुने गए हैं । मनीष की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा कैंब्रिज सीनियर सेकेंडरी स्कूल बक्सर से हुई है । तत्पश्चात वाराणसी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पर्यटन प्रबंधन में उन्होंने स्नातक की डिग्री हासिल की ।

उसके बाद डॉ राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय अयोध्या से पर्यटन विभाग में एमबीए की डिग्री भी हासिल की है । जिसको लेकर मनीष के परिजनों समेत उनके रिश्तेदारों में खुशी की लहर दौड़ गई है । जिसको लेकर सभी लोगों ने मनीष को मिली इस सफलता पर बधाई सहित शुभकामनाएं दी है । मनीष को बधाई देने वालों में बाबा विद्याधर पांडेय, सारंगधर पांडेय,हरिशरण दुबे,बड़े पिता सेवानिवृत शिक्षक बिंदेश्वरी पांडेय,कमलाकांत पांडेय,अक्षयवट पांडेय,दिनेश पांडेय,मनोज पांडेय, राजेश पांडेय,धनंजय पाठक,पत्रकार राजू रंजन दुबे,पत्रकार निरंजन दुबे, सूर्यमणि चंदन दुबे,पत्रकार संजय पांडेय,पत्रकार सह छायाकार कौशलेश पांडेय, डॉ नागेंद्र झा महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ अमरेंद्र मिश्रा सहित सभी परिजन व रिश्तेदार शामिल है ।

कांग्रेस कमेटी की पार्टी कार्यालय में मनाया पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का 78वां जयंती समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के पार्टी कार्यालय शहीद भवन, आरा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की पूर्व अध्यक्ष त्याग की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी जी का 78वाँ जन्मदिवस समारोह भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ केक काटकर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मनाया गया। बाद में सोनिया गांधी के जीवन चरित्र और राजनीतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए जिला अध्यक्ष अशोक राम ने बताया कि सोनिया गांधी जी का जन्म 09 दिसंबर 1946 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। राजीव गांधी की पत्नी के रूप में वे 1968 में भारत आईं, किंतु राजनीति में उनकी सक्रियता राजीव गांधी जी की मृत्यु के पश्चात शुरू हुई। 1991 से 1997 तक छह साल वे राजनीति से दूर तटस्थ और मौन रहीं, जिसको लेकर विपक्ष उन्हें गूंगी गुड़िया कहने और समझने लगी थी। कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में 1998 में प्रवेश करने के बाद वे फिर पीछे मुड़कर नहीं देखी। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सोनिया गांधी के नाम और उनके रणचंडी रूप से भयभीत रहने लगा। सोनिया गांधी रायबरेली सीट से 1999 से लगातार जीतती रही। 2024 के चुनाव में रायबरेली सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़े और जीते। आज भी सोनिया गांधी जी राज्य सभा सदस्य हैं। पिछले तीन दशकों से सोनिया गांधी देश की संसदीय राजनीति में छाई हुई हैं। अभी भी कांग्रेस में उनके बिना पार्टी की कल्पना अधूरी है।

जन्मदिवस समारोह में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, सत्यप्रकाश राय, अशोक यादव, घनश्याम उपाध्याय, श्रीधर तिवारी, जितेन्द्र शर्मा, पन्नग त्रिपाठी, प्रेम प्रकाश पाण्डेय उर्फ झुन्नू , लाल शरण सिंह, राकेश कुमार त्रिपाठी, बीरेंद्र मिश्रा, प्रभा सिंह यादव, देव कुमार सिंह, रामानुज दुबे, घनश्याम कुमार चौधरी, लालमोहन सिंह, सूर्य प्रकाश, शिव शंकर चौबे, श्रीकांत राय, कुंज बिहारी उपाध्याय, गजेंद्र चौधरी, राजू कुमार पाठक, रोहित तिवारी, सोनू तिवारी, विवेक तिवारी, लुटावन राम चौरसिया, शिव कुमार सिंह वीरेंद्र प्रसाद, सहित दर्जनों कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

कछवां पुलिस वरीय अधिकारी के दिशा-निर्देश पर चलाया वाहन जांच

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज(रोहतास) । कछवां पुलिस वरीय अधिकारी के दिशा-निर्देश पर स्टेट हाईवे 81 मुख्य पथ पर थाना मोड़ के समीप वाहन जांच अभियान चलाया ।

थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि वाहन जांच के क्रम में चालकों का हेलमेट,ड्राइविंग लाइसेंस,ऑनर बुक सहित अन्य बिंदुओं पर बारीकी से जांच की गई । उन्होंने बताया कि वाहन जांच स्थानीय थाना के सब इंस्पेक्टर कन्हैया सिंह यादव, पीएसआई शालू कुमारी सहित पुलिस बल के जवानों द्वारा किया गया । श्री कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी द्वारा कुछ वाहन चालकों से 14000 का ऑनलाइन चालान काटा गया । उन्होंने बताया कि वाहन जांच थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी जगह निरंतर चलाया जाएगा ।

वाहन जांच के क्रम में पुलिस पदाधिकारी द्वारा वाहन चालकों से हेलमेट लगाकर वाहन चलाने की अपील की गई । मौके पर थाना के पुलिस पदाधिकारी सब इंस्पेक्टर कन्हैया सिंह यादव ,पीएसआई शालू कुमारी,पुलिस बल के जवान समेत वाहन चालक मौजूद थे ।

मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति के लिए सदैव धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए : स्वामी रामेश्वराचार्य

प्रातः किरण संवाददाता

राजपुर(रोहतास) । धर्म वह है जो व्यक्ति की चेतना जगाएं,मुक्ति दिलाए,जीवन के आखिरी लक्ष्य को पाने में मदद करें । धर्म तो ही सही व गलत को समझने, तर्क और विज्ञान से सत्य को समझने, और असत्य तथा सत्य के फर्क को समझने में मदद करता है । उक्त बातें राजपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरना गांव निवासी राजीव पांडेय के पैतृक आवास पर हो रहे श्रीमद्भागवत कथा के दौरान बड़ा खटला वृंदावन समेत अयोध्या अध्यक्ष व महंत श्री श्री 1008 श्री स्वामी रामेश्वराचार्य जी महाराज ने कहीं । उन्होंने कहा कि धर्म के पांच आधार हैं ज्ञान,प्रेम, न्याय,समर्पण और धैर्य । भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि जब मनुष्य के मन में धर्म को जानने की इच्छा उत्पन्न होती है तब मनुष्य को धर्म समझने से पूर्व धर्म के इन पांच आधारों को समझना होगा । धर्म के पांच आधार होते हैं । प्रत्येक मनुष्य का जन्म इन 5 आधारों को प्राप्त करने के लिए होता है । इन मनुष्य को धर्म की प्राप्ति हेतु श्री तुलसीदास जी महाराज ने रामायण की रचना की । माना जाता है कि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज महर्षि विश्वामित्र के अवतार हैं । वहीं महर्षि विश्वामित्र जी ब्रह्मा जी के अवतार हैं । यद्यपि भगवान अर्जुन से कहते हैं कि हे अर्जुन इस संसार में चारों वर्णों का संरचना हमने किया है । यह केवल मनुष्य मात्र के लिए है । गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने रामायण को लिखा है मनुष्य के लिए, भगवत गीता महाभारत के शांति पर्व में से लिया गया है ।

मात्र मनुष्य के लिए पुराण की रचना की गई । मात्र मनुष्य के लिए,विचारणीय विषय यह है कि आखिर इतना वेद,शास्त्र,पुराण मनुष्य के लिए किन्तु महिला हो या पुरुष को क्या कर्तव्य,निष्ठा,भाव है । जो भी मनुष्य शास्त्र नियम ,शास्त्रीय परंपरा को छोड़कर जीवन में जो भी काम करता है । उससे संसार में नही सीधी सुख व नहीं शांति मिलेगी, परमपद के बाद में भी मुक्ति नही मिल सकती है । इसलिए मानव के लिए भगवान कृष्ण ने सूत्र दिया है कि अपनी खेती,नौकरी व व्यापार करते हुए भी अपने धर्म से जुड़े रहें । धर्म का मतलब है कि सीधे परमात्मा से जुड़ना । अपने माता-पिता की सेवा करते रहें साथ ही साथ परमात्मा का भी स्मरण करते रहे । उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन 84 लाख योनि में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है ।

भागवत गीता में कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि मनुष्य योनि में अपने शुभ-अशुभ कर्मों के कारण पुनर्जन्म मनुष्य में होता है । जो अच्छे कर्म करते है उन्हें मनुष्य तन प्राप्त होता है । इसलिए मनुष्य को भगवान के शरण में रहना चाहिए । मनुष्य को सदैव धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए । जहां इस दौरान उक्त गांव निवासी राजीव कुमार पांडेय, पूनम पांडेय समेत अन्य लोगों ने दीक्षा प्राप्त किया । कार्यक्रम समापन के उपरांत भव्य भंडारा का भी आयोजन किया गया । जिसमें राजेश कुमार पांडेय,मदन मोहन तिवारी,सोनू सिंह, वरदराज बाबा,दिग्विजय उपाध्याय, जयराम सिंह अकेला,जैकी सिंह, अधिवक्ता मनीषा दुबे,उमेश दुबे,बब्बू दुबे,जितेश बाबा,ललित पासवान, अमिका पाण्डेय,संजय मिश्रा, हरि किशुन यादव समेत अन्य लोगों ने भाग लिया ।

जदयू पार्टी का विस्तार करना ही मेरे जीवन का मुख्य लक्ष्य : कुमुद

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) जिला मुख्यालय सासाराम स्थित एक सभागार में जनता दल यूनाइटेड का रोहतास कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुई। जिस आयोजन का मुख्य उद्देश्य होनेवाली आगामी विधानसभा चुनाव में जदयू को सशक्त और विस्तार करना था।

इस अवसर कार्यक्रम सभागार में बिक्रमगंज नगर परिषद वार्ड पार्षद कुसुम सिंह के प्रतिनिधि कुमुद रंजन उर्फ पिंटू सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जनता दल यूनाइटेड का दामन थमाते हुए सदस्यता ग्रहण किया। जिनके सदस्यता ग्रहण उपरांत ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण बाबू,परिवहन मंत्री शिला मंडल,पूर्व सांसद कहकशा परवीन, पूर्व सांसद महाबली सिंह,पूर्व विधायक जयकुमार सिंह, जदयू नेत्री अरुणा देवी सैकड़ों कार्यकताओं ने उनके उज्जवल भविष्य की कमाना की। जिनके आशीर्वाद को स्वीकार करते हुए कुमुद रंजन ने बताया कि जदयू पार्टी का विस्तार और सशक्त बनाना ही हमारे राजनीति जीवन का मुख्य लक्ष्य है। जिसको वह ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने का संकल्प भी लिया। मौके पर जदयू जिला एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने जदयू का सदस्यता दिलवाते हुए कुमुद रंजन को बधाई दी। अवसर पर मोइनुद्दीन हुसैन, लालबिहारी सिंह, उदय सिंह, डॉ. मनीष रंजन सिंह, मनोरंजन सिंह, मिंटू सिंह, अय्यूब खान,मदन वैश्य, बलवंत सिंह, विजय राय, धनेश्वर तिवारी, विजय चौधरी, संजय वर्मा, इरशाद खान, मिंटू राज, बब्लू सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने चोरी की तीन बाइक समेत महुआ निर्मित शराब किया बरामद

कुर्था (अरवल) पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार भील के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत कुर्था थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के कुतुबपुर गांव में विशेष छापेमारी अभियान चलाते हुए 85 लीटर महुआ निर्मित शराब के साथ दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया जबकि चोरी के तीन बाइक को भी कुर्था पुलिस ने बरामद किया है उक्त बातों की जानकारी देते हुए कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि विशेष छापामारी अभियान के तहत रविवार की रात कुतुबपुर गाँव से 85 लीटर देशी शराब के साथ दो व्यक्तियों उपेंद्र कुमार पिता दुखन राम व मुनटन कुमार पिता लालमन राम दोनों को कुतुबपुर गाव से गिरफ्तार किया गया है साथ ही इन शराब कारोबारीयो के पास से चोरी के तीन मोटरसाइकिल बरामद किया गया है. जांच के अनुसार पता चला कि बरामद मोटरसाइकिल दानापुर कांड संख्या 959/24, मसौढ़ी कांड संख्या 844/24, खिजरसराय कांड संख्या 187/23 का है। साथ ही 281/24 के अभियुक्त महेश मांझी जो बिगत कई दिन से फरार चल रहे थे।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय और प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाईन कार्य को लेकर ट्रेनों के परिचालन में हुआ अस्थायी बदलाव

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाईन कार्य के मद्देनजर करछना स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में निम्नानुसार अस्थायी बदलाव किया गया है:

निरस्त की गई ट्रेनें

1. 16.12.2024 तक गाड़ी संख्या 13309/13310 चोपन-प्रयागराज जंक्शन एक्सप्रेस का परिचालन रद्द रहेगा।

2. 14.12.2024 को गाड़ी संख्या 04193/04194 सुबेदारगंज-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन मेमू स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।

3. 14.12.2024 को गाड़ी संख्या 03333/03334 सुबेदारगंज-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन मेमू स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें

1. 13.12.2024 को कोलकाता से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12496 कोलकाता-बीकानेर साप्ताहिक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी।

2. 13.12.2024 को सियालदह से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी।

3. 13.12.2024 को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12505 कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी।

4. 14.12.2024 को आनंद विहार टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12506 आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी।

5. 14.12.2024 को आनंद विहार टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी।

पुनर्निर्धारित कर चलायी जाने वाली ट्रेनें

1. 14.12.2024 को दानापुर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 01482 दानापुर-पूणे एक्सप्रेस स्पेशल दानापुर से अपने निर्धारित समय 06.30 बजे के बदले 180 मिनट विलंब से 09.30 बजे पूणे के लिए प्रस्थान करेगी।

2. 13.12.2024 को हावड़ा से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12321 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस हावड़ा से 240 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जाएगी।

3. 14.12.2024 को पटना से खुलने वाली गाड़ी संख्या 17609 पटना-पूर्णा जंक्शन एक्सप्रेस पटना से अपने निर्धारित समय 07.00 बजे के बदले 180 मिनट विलंब से 10.00 बजे पूर्णा जंक्शन के लिए प्रस्थान करेगी।

4. 14.12.2024 को पाटलिपुत्र से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से अपने निर्धारित समय 11.05 बजे के बदले 60 मिनट विलंब से 12.05 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल के लिए प्रस्थान करेगी

बिहार के सरकारी विद्यालयों की बदल रही है तस्वीरें: संयोजक

प्रातः किरण संवाददाता

गया। बिहार के सरकारी विद्यालयों की तस्वीरें बदलने लगी है। वर्तमान समय में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे बेहतर प्रयोग से छात्र-छात्राओं की उपस्थिति विद्यालय में शत-प्रतिशत हो रही है। यह बातें मृत्युंजय ठाकुर शिक्षक नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला, पताही, पूर्वी चम्पारण-सह-प्रदेश मीडिया संयोजक, टीचर्स ऑफ बिहार ने कही है। उन्होंने कहा कि बच्चे विद्यालय में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की नवाचारी गतिविधि के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और इसमें मुख्य भूमिका विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों की है जो लगातार बिहार के सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक माहौल तैयार करने को लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसी नवाचारी गतिविधि को राज्य के सरकारी विद्यालय, शिक्षक एवं छात्रों तक पहुंचाने के लिए बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स द्वारा विगत पांच वर्षों से लगातार काम किया जा रहा है जिसका असर अब राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में देखने को मिल रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां बिहार के सरकारी विद्यालय के एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट शिक्षक बिहार के सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने के लिए बिना किसी सरकारी सहायता के निःस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। अभी हाल ही में टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद एनसीईआरटी ने भी की है और देश के सभी राज्यों में ऐसी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी पीएलसी लागू करने की बात की है। ठाकुर ने कहा कि सरकारी विद्यालय में शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल तैयार करने को लेकर बिहार के शिक्षकों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार एक बेहतर मंच प्रदान करता है जहां बिहार ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी लाखों शिक्षक जुड़कर प्रतिदिन अपने विद्यालय में कराये जा रहे नवाचार, गतिविधि व अन्य शैक्षणिक कार्य साझा करते हैं जिसे देखकर अन्य शिक्षक भी प्रेरित होकर अपने विद्यालय में इसे लागू करते हैं।

त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी की 78 वीं जन्मदिन मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के तत्वावधान में कॉंग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम में त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी जी की 78 वां जन्मदिन कॉंग्रेसजनों ने केक काट कर मनाई गई है।। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा ने किया है।इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, राम उदय प्रसाद,सुमंत

कुमार, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, देविका सय्यार मिश्रा, राम प्रमोद सिंह, युगल किशोर सिंह, प्रदीप शर्मा, विद्या शर्मा, शशि कांत सिन्हा, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, मदीना खातून, राम सेवक प्रसाद, ओंकार शक्ति, धर्मेंद्र कुमार निराला, नवाब अली, नवीन कुमार,अर्जुन प्रसाद,शिव नाथ प्रसाद, आदि ने कहा कि सोनिया गांधी कॉंग्रेस पार्टी के प्रेरणा श्रोत है, जिनकी त्याग एवं बलिदान की गाथा आज सम्पूर्ण विश्व में लोग गाते हैं।नेताओ ने आज इस ठंढ के मौसम में गरीब, लाचार, वृद्ध महिलाओ को कंबल का वितरण भी किया गया है।नेताओ ने कहा कि नेहरू गांधी खानदान की रौनक तथा आज अपने पुत्र नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा पुत्री सांसद प्रियांका गाँधी तीनों देश के सर्वोच्च सदन में देश के 140 करोड़ जनता के लिए संसद से सड़क तक दिन, रात संघर्षशील है।नेताओ ने कहा कि सोनिया गांधी जी दो, दो बार देश के सबसे सर्वोच्च प्रधानमंत्री का पद ठुकरा कर सुयोग्य व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाने का काम किया है।

डॉ. प्रेम कुमार ने वार्ड नंबर 46 में किया राशन कार्ड वितरण, योजनाओं की दी विस्तृत जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

गया।बिहार सरकार के सहकारिता, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने आज गया शहर के वार्ड नंबर 46 में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित किए हैं। इस अवसर पर उन्होंने राशन कार्ड की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे सरकार की लोक हितकारी योजनाओं से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बताया है। डॉ. प्रेम कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राशन कार्ड केवल खाद्यान्न उपलब्ध कराने का साधन नहीं, बल्कि यह गरीब और जरूरतमंद परिवारों

को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि ये योजनाएं आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा, ह्वसरकार हर गरीब और जरूरतमंद तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयासरत है। राशन कार्ड वितरण से पात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे इस दस्तावेज का सही उपयोग करें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।ह्वइस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद अमृता सिंह, पार्षद प्रतिनिधि भगत सिंह, राकेश सिंह, भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक प्रेम सागर,, जिला महामंत्री पप्पू चंद्रवंशी, विनय सिंह, विनीत सिंह, संजय सिंह,, लोजपा के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह, संतोष सिंह, देवानंद पासवान, धनंजय धीरू के साथ कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।इस कार्यक्रम का संचालन कुशलतापूर्वक किया गया और अंत में लाभार्थियों ने सरकार और डॉ. प्रेम कुमार का आभार व्यक्त किया है।

नवादा कॉलेज के प्राचार्य सह शिक्षाविद ने सोनिया गांधी के जन्मदिन पर दी बधाई

गया।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संसदीय दल का नेतासह राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी के जन्मदिन पर नवादा कॉलेज के प्राचार्य सह शिक्षाविद डॉ डीएन मिश्रा के द्वारा जन्मदिन पर बधाई शुभकामना देते हुए कहा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सह राज्य सभा सदस्य सोनिया गांधी भारतीय राजनीति में एक अत्यंत प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। एक विदेशी मूल की महिला होने के बावजूद, उन्होंने भारतीय संस्कृति, राजनीति और समाज को न केवल समझा बल्कि उसमें अपनी विशिष्ट पहचान भी बनाई है।सोनिया गांधी का कांग्रेस पार्टी में योगदान अद्वितीय है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में पार्टी को एकजुट रखा और उसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनके नेतृत्व में पार्टी ने न केवल लोकसभा और विधानसभा चुनावों में सफलता प्राप्त की है।बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। उनका सादगीपूर्ण जीवन और विनम्र व्यक्तित्व उन्हें जनता के करीब लाता है।नवादा विधि कॉलेज के प्राचार्य के रूप में, मुझे गर्व है कि हमारे देश की राजनीति में सोनिया गांधी जैसी व्यक्तित्व ने अपनी छाप छोड़ी है। उनकी जीवनी न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन यह सिखाता है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो किसी भी परिस्थिति में सफल हुआ जा सकता है। डॉ. डी. एन. मिश्रा, सोनिया गांधी को उनकी जीवनी पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह जीवनी न केवल उनके जीवन के संघर्ष और सफलता को प्रस्तुत करेगी, बल्कि युवाओं को उनकी नीतियों और विचारधारा से भी अवगत कराएगी। उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

आईआरसीटीसी टूर पैकेज के साथ ज्योतिलिंगों के साथ करें शिरडी दर्शन, इन स्टेशनों से कर सकेंगे बोर्डिंग

गया।भारतीय रेलवे की शाखा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड ट्रिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड भारत सरकारका उधम-मिनीरत्न की क्षेत्रीय कार्यालय, पटना से देखें अपना देश के तहत भारत गौरव ट्रेन की शुरूआत करने जा रही है।आईआरसीटीसी के जॉइंट जनरल मैनेजर राजेश कुमार के निर्देशन पर रविवार को गया जंक्शन पर स्थित निजी होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है।इस प्रेस वार्ता में आईआरसीटीसी गया स्टेशन अधीक्षक गौतम किशोर,सुपरवाइजर वाल्मीकि और रोहित राज मौजूद थे।आईआरसीटीसी गया स्टेशन अधीक्षक गौतम किशोर ने कहा कि आईआरसीटीसी टूर पैकेज के साथ ही करें ज्योतिलिंगों के साथ करें शिरडी दर्शन,भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत भारतीय रेलवे रेल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगभग 33% रियायत प्रदान कर रहा है।यह पर्यटक ट्रेन दिनांक 05.01.2025 को झारसुगुडा से खुलेगी जो की रांची-कोडरमा गया-राजगीर-बिहारशरीफ-पटना, बक्सर, और पंडित दीनदायल उपाध्याय स्टेशन पर तीर्थ यात्रियो को ट्रेन में सवार होने के लिए रुकेगी ,और तीर्थ स्थलों जैसे की -उज्जैन महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं ओंकारेश्वरज्योतिर्लिंग द्वारका नागेश्वर ज्योतिल्लिंग एवं द्वारिकाधीश मंदिर,सोमनाथ सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, शिर्डी साई बाबा दर्शन,नासिक श्री त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग,पुणे भीमाशंकर ज्योतिलिंग एवं औरंगाबाद घृनेस्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन कराते हुए ,दिनांक 17.01.2025 को वापस लौटेगी।यात्रा शुल्क और समावेशःभारतीय रेल द्वारा संचालित,भारत गौरव ट्रे मे स्लीपर क्लास होगी, इसका शुल्क रु. 24330/- प्रति व्यक्ति गैर वातानुकूलित होटल मे रात्रि विश्राम।शाकाहारी भोजन सुबह, दोपहर और रात का भोजन, सुबह शाम चाय,घूमने के लिए गैर वातानुकूलित बस की व्यवस्था ,कोच मे सुरक्षागार्ड, सफाईकर्मी और टूर एस्कॉर्ट उपलब्ध रहेंगे । यात्रा बुकिंग : इच्छुक पर्यटक यात्रा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी एवं बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी, बिस्कोमान टावर (चौथातल्ला),पश्चिमी गाँधी मैदान,पटना-१ से प्राप्त कर सकते हैं

संक्षिप्त खबरें

लोजपा रामविलास के संगठन का समीक्षा बैठक सह कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन रहा सफलःसत्येन्द्र रंजन

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन ने प्रेस ब्यान जारी कर कहा कि बीते दिन जिला मुख्यालय के आनंद विहार होटल में आयोजित लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के संगठन का समीक्षा बैठक सह कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन के शानदार सफलता के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारियों को हृदय से आभार प्रेषित करता हूं । उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन को कार्यकर्ता जन - जन तक पहुंचाने का कार्य करे । आगामी विधानसभा चुनाव के तैयारी में सभी कार्यकर्ता जोर शोर से लग जाय ।

उपभोक्ता शिकायत निवारण हेतु पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा

गया। साऊथ बिहार के द्वारा पंचायत स्तर पर बिजली उपभोक्ताओं के लिए पंचायत शिवर का आयोजन किया जा रहा है 09/12/से 14/12/24 तक किया जाएगा,इस शिविर में विद्युत विपत्र में त्रुटि, नए विद्युत संबंध, कृषि कार्य हेतु विद्युत संबंध एवं अन्य विद्युत से संबंधित समस्याओं के निवारण हेतु उपभोक्ता आवेदन दे सकते हैं।

इमामगंज के सोहैल थाना अंतर्गत से अपहृत बच्चे को पुलिस ने किया बरामद

शेरघाटी। इमामगंज थाना के बरडीह गांव से अपठित 6 वर्षीय बाल बालक को गया पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए झारखंड के बीचकीला पदमा गांव के एक नवनिर्मित मकान से सकुशल बरामद कर ली। उक्त जानकारी प्रेस वार्ता कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में सोमवार को सीटी एसपी प्रेरणा कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि वादिनी द्वारा अपहरण की सूचना के उपरांत इमामगंज पुलिस एवं विशेष गठित टीम ने बरडीहा गांव में छापामारी किया। जहां से अनुज कुमार ग्राम नारायणपुर थाना मैगरा जिला गया पुलिस देखकर भागने लगा। पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की। उसके पास से एक मोबाइल बरामद किया गया। शक्ति से की गई पुछताछ में उसने अपहरण कांड में संलिपितता स्वीकार करते हुए बताया कि बालक को अपहरण कर झारखंड ले जाया गया है। फिर उसके निशान देही और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर छापेमारी कर अपहरण में उपयोग किया गया अपाचे बाइक और 6 मोबाइल बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों ने अपहरण कांड

तृप्ति शाक्य और मुन्ना पंडित ने सोनपुर मेला में गायन प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2024 के मुख्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत बिहार के सांस्कृतिक संस्थानों का कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन के क्रम में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना ने लोकगीत गा कर दर्शकों को बैठे रहने पर विवश कर दिया।

कार्यक्रम में कलाकारों में सारण के आशीष कुमार, पटना के गजल गायक सत्यम शेखर, गया के लोकगीत गायक मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना, सारण की लोकगीत गायिका स्निधा कुमारी ने अपना अपना कार्यक्रम प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में तृप्ति शाक्य और मुन्ना पंडित के प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। गायिका तृप्ति शाक्य कि कभी राम बनके कभी श्याम बनके चले आना प्रभुजी घर चले आना और मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना कि ओढ़नी के रंग पियर जादू चला रहल बाह्न और दूसरा गाना मिले खातिर दिल बेकरार काहे होला को दर्शकों ने खूब सराहा।

समय की पाबंदी रहने के कारण सभी कलाकार को एक सीमित समय में ही अपनी प्रस्तुति देनी पड़ी। ऐसे में कोई कलाकार एक, दो और अधिकतम तीन ही गायन की प्रस्तुति दे सके। मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना ने दो गाने की प्रस्तुति देकर खूब वाह वाही बटोरा। वहीं गायिका तृप्ति शाक्य की गायन पर खूब तालियां बजी।

कार्यक्रम में वादक संगत टीम में गिटार वादन बादल खान, ऑक्टोपैड वादन रवि, ऑर्गन वादन छोटू और नाल वादन धर्मेन्द्र शामिल थे।कार्यक्रम की उद्घोषिका सह मंच संचालन रूबी खातून और संजय थे। कार्यक्रम के अंत में मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना को कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया गया।

उत्पाद विभाग ने डुमरी चेकपोस्ट पर विदेशी शराब व चकाई चेकपोस्ट पर भारी मात्रा में स्प्रिट किया बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

सोनो जमुई । सोनो चकाई मुख्य मार्ग एन एच 333 के डुमरी चेकपोस्ट पर उत्पात विभाग जमुई की टीम के द्वारा चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान में एक टेंपो वाहन से चार लाख रुपये से अधिक मुल्य का तकरीबन 380 लीटर विदेशी शराब बरामद कर जप्त कर लिया है ।

साथ ही शराब माफिया झारखंड प्रदेश के बोकारो शहर निवासी नंदलाल प्रसाद को टेम्पो सहित गिरफ्तार कर लिया गया है ।गिरफ्तार किए गए शराब माफिया नंदलाल प्रसाद से पुलिस के द्वारा पुछताछ के क्रम में बताया गया है कि जप्त किये गए सभी शराब की खेप को जमुई मे ही सप्लाई करना था ।वहीं दुसरी ओर चकाई चेकपोस्ट पर बिचाली (पुआल) के अंदर छुपाकर ले जा रहे दो ट्रेक्टर वाहन से लाखों रुपए मुल्य के विदेशी शराब निर्माण में प्रयोग होने वाली तकरीबन 6 दर्जन से अधिक बडे.बडे.पलास्टिक के डब्बे से 3320 लीटर स्प्रिट बरामद करने मे सफलता हासिल की हे ।प्राप्त जानकारी के अनुसार जप्त किये गए स्प्रिट झारखंड प्रदेश के गिरिडीह जिला अंतर्गत खोरी महुआ गाँव से लखिसराय ले जाया जा रहा था । जप्त किये गए स्प्रिट माफिया मुजफ्फरपुर निवासी सुरेश राय एवं नवीन कुमार को दोनों ट्रेक्टर के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार व्यक्ति के अनुसार यह स्प्रिट की खेप नकली शराब निर्माण के लिए लखिसराय मे एक व्यक्ति को सोंपना था ।

शब्दवीणा के मंच पर पाँचवें, छठे एवं सातवें काव्य-संग्रह अरिहंत को किया गया भव्य लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

गया। राष्ट्रीय साहित्यिक-सह-सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा के मंच पर गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवं शब्दवीणा की संस्थापक-सह-राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी के पाँचवें, छठे, एवं सातवें काव्य-संग्रह क्रमशः अरिहंत, कहाँ गये वे दृश्य मनोहर एवं है हमें जाना कहाँ का लोकार्पण कार्यक्रम अध्यक्ष राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रसिद्ध गीतकार कन्हैयालाल मेहरवार, मुख्य अतिथि शब्दवीणा प्रदेश संगठन मंत्री प्रो. डॉ. दीनानाथ, विशिष्ट अतिथि शब्दवीणा के राष्ट्रीय परामर्शदाता मंडल के वरिष्ठ सदस्य प्रसिद्ध संगीतज्ञ राजन सिजुआर, गया जिला संरक्षक डॉ. रामसिंहासन सिंह, गया जिला अध्यक्ष जैनेन्द्र कुमार मालवीय, प्यारचन्द कुमार मोहन, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री डॉ रवि प्रकाश, राष्ट्रीय उप संगठन मंत्री पंकज मिश्र, कुमार कांत, तबला प्रशिक्षक शब्दवीणा बिहार कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, विनय कुमार सिन्हा, मनीलाल बारिक, डॉ. रामकृष्ण मिश्र, डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा एवं डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी एवं अन्य मंचासीन गणमान्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से किया है। लोकार्पण

समारोह का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन से किया है। डॉ. रश्मि ने सभी मंचासीन अतिथियों एवं कवि,कवयित्रियों,कलाकारों का स्वागत शॉल, पुष्पगुच्छ, माला, शब्दवीणा उपहार प्रदान करके किया है।

तत्पश्चात डॉ. रश्मि के नेतृत्व में हर्षिता मिश्रा, अन्या, तान्या, स्तुति भारद्वाज, शैली पाठक, एवं निधि ने ज्ञान दे, सुर तान दे सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई है। तबले पर दिनेश कुमार थे। शब्दवीणा की गया जिला साहित्य मंत्री चाँदनी बसोया द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और संगीत अनुष्ठान सत्र में प्रस्तुत लोकगीत सुन कर श्रोतागण झूम उठे हैं। तृप्ति भारद्वाज के राम भजन से वातावरण भक्तिमय हो उठा है। सुरेन्द्र पांडेय सौरभ द्वारा रचित गीत एक राधा, एक मीरा सुन सभी भावुक हो उठे हैं। मंचासीन अतिथियों ने डॉ रश्मि प्रियदर्शनी के त्रय काव्य-संग्रहों की दार्शनिक गंभीरता और रचना शैली की प्रशंसा करते हुए डॉ. रश्मि और समस्त शब्दवीणा संस्था के उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामना की है। संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक महावीर बजाज, राष्ट्रीय परामर्शदाता मंडल के सदस्य डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी, डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, डॉ राधानंद सिंह, पुरुषोत्तम तिवारी आदि ने भी डॉ. रश्मि को शुभकामनाएं प्रेषित कीं है।पाँच सत्रों में विभाजित इस पुस्तक लोकार्पण समारोह एवं शब्दवीणा संगीत अनुष्ठान-सह-कवि सम्मेलनह्व में शब्दवीणा की राष्ट्रीय समिति, प्रादेशिक एवं शब्दवीणा बिहार प्रदेश समिति अंतर्गत गया, नवादा, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर आदि शब्दवीणा जिला समितियों के पदाधिकारी, रचनाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत, गजल एवं रचनाओं का पाठ किया है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता एवं प्रशंसनीय सहयोग हेतु सभी अतिथियों एवं कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। शब्दवीणा कवि सम्मेलन में नवादा जिले से उदय भारती एवं गुलाम सरवर अंसारी, शेरघाटी से अजय कुमार वैद्य, जहानाबाद से रूबी कुमारी, डॉ. रामसिंहासन सिंह, कुमार कांत, सुरेन्द्र पांडेय सौरभ, मुजफ्फरपुर के सहज कुमार, गया से स्नेहा सिंह, डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी, कन्हैयालाल मेहरवार , विनय कुमार सिन्हा , जैनेन्द्र कुमार मालवीय, पंकज मिश्रा, डॉ. सच्चिदानंद सिंह, डॉ. रामकृष्ण मिश्र, डॉ. रवि प्रकाश, शंकर प्रसाद, आदि ने काव्य पाठ किया है। इस कार्यक्रम में विनोद बरबिगहिया, नीलम मिश्रा, डॉ सुदर्शन शर्मा, बबलू पासवान, राकेश कुमार मिश्रा, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार आदि की उपस्थिति रही है।इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय फेसबुक पेजह्व से किया गया है ।

महाकाली पूजा समिति की बैठक हुई आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। महाकाली पूजा समिति जयपुर के प्रांगण में संपूर्ण ग्रामीण जन के सान्निध्य में एक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता श्रीराम पाण्डेय तथा संचालन अमिताभ कुमार सिंह अमरने किया। बैठक के मूल उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए श्री पाण्डेय ने गीता के एक श्लोक को उद्धृत करते हुए कहा- अन्नाद्भवति भूतानि पर्जन्यादन्न संभवः/यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्म समुद्भवः।

अर्थात संपूर्ण प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं,अन्न वर्षा से उत्पन्न होते हैं, वर्षा यज्ञ से होती है तथा यज्ञ कर्मों से निष्पन होते हैं।

यज्ञ को शास्त्रों में सर्वश्रेष्ठ कर्म कहा गया है क्योंकि यज्ञ करनेवाले अपने आप में दिव्यात्मा होते हैं।

इस बात को ध्यान में रखते हुए

बैठक में आगामी10 से15 अप्रैल 2025 तक भव्य यज्ञानुष्ठान किए जाने का निर्णय लिया गया। उक्त यज्ञानुष्ठान का नाम श्री शत्रुंजय शतचंडी महायज्ञ होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उपरोक्त महायज्ञ काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी के प्रधान अर्चक डॉ श्रीदेव मिश्र के आचार्यत्व में सम्पन्न होगा। महायज्ञ को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए एक समिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से श्रीराम पाण्डेय को अध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह को उपाध्यक्ष, नरेंद्र कुमार सिंह को महामंत्री, अखिलेश्वर प्रसाद सिंह को सचिव, प्रमोद कुमार सिंह एवं अमरंजय पाण्डेय को उपसचिव, अशोक पाण्डेय को यज्ञ मंत्री, हरेंद्र कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष, रामानुज सिंह को उप कोषाध्यक्ष,भानु प्रताप सिंह को सह कोषाध्यक्ष, धनंजय जयपुरी एवं मनोज कुमार सिंह को मंच संचालक मनोनीत किया गया। उपर्युक्त लोगों के अलावा समिति में जिन अन्य लोगों को शामिल किया गया उनमें राधेश्याम पाण्डेय,सत्येंद्र सिंह, बिट्टू सिंह, दीपक चौधरी, रमेश चौधरी, संजीत सिंह, रजनीश पाण्डेय, दुग्धेश्वर सिंह, रणजीत सिंह, राजू पाण्डेय, दिलकेश पासवान, विजय पासवान इत्यादि प्रमुख हैं।

अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी समारोह में 12 को बोधगया चलने का लिया निर्णय

गया। अहिल्याबाई होल्कर विचार मंच की एक बैठक स्थानीय देवघाट स्थित रामानुजाचार्य मठ में मंच के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद प्रेमी की अध्यक्षता में संपन्न हुई है। इस बैठक में 12 दिसंबर को मगध विश्वविद्यालय बोधगया द्वारा महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में श्री विष्णुपद मंदिर की जीर्णोद्धारिका महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती समारोह की सफलता को लेकर विचार विमर्श किया गया है।इस मंच के उपाध्यक्ष कन्हैया लाल मेहरवार ने बताया कि बृहस्पतिवार को दोपहर 12:00 बजे से महाबोधि सांस्कृतिक सभागार में जयंती समारोह का उद्घाटन राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे। अहिल्याबाई के विचारों को छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। जिसमें मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एसपी शाही के द्वारा मंच से जुड़े सदस्यों के साथ बैठक कर कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम सब मिलजुल कर इसमें सहभागी बनेंगे।इस बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल को बिहार के स्कूलो कॉलेजो एवं विश्वविद्यालयो में अहिल्याबाई की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए एक ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राम जानकी महोत्सव के अंतिम दिन मेला प्रेमियों का उमड़ा जनसैलाब

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा । जिले के शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र के रायभीर गांव में शनिवार से आयोजित दो दिवसीय राम जानकी मेला महोत्सव के अंतिम दिन रविवार के रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। हर वर्ष की भांति इस बार भी ऐतिहासिक राम जानकी मेला महोत्सव का आयोजन किया गया था। मेला कमिटी अध्यक्ष उप मुखिया संतोष यादव ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राम जानकी मेला पूजा समिति के द्वारा मेला का भव्य आयोजन किया गया। वहीं मेला कमिटी के कोषाध्यक्ष रमेश यादव उर्फ किन्नू यादव ने

जानकारी देते हुए बताया कि रायभीर पंचायत के पंचमुखी चौक का निर्माण पंचायत के ही भूतपूर्व मुखिया मेरे पिता स्व. सतनारायण प्रसाद यादव जी के कार्यकाल में करी संघर्ष के बाद चौक का निर्माण किया गया। साथ ही साप्ताहिक हाट बाजार के साथ- उसके नकासिन में परिवर्तन किया और एक छोटा सा मंदिर का निर्माण कर मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम और माता सीता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की शुरूआत की थी। इसी का नतीजा है कि उनके ही प्रपौत मेला आयोजक सह समाजसेवी गुड्डू यादव ने एक अच्छा सा मंदिर निर्माण कर और भव्य तरीके से इस बार मेला का आयोजन किया। सिंघेश्वर विधानसभा के पूर्व विधायक सह बिहार सरकार में पूर्व कल्याण मंत्री डॉ रमेश ऋषि देव ने संयुक्त रूप से पिता काटकर मेला का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. रमेश ऋषि देव ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी भाईचारा व मिलाप्त का वातावरण कायम होता है वहीं मौके पर उपस्थित अखिल सिंदुरिया कैथल वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र दास ने कहा कि संस्कृति कार्यक्रम से साधन ही नहीं बल्कि मानसिक व बौद्धिक विकास भी होता है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि एक समय था जब मधेपुरा जिला के शंकरपुर प्रखंड के रायभीर गांव उग्रवादी गतिविधियों व हिंसा व प्रतिहिंसा से आक्रांत था। लेकिन अब माहौल में बिल्कुल सुधार हो गया है, वर्तमान में चाहूं ओर शांति का माहौल है। इसी का नतीजा है की आज हर जाति धर्म के लोग एक मंच के तले बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त उठा रहे हैं। इस मौके पर गायिका ज्योति माही, सिंगर सुंदर सामंजस, सुप्रसिद्ध नर्तकी डांसर माही मनीषा का जलवा रहा। कार्यक्रम में उपस्थित राजकुमार दास, विवेक यादव, मुकेश यादव, लड्डू यादव, छोटू यादव एवं ग्रामीण युवा मौजूद रहे। मधेपुरा पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह के निर्देश पर काफी संख्या में पुलिस प्रशासन के लोग भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र को जल्द करें पूर्ण :डीएम

डीएम ने लंबित मामलों के जल्द निपाटरे के लिए दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय स्थित झल्लू बाबू सभागार में सोमवार को समन्वय-सह-समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई। बैठक में विधि शाखा के समीक्षा के क्रम में से संबंधित माननीय उच्च न्यायालय पटना में दायर वादों को यथाशीघ्र निष्पादित करने का निदेश दिया गया। विशेषकर जिन विभागों के पास 1 या 2 मामले लंबित है। मुख्यमंत्री जनता दरबार, सी.पी ग्राम, आयुक्त कार्यालय के प्राप्त परिवाद पत्र एवं जिला जनता दरबार से संबंधित परिवाद का निष्पादन करने हेतु संबधित पदाधिकारियों को निदेश दिया गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आई.सी.डी.एस को डीपीओ, मनरेगा से समन्वय स्थापित कर निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र को पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। साथ ही जहां विभागीय स्वीकृति प्राप्त है, वहाँ यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ करने का निदेश दिया गया। डीपीओ, आईसीडीएस को कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी से समन्वय स्थापित कर आंगनबाड़ी केन्द्रों में नल का जल कनेक्सन हेतु निदेश दिया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में सदर अस्पताल निकट अतिक्रमण हटाने हेतु कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद को नियमानुसार निदेश दिया गया। मत्स्य विभाग की समीक्षा के क्रम में मत्स्य विभाग को डीपीएम, जीविका से समन्वय स्थापित कर जीविका के दीदियों को मत्स्य से संबंधित योजना का लाभ देने को कहा गया। वहीं डब्ल्यूपीयू की समीक्षा के क्रम में जिलान्तर्गत 19 निमार्णाधीन डब्ल्यूपीयू कार्य में प्रगति लाते हुए शीघ्र पूर्ण करने का निदेश

दिया गया। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के क्रम में पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु चिन्हित भूमि के अतिक्रमण निष्पादन हेतु संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी का निदेश दिया गया। साथ ही कार्यकारणी एजेन्सी को निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की व्यवधान आने पर अपने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का निदेश दिया गया। कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा को यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया कि किसानों को उचित मूल्य पर खाद्य उपलब्ध हो तथा एमआरपी से अधिक मूल्य पर खाद्य बेचने की स्थिति में संबंधित दुकानदारों पर विधिसम्मत कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। उद्योग विभाग अंतर्गत संचालित विश्वकर्मा योजना में प्रगति लाने हेतु निदेश दिया गया। पीएचईडी विभाग की समीक्षा के क्रम में जिलान्तर्गत नल का जल योजना को सफल क्रियान्वयन हेतु कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी को निदेश दिया गया। साथ ही जिला के सभी ऑपरेटर को नल जल के सही संचालन हेतु प्रशिक्षण देने का निदेश दिया गया। कब्रिस्तान घेराबंदी, मंदिर चाहरदिवारी मामले में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु कार्यपालक अभियंता, एलएईओ को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने का निदेश दिया गया। एनएच-106, पैकेज-02 की समीक्षा के क्रम में उदाकिशुनगंज से फुलौत तक सड़क के कालीकरण करने का निदेश दिया गया। समन्वय बैठक के पश्चात जिला पदाधिकारी द्वारा विकसित भारत, 2047 हेतु सभी विभागों को अपने लक्ष्य के अनुसार सर्वे डाटा भरने का निदेश दिया गया। वहीं बढ़ती ठंड के मद्येनजर सभी नगर निकाय एवं अंचलों में अलाव की व्यवस्था कराने का निदेश अपर समाहर्त्ता, मधेपुरा को दिया गया। साथ ही नियमानुसार कम्बल वितरण हेतु सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग को निदेश दिया गया। ठंड की स्थिति को देखते हुए सभी रैन बसेरा को क्रियान्वित करने का निदेश दिया गया। बैठक में सहायक समाहर्त्ता, मधेपुरा सुश्री कृतिका मिश्रा, उप विकास आयुक्त, मधेपुरा श्री अवधेश कुमार आनंद, अपर समाहर्ता, मधेपुरा श्री अरूण कुमार सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, मधेपुरा श्री शंकर शरण, अनुमंडल पदाधिकारी, मधेपुरा श्री संतोष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, उदाकिशुनगंज श्री एस जेड हसन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मधेपुरा, सिविल सर्जन, मधेपुरा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित हुए।

ग्लोबल फाऊंडेशन ट्रस्ट के द्वारा किया गया जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। अनुमंडल क्षेत्र के पूर्वी औराय पंचायत के वार्ड 6 में सोमवार को ग्लोबल फाऊंडेशन ट्रस्ट के डायरेक्टर डॉक्टर पी आलम के द्वारा 50 से अधिक जरूरतमंद के बीच कंबल का वितरण किया गया। कोषाध्यक्ष जूली खातुन ने बताया कड़ाके की ठंड को देखते हुए पूर्वी औराय पंचायत में 50 से अधिक जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि समाजसेवी सिकंदर अंसारी एवं मुखिया सावित्री देवी देवी ने कहा कि ग्लोबल फाऊंडेशन ट्रस्ट से जुड़े लोग हमेशा जरूरतमंद व असहाय लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। ठंड के बढ़ते मौसम में गरीब व असहाय की परेशानी को देखते हुए समय पर मदद पहुंचाई जा रही है जो काफी सराहनीय कार्य है। कड़ाके की ठंड में असहायों की सेवा ही मानवता की सेवा है, संस्था के सचिव प्रिंस कुमार मिठू नें कहा कि लोगों की समस्याओं को ग्लोबल फाऊंडेशन ट्रस्ट, दूर करने का हर संभव प्रयास करता है। मौके पर सदस्य मोहम्मद हबीब, समाजसेवी जुबेर, पूर्व मुखिया कपिल देव सिंह, नवीन कुमार, ब्रह्मदेव ठाकुर, मो. अलाउद्दीन, मो. रहमान, किरण देवी, राणा राज, सुरेश पासवान, अरुण शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

सारण में आर्केस्ट्रा संचालकों से 30 नाबालिग लड़कियां कराई गई मुक्त

प्रातः किरण संवाददाता

परसा। सारण पुलिस कप्तान के निर्देश पर पर परसा पुलिस व एनजीओ के सदस्यों ने रविवार की रात परसा थाना क्षेत्र के दर्जनों स्थानों पर चलाए जा रहे अवैध रूप से आर्केस्ट्रा में छापेमारी कर करीब ढाई दर्जन नाबालिक को मुक्त कराई गई है। इस दौरान की गई करवाई में परसा के अंजनी व बनौता में हुई छापेमारी के दौरान 30 नाबालिक लड़कियों को मुक्त कराई गई ।वही इस मामले में सात संचालक व उनके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया है । यह करवाई चाइल्ड लाइन छपरा,मिशन मुक्ति नामक एनजीओ की शिकायत मिलने पर केंद्रीय टीम द्वारा की गई।छापेमारी देर रात्रि में की गई जब आर्केस्ट्रा संचालक व नर्तकियां सब सो रही थी। महिला सिपाहियोंने सभी

लड़कियों का आधार व कागजात की जांच की ।जिनकी उम्र कम थी उन्हें मुक्त किया गया। नाबालिको से विधि विरुद्ध कार्य कराने के आरोप में सात संचालक व उनके सहयोगियों को पकड़ा गया। उनमें। शामिल है । छापेमारी के दौरान आर्केस्ट्रा में काम कर रही कई नाबालिक लड़कियां पुलिस को देखकर रोने लगी । आपबीती सुनाई कि उन्हें एलबम, व फिल्मों में काम करने के नाम पर मंच पर भौंडे नृत्य के दलदल में फंसाया गया है। कुछ लड़कियों ने शारीरिक शोषण की भी बाते बताई है ।पुलिस सभी को कोर्ट ले गई और उसके बाद बालिका गृह भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सभी लड़कियों के स्वजनों को दूरभाष पर सूचना दे दी गई है। ये सभी लड़कियां बंगाल,उड़ीसा, की बताई गई है।

जमुई में होने वाले जलसा में प्रतिभागी 15 दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई । जमुई में होने वाले महामहोत्सव जमुई जलसा जो 21 से 31 दिसंबर तक होने वाले है। जिसमें प्रतिभागियों से आवेदन अंतिम तिथि 15 दिसंबर तक ली जाएगी ।इसमें सांस्कृतिक, खेल , कला और शिक्षा के क्षेत्रों का समावेशिक प्रतियोगिता होना है। बैठक की अध्यक्षता शिक्षिका श्रीमती अंजलि मैडम ने किया। उन्होंने कहा कि जमुई जलसा अनुशासन और एकता के के साथ काम कर रही है। प्रतिभागी छूटे नहीं इसके लिए तिथि बढ़ा दी गई है ।आयोजक प्रभात कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि जमुई जलसा जिला प्रशासन और जमुईवासियों के सहयोग से होना है। जिसमें समाजसेवियों का सहयोग मिल रहा है। बाकियों की सहभागिता को लेकर चर्चा चल रही है।

बैठक में भारतीय संस्कृति के परिधान से जुड़े महिला - पुरुष फैशन शो कराने वाले इवेंट्स कोर टीम के साथी ही करेंगे जिसमें बिहार की संस्कृति की झलक होगी । राजनेता , शिक्षाविद , स्वतंत्रता सेनानी, अर्थशास्त्री , खिलाड़ी , कृषि वैज्ञानिक, समाजसेवी, संविधानविद, और भारतीय सेना से नवरत्नों के सम्मान हेतु नव रत्नों का खोज भी कर लिया गया है । जो अगली बैठक में मुहर लगने हैं। बम्बई के गीतकार विशु जो जमुई से ही है ने जमुई एंथम लिखा और गाया है। जिसपर नृत्य नाटिका होने वाली है।

आदिवासियों की संस्कृति से जुड़े संथाली नृत्य की तैयारी भी जोरो पर चल रही है ।वहीं प्राइमरी स्कूल के बच्चों की भागीदारी हेतु कोर टीम ने लंबी चर्चा की कि आवेदन आने के उपरांत उन्हें भी प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा।

बताते चलें कि जमुई जलसा को लेकर जमुई में एक महोत्सव का माहौल बन चुका है ।जिसकी चर्चा बाजार और ग्रामीणों के बीच हो रही है।

68 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल वुशू में भाग लेने सारण से दो प्रतिभागी हुए दिल्ली रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

मशरक। दिल्ली में आयोजित 68 वी राष्ट्रीय विद्यालय खेल वुशू अंडर 19 आयु वर्ग में भाग लेने वाली बिहार टीम में सारण से दो प्रतिभागी रवाना हुए। बालक एवं बालिका वर्ग के 21 सदस्यीय टीम में सारण के मशरक प्रखंड मुख्यालय अवस्थित राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मशरक की छात्रा दीपशिखा कुमारी पिता अमरनाथ महतो शेरूकहा गांव निवासी जबकि बिहार बालक टीम कोच के रूप में सारण वूशु संघ के सचिव मशरक के बंगरा निवासी विनय पंडित टीम के साथ है। वहीं बालिका टीम की कोच गुशु कुमारी जबकि टीम प्रबंधक अनूप

कुमार बनाए गए है। बिहार टीम में सारण के अलावे मुजफ्फरपुर, आरा, बक्सर, कटिहार, बेतिया, नालंदा, लखीसराय, वैशाली , समस्तीपुर के खिलाड़ी शामिल है। टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए जिला खेल पदाधिकारी मो शमीम अंसारी , विद्यालय प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार , संजय कुमार सिंह , सुजीत कुमार , पंकज चौहान, रूपनारायण जी , पंकज कुमार , यशपाल सिंह , किशोर कुणाल , सुनील कुमार सिंह , कुमार कौशलेंद्र, अमित गिरी, खुर्शीद आलम , कुंदन कुमार सहित अन्य ने शुभकामना दी है ।

गोलचौक के समीप मोबाइल स्नेचिंग की हुई घटना ,मौके पर पहुंची 112 पुलिस

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित गोलचौक परिसर के समीप भूतपूर्व मुखिया अनिल सिंह के अस्थायी आवास के सामने से उत्तर प्रदेश से आए श्रद्धालु से भरी बस के ड्राइवर से बात करने के दौरान बाइक सवार मोबाइल स्नेचिंग कर भाग निकला । आसपास के लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन स्नेचर बाइक को तेज गति से भगा ले गया। बतादें की इस तरह की वाल्मीकिनगर में यह पहली घटना है ।घटना की जानकारी 112 पुलिस को लोगों द्वारा दी गई ।सूचना मिलते ही 112 कि पुलिस बंशीधर मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली ।बहरहाल वाल्मीकिनगर में पर्यटकों की ज्यादा आवक होती है और इनकी सुरक्षा प्रशासन के लिए प्रथम प्राथमिकता होती है ।ऐसे में इस तरह की घटना पुलिस प्रशासन के सामने चुनौती से कम नहीं ।

मढ़ौरा के एक बंद घर से बाइक सहित लाखों की जेवर व सामग्री की हुई चोरी

मढ़ौरा। तेजपुरवा पंचायत के लेरूआ निवासी सुभाष सिंह के बंद घर में कुछ अज्ञात चोरों ने बीती रात चोरी की घटना को अंजाम दिया है । इस दौरान चोरों ने सुभाष सिंह की एक बाइक सहित कपड़ा,जेवर व सामग्री आदि करीब लाखों की संपत्ति चुरा ली है। सुभाष सिंह का पूरा परिवार घर बंद कर मुंबई चला गया था और शनिवार को जब मुंबई से वापस आए तो घर के पीछे के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। जिसे देख वे काफी आश्चर्यजीत हुए। जब घर के अंदर पड़ताल की तो पता चला कि घर में रखी गई बाइक,जेवर सहित लाखों रुपए की सामग्री चोरों ने चुरा ली है। इस संबंध में गृहस्वामी के द्वारा मढ़ौरा थाने में लिखित शिकायत की गई है।

अग्निशमन कर्मियों ने बच्चों को किया जागरूक

दरियापुर, स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय लोहछा में अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने जागरूकता अभियान चलाया गया ।जिस दौरान सभी बच्चो को अगलगी,गैसीय आग तथा बिजली के सॉर्ट सर्किट से लगने वाले आग से बचाव की जानकारी दी गई ।इसके साथ ही ठंड के मौसम में जानवरों के समीप या बंद घरों के अंदर आग जलाने से होने वाली घटनाओं से भी अवगत कराया गया ।इस अभियान में अग्निशमन कर्मी सरदेंदु कुमार,अटल कुमार सिंह,रजनी कुमारी, प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार,मो अमजद अली,शिक्षिका अंशु समेत सभी शिक्षक मौजूद थे।

लापता युवक का अबतक कोई सुराग नहीं

पटना/दानपुर। दीघा थाना क्षेत्र के रामजीचक बाटा गंज निवासी 20 वर्ष साल का अभिजीत कुमार उर्फ छोटू 9 दिनों से घर से लापता है। उसके पिता संजीव कुमार ने एक दिसंबर को दीघा थाने में आवेदन देकर उसे खोजने की गुहार लगाई थी। लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। उन्होंने बताया कि अभिजीत मानसिक रूप से थोड़ा अस्वस्थ है। वह 29 नंवबर की शाम 6 बजे घर से अचानक लापता हो गया। काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई अता-पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने शराबी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

गिद्धौर। गिद्धौर थाना पुलिस ने गिद्धौर टॉउन हॉल के निकट से शराब के नशे में धुत्त होकर हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गिद्धौर पुलिस के अवर निरीक्षक रामधारी महतो को गश्ती के दौरान शराब के नशे में धुत हो हंगामा कर उक्त स्थल पर एक शराबी के होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही अवर निरिक्षक रामधारी महतो शसस्त्र बल के सिपाही शिल्पी कुमारी एवं कपिल कुमार के साथ गस्ती के दौरान युवक को शराब पीकर हौ हंगामा करते देखा गया। जैसे ही पुलिस की वाहन युवक के नजदीक पहुंचा तो

शाकिब इलेवन मधेपुरा की टीम ने विक्की इलेवन मुंगेर की टीम को 4 विकेट से किया पराजित

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)। बाबा साहेब डॉ भीम राव आंबेडकर के पुण्य तिथि पर एसबीजेएस उदाकिशुनगंज स्टेडियम मैदान में आयोजित उदाकिशनगंज प्रीमियर लीग टी ट्वेंटी क्रिकेट टूनार्मेंट के चौथा लीग मैच सोमवार को शाकिब इलेवन मधेपुरा और विक्की इलेवन मुंगेर के बीच खेली गई। चौथे लीग मैच के मुकाबले में शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम ने विक्की इलेवन मुंगेर की टीम को 4 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में अपना जगह पक्की कर लिया। ज्ञात हो कि शाकिब इलेवन मधेपुरा के कप्तान शाकिब अयाज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज करने का निर्णय लिया। विक्की इलेवन मुंगेर कि टीम बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रनों का लक्ष्य शाकिब इलेवन मधेपुरा टीम को दिया। विक्की इलेवन मुंगेर कि टीम से मिन्नत और विक्की ओपनिंग करने उतरे थे। पहला विकेट जीरो रन पर ही विक्की का गिर गया। मुंगेर के तरफ से शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश करते हुए मिन्नत ने 35 गेंद पर 61 रन बनाए। वहीं राहुल ने 18 गेंद पर 29 रनों का योगदान अपने टीम को दिया। शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम के खिलाड़ी कैफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। और बंटी ने तीन विकेट झटका। जवाबी पारी खेलने उतरी शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम 14 ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इस तरह शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम ने विक्की इलेवन मुंगेर कि टीम को 4 विकेट से पराजित किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम के खिलाड़ी कैफी को दिया गया। कैफी ने 3 ओवर गेंदबाजी कर 18 रन देते हुए पांच महत्वपूर्ण विकेट लिए। वही सुपर स्ट्राइकर का पुरस्कार शाकिब इलेवन मधेपुरा कि टीम के बैट्समैन राजेश सिंह को दिया गया। राजेश सिंह ने 33 गेंद में शानदार 93 रनों का योगदान दिए। कैफी को मैन ऑफ द मैच के लिए 2100 और सुपर स्ट्राइकर के लिए राजेशसिंह को 1100 का इनाम एनडीएवी पब्लिक स्कूल के निर्देशक सजनदेव कुमार ने प्रदान किया। मंगलवार को पहला सेमीफाइनल मुकाबला मुजफ्फरपुर और शाकिब इलेवन मधेपुरा के बीच खेला जाएगा। मैच में निर्णायक की भूमिका अमरनाथ और राघव ठाकुर ने निभाई। जबकि स्कोरिंग अश्वनी कुमार ने की। वहीं उद्घोषक की भूमिका कामरान हबीब और अजीत कुमार ने निभाई। मौके पर टुनार्मेंट आयोजन समिति के संचालक नीतीश राणा, अध्यक्ष दुर्गा यादव, शाकिब अयाज, रणजीत कुमार राणा, राहुल आदि थे।

भाकपा माले ने गांधी मैदान में होने वाले महाजुटान की तैयारियों को लेकर गोठहुला में कार्यकर्ता कन्वेंशन का किया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। 3 मार्च 025 को भाकपा-माले के द्वारा आयोजित गांधी मैदान पटना में होने वाले महाजुटान की तैयारी को लेकर आरा मुफ्फसिल का प्रखंडस्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन गोठहुला में आयोजित किया गया !यह कार्यकर्ता शुरू होने से पहले गोठहुला पंचायत कमेटी सदस्य काड़ुकुंवर पासवान की स्मृति में उनके चित्र पर माल्यार्पण अर्पित करते हुए उन्हें दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई !काड़ुकुंवर पासवान का पिछले 3 दिसंबर को निधन हो गया था !

कन्वेंशन का संचालन भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य विजय ओझा ने की।

कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए भाकपा-माले नेताओं ने कहा कि

बिहार में पिछले दो दशकों से भाजपा-जदयू की सरकार जिसके मुखिया नीतीश कुमार है !जातीय गणना के अनुसार बिहार के 34% आबादी को महज 6000 मासिक आमदनी पर जीने को मजबूर किया है ! बिहार में इतनी बड़ी भयावह है इसे उबारने के उस वक्त महागठबंधन के दबाव बिहार के 95 लाख जनता को 2-2 लाख रुपए देने का वादा किया था लेकिन यह सरकार इस सवाल गंभीर नहीं है !आवास का भी वही हाल है !गरीबों के विकास के लिए कोई ठोस योजना नहीं है !महंगाई चरम पर है ! गरीबों के थाली से धीरे-धीरे भोजन गायब हो रहा है ! बिहार के राजनीतिक मानचित्र पर अपराधियों का कब्जा है ।

रोजगार मांग रहे है छात्रों पर लाठियां चल रही है ! बिहार की जनता इस सरकार पूरी तरह उब चुकी है !इसलिए बिहार एक बड़े बदलाव के मुहाने पर खड़ा है !इसलिए भाकपा-माले ने बदलों बिहार अभियान चला रही है !आगे आने वाले दिनों में बिहार में इस बदलाव का बाहक भाकपा-माले बनेगी ! इसलिए भाकपा-माले ने बिहार की जनता को लाखों में महाजुटान में शामिल होने का आह्वान किया है ! कन्वेंशन में राज्य कमेटी सदस्य सुधीर कुमार,राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी,जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम,कामता बिंद,मुखिया संजय यादव,पंचायत समिति सदस्य जनार्दन गोड़,विजय कुमार निषाद,रामनिवास,कृष्णा राम,महेश पासवान, कमलेश राम,रामपुकार बिंद,शिवबचन यादव,दयाशंकर सिंह,जवाहर बिंद,रंगीला बिंद, श्रीभगवान बिंद,चंद्रशेखर यादव,रामश्वारथ चौधरी,सोनू पासवान,रामायण यादव,हरेराम निषाद,नदल बिंद,जयराम यादव,लालबाबू सिंह, दिनेश्वर यादव,पप्पू गोप,लक्ष्मण प्रसाद,व्यासमुनि पासवान शामिल थे !

नहीं सुधर रही है गिद्धौर में उप स्वास्थ्य केंद्र की लचर व्यवस्था, विभाग सिर्फ कर रही है खानापूर्ति

प्रातः किरण संवाददाता

गिद्धौर। राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग सूबे के ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दिशा में दिन रात प्रयास कर रही है, तकि ग्रामीण परिवेश में निचले पायदान पर निवास करने वाले आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जा सके. वहीं ग्रामीणों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभागीय स्तर से कई तरह के स्वास्थ्य संसाधन स्वास्थ्य केंद्रों व उप स्वास्थ्य केंद्रों को स्वास्थ्य विभाग उपलब्ध करा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेपटरी हो रहे स्वास्थ्य व्यवस्था को पुनः बेहतर तरीके से बहाल किया जा सके. लेकिन इन दिनों प्रखंड के मौरा गांव में सरकार व विभाग के लाख कोशिशों के बावजूद भी वर्तमान समय में निचले तबके के मध्यम वर्गीय ग्रामीण, गरीब, असहाय, लोगों को स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के उदासीन व लापरवाह

रवैये के कारण मौरा पंचायत वासियों को यहां इसका समुचित लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है. बताते चलें कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिये सूबे के विभीन्न प्रखंडों में पंचायत स्तर पर लाखों रुपए खर्च कर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना कर-वाई गयी थी, ताकि ग्रामीण लोगों को छोटी मोटी स्वास्थ्य परेशानियों को ले प्राथमिक स्वास्थ्य के केंद्र का चक्कर न लगाना पड़े, लेकिन इन दिनों दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के देखरेख में संचालित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर मौरा लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण यहां के लोगों को इन केंद्रों से मिलने वाले स्वास्थ्य योजनाओं एवं सुविधाओ से वंचित रहना पड़ रहा. क्षेत्र के ग्रामीण बताते हैं कि मौरा पंचायत वासियों के स्वास्थ्य समस्याओं के निदान टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य गतिविधि एवं नियमित स्वास्थ्य जांच को लेकर सरकार द्वारा आम नागरिकों को लाभान्वित करने हेतु यहां यह केंद्र खोला गया, लेकिन सप्ताह में एक आध बार गाहे बगाहे ही केंद्र खुला देखा जाता है. वहीं विभागीय स्तर पर केंद्र खुला रहने का हवाला दे यहां स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के नाम की खाना पूर्ति कर ली जाती है. केंद्र पर पदस्थापित एन एम का तो दर्शन पाना भी दुर्लभ हो जाता है, कई बार हम ग्रामीणों द्वारा इस स्वास्थ्य उप केंद्र को नियमित रूप से खुलवाने की मांग दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से की गयी है

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच ने मालिक के बयान पर ही उठाया सवाल

कहा- ऋषभ पंत ने पैसे के लिए छोड़ी टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत आईपीएल में पिछले सीजन तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। हालांकि अगले सीजन से वह लखनऊ सुपर जायंट्स की जर्सी में नजर आएंगे। पंत को दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन नहीं किया था। पंत और टीम के मालिक पार्थ जिंदल ने कहा था कि इस फैसले में पैसा का रोल नहीं था। हालांकि टीम के हेड कोच हेमांग बदानी ने दोनों को ही झूठा ठहरा दिया है।

ऋषभ पंत और पार्थ जिंदल का बयान

कुछ समय पहले टीम के मालिक पार्थ जिंदल ने इससे अलग ही कहानी सुनाई थी।उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइंफो को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पंत के दिल्ली छोड़कर जाने के फैसले में पैसों का कोई लेना देना नहीं था। वहीं ऋषभ पंत ने भी एक्स पर पोस्ट करके कहा था कि वह पैसों की वजह से ऑक्शन में नहीं गए थे।

ऋषभ पंत नहीं होना चाहते थे रिटेन – क्रिक इट विद बदरी पॉडकास्ट में हेमांग बदानी ने सुब्रामाण्यम बद्रीनाथ को बताया कि पंत कभी रिटेन नहीं होना चाहते थे। हेमांग ने कहा, 'उसने कहा कि वह ऑक्शन में जाकर मार्केट टेस्ट करना चाहता है। अगर आप किसी खिलाड़ी को रिटेन करना चाहते हैं दोनों पार्टी को कुछ चीजों पर सहमत होना होता है। हमने उनसे बात करने की कोशिश की। कई फोन और मैसेज किए।' हेमांग ने यह भी बताया कि रिटेन न करने के बाद भी दिल्ली पंत को टीम में चाहती थी। यही कारण है कि उन्होंने 21 करोड़ रुपए की रकम पर भी पंत के लिए आरटीएम का इस्तेमाल करने का फैसला किया।

हेमांग ने कहा, 'हां, दिल्ली कैपिटल्स उसे रिटेन करने में इच्छुक थी। उन्होंने कहा कि वह ऑक्शन में जाना चाहते थे। उसे लग रहा था कि वह रिटेन खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रकम पाने वाले क्रिकेटर से ज्यादा पैसा पाएगा। उसे लगा कि उसकी कीमत ज्यादा है और मार्केट को भी ऐसा ही लगा। उसे 27 करोड़ रुपए मिले। यह उसके लिए अच्छा है। वह अच्छा खिलाड़ी हैं। बेशक हम उसे मिस करेंगे लेकिन जिंदगी चलती रहती है।'

ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड ने छिड़का भारत के जख्मों पर नमक

इस मामले में छीन लिया नंबर 1 का ताज

नईदिल्ली, एजेंसी। एडिलेड टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2023-25) की अंक तालिका में पहले नंबर से सीधे तीसरे नंबर पर आ गई. जबकि नंबर दो पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया जीत के साथ शीर्ष पर काबिज हो गई. भारत को एडिलेड में 10 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने गहरे जख्म दिए. बची खुची कसर इंग्लैंड ने पूरी कर दी. इंग्लैंड एक खास मामले में भारतीय टीम को पछाड़ते हुए आगे निकल गई है. एडिलेड टेस्ट हारने के बाद भारत को दोहरा झटका लगा है.

एक तरफ जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेल रही है तो वहीं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने हैं. जहां भारत-ऑस्ट्रेलिया 1-1 मैच जीतकर सीरीज में बराबरी पर है तो वहीं इंग्लैंड ने शुरुआती दो मैच हराकर न्यूजीलैंड को पटखनी दी. वहीं भारत को भी एक मामले में पछाड़ दिया है. इंग्लैंड अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतते ही इंग्लैंड ने टीम इंडिया को पीछे छोड़ दिया. इंग्लैंड अब ङ्कञ्जष्ट में 32 मैच जीतकर टॉप पर आ चुकी है. वहीं भारतीय टीम 31 जीत के साथ दूसरे नंबर पर खिसक चुकी है. ऑस्ट्रेलिया ने 29 मैच, साउथ अफ्रीका-न्यूजीलैंड ने 18-18 मैच जीते है.

न्यूजीलैंड के सफाये पर टिकी इंग्लैंड की नजरें – न्यूजीलैंड को उसकी ही सरजमीं पर तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 2-0 से हरा चुकी है. अब तीसरे मुकाबले में भी जीत दर्ज करके इंग्लैंड कीवी टीम का 3-0 से सूपड़ा साफ़ करना चाहेगी. गौरतलब है कि इंग्लैंड पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है. फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका है ।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा ने कहा, लक्ष्य उदाहरण पेश करके नेतृत्व करना है

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा पहली बार होने वाली महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में अपनी टीम की अगुआई करते हुए ऐतिहासिक सफर पर निकलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी के इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।

महिला एचआईएल के उद्घाटन के महत्व पर विचार करते हुए, नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हम वर्षों से इस तरह के मंच का इंतजार कर रहे थे, और अब जब यह आखिरकार आ गया है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी

प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीजन में जगह नहीं बना पाए और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाए। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगी।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गई नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती के लिए उत्साहित हूं। मैं कुछ समय से भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जब जरूरत हो तो कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएं अपनाई हैं, चाहे वह मेरे साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी हुई है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

अपनी शादी सहित हाल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के बावजूद, नेहा अपने पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। अपने जीवन के दोनों पहलुओं को संभालना कुछ ऐसा है जो मैं सालों से कर रही हूं। मेरी शादी ने खेल के प्रति मेरे दृष्टिकोण को नहीं बदला है। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितनी मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं अपना सबकुछ देने के लिए तैयार हूं। एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालांकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे करना है, लेकिन उन्हें युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं किसी तरह से वापस देना चाहती हूं, शायद हॉकी अकादमियों में लड़कियों की मदद करके, जिन्हें वित्तीय सहायता की ज़रूरत है।

हर सीरीज में एक विलेन की जरूरत होती है और सिराज अब वह विलेन है: क्लार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अंपायरों से एलबीडब्ल्यू आउट होने की अपील किए बिना विकेट का जश्न मनाने की आदत के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए, और उन्होंने आईसीसी द्वारा उन्हें इसके लिए दंडित नहीं किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया।

सिराज एडिलेड में 140 रन पर आउट होने के बाद ट्रैविस हेड के साथ अपने सेंड-ऑफ विवाद के लिए सुर्खियों में रहे हैं। क्लार्क की टिप्पणी सिराज द्वारा मार्नस लाबुशेन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू आउट होने पर अंपायर की ओर देखे बिना सेलिब्रेट करने के उदाहरण की ओर इशारा करती है, लेकिन रीप्ले में गेंद का अंदरूनी किनारा बड़ा दिखाई देता है। सिराज पर लगातार एलबीडब्ल्यू की अपील करने और अंपायर से न पूछने के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए। वह बल्लेबाज के पैड पर गेंद मारता है और ऐसे भागता है जैसे वह आउट हो। मुझे आश्चर्य है कि आईसीसी ने उस पर जुर्माना नहीं लगाया, क्योंकि मुझे याद है कि जब मैं खेल रहा था, तो हर बार जुर्माना लगाया जाता था। ब्रेट ली इस मामले में सबसे खराब थे और उन्होंने उनसे कहा, अगर आप पीछे मुड़कर अंपायर से नहीं पूछेंगे, तो आप पर जुर्माना लगाया जाएगा। मैं सिराज से इस बात को लेकर उनसे और ट्रैविस हेड से ज्यादा चिंतित हूं। सिराज ने पहले टेस्ट में भी ऐसा किया था। क्लार्क ने सोमवार को बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट शो में कहा, आप जो चाहें उसके लिए अपील कर सकते हैं, लेकिन आपको पीछे मुड़कर अंपायर से पूछना होगा। मुझे वास्तव में आश्चर्य है कि उस पर जुर्माना नहीं लगाया गया। ट्रैविस हेड को भी सेंड-ऑफ देना, उसे बेवकूफ बनाने जैसा था। उस व्यक्ति ने अभी-अभी 140 रन बनाए हैं; किसी को सेंड-ऑफ दें जिसने पांच रन बनाये हों न कि 140।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट क्लार्क ने क्लार्क के विचारों से सहमति जताते हुए कहा

कि सिराज की यह आदत हेड के साथ उनके शब्दों के आदान-प्रदान से कहीं बड़ी समस्या है। मुझे लगता है कि यह (हेड) घटना में जो हुआ, उससे कहीं ज़्यादा बुरा है। और यह बात कई बार सामने आई और इस पर चर्चा हुई कि आप ऐसा नहीं कर सकते।

क्लार्क ने कहा, अंपायर काफ़ी स्पष्ट हैं, और नियम भी, कि आपको पीछे मुड़कर सम्मान दिखाना होगा और अंपायर से पूछना होगा कि क्या यह आउट है। यह अच्छा नहीं लग रहा था, वह विकेट के नीचे भागा, आगे बढ़ा, यह आउट है ... फिर जब उन्होंने रीप्ले दिखाया, तो उसने गेंद को अंदर की तरफ़ से अपने पैड पर मारा था। अगर मैं मैच रेफरी या अधिकारी होता, तो मैं कुछ इस तरह कहता, दोस्त, इसे रोकना होगा, क्योंकि यह अच्छा नहीं लगता और इससे अंपायर पर बहुत दबाव पड़ता है, वह भी अनुचित तरीके से।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हेड और सिराज को आचार संहिता के उल्लंघन के लिए आईसीसी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, क्लार्क ने कहा कि उन्हें दोनों के बीच झड़प से कोई बड़ी समस्या नहीं है, हालांकि उन्हें लगता है कि इस घटना ने सिराज को बाकी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई जनता की नज़र में खलनायक बना दिया है। हेड के साथ झड़प के बाद, सिराज को पिंक-बॉल टेस्ट में गेंदबाजी या बल्लेबाजी करने के लिए आते समय एडिलेड ओवल की भीड़ से हूटिंग का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि खेल जारी रहेगा। उन्हें कलाई पर एक शरारती लड़के की मार पड़ेगी, हम सभी उम्मीद करते हैं। मुझे यकीन है कि उन्हें जुर्माना लगेगा, जिसे वे शायद अपनी जेब से बची हुई रकम से चुकाएंगे, और फिर मुझे उम्मीद है कि यह खेल जारी रहेगा।

यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा था... लेकिन जो कहा गया, उसे लेकर बहुत भ्रम था। मोहम्मद सिराज ने एक बात सोची, अपनी बाहें लहराईं, ट्रैविस हेड एक बात कह रहे थे। निष्पक्ष रूप से कहें तो मैदान में इसने दिन के नाटक को और भी मजेदार बना दिया। हर सीरीज में एक खलनायक की जरूरत होती है - मोहम्मद सिराज अब वह खलनायक है और मुझे लगता है कि ब्रिसबेन में आने वाली सीरीज में यह बहुत ही शानदार होगा, जहां जब वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरेगा और जब वह गेंदबाजी करने आएगा, तो युवा और बूढ़े दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे; एक अच्छे टकराव वाले तरीके से। अगर वे खेल से बाहर हो गए तो मैं निराश हो जाऊंगा, मुझे लगता है कि इससे सभी निराश होंगे।

सिराज और राणा बुमराह का साथ देने के लिए उस स्तर पर नहीं थे: गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा एडिलेड में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का साथ देने के लिए वांछित स्तर पर नहीं थे। पर्थ में भारत की 295 रनों की जीत में आठ विकेट लेने वाले बुमराह ने एडिलेड में पहली पारी में 4/61 विकेट लिए । हालांकि सिराज ने 4-98 विकेट लिए, लेकिन उनका इकॉनमी रेट चार था, जबकि राणा, जिन्होंने पर्थ में चार विकेट लेकर डेब्यू किया था, ने एक भी विकेट लिए बिना 86 रन दिए।

गिलक्रिस्ट ने सोमवार को फॉक्स क्रिकेट के द फॉलो-ऑन पॉडकास्ट पर कहा, सीरीज़ में आने से पहले, भारत के लिए अनिश्चितता थी कि बुमराह का साथ देने वाला कौन है। सिराज और राणा ने पर्थ में वास्तव में अच्छा काम किया, लेकिन वे एडिलेड में उसी स्तर पर नहीं थे। यह अभी भी उस चर्चा का स्पष्ट हिस्सा है। बुमराह एक निश्चित स्तर पर हैं, और बाकी सभी अभी उस स्तर पर नहीं हैं। उनका यह भी मानना है कि अगर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पूरी तरह से फिट हैं, तो उन्हें ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में वापस आना चाहिए। साइड स्ट्रेन से उबरने के बाद वे एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की दस विकेट की जीत से बाहर रहे। उन्होंने कहा,मुझे उम्मीद है कि अगर हेजलवुड फिट हैं, तो वे हेजलवुड को वापस बुलाएंगे, खासकर गाबा में। मुझे लगता है कि परिस्थितियां उनके अनुकूल होंगी। मेरा मतलब है, आप जिस भी दिशा में जाएं, आपको पता है कि आपको क्या मिलेगा, और वह है निरंतरता और विरोधी बल्लेबाजी क्रम जो खतरे में होगा।

अगर हेजलवुड आते हैं, तो एडिलेड में पांच विकेट लेने वाले स्कॉट बोलैंड उनके लिए जगह बना सकते हैं। गिलक्रिस्ट को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए बोलैंड के रूप में एक मजबूत रिजर्व गेंदबाज होना एक प्लस प्वाइंट है, जो जब भी जरूरत होगी टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। स्कॉटी के लिए यह समय दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे उनका प्रदर्शन बहुत पसंद आया। यह ऐसा है जैसे बॉल मशीन को प्लग इन किया जाता है, जिसमें एक सेटिंग होती है और यह फिर से उसी सेटिंग पर आ जाती है। मुझे यह पसंद आया कि कैसे भीड़ और ब्रॉडकास्टर उनका स्वागत करते हैं। उनकी कहानी बहुत ही रोचक है, वह इतने विनम्र व्यक्ति हैं, जो अपने काम के दिन को बिताकर पूरे देश और ग्रैंडस्टैंड में बैठे 50,000 लोगों को रोमांचित कर सकते हैं।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

अबुधाबी, एजेंसी। भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

अगर शमी को चौथे टेस्ट के लिए बुला रहे तो न ही बुलाएं: बासित अली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में दो दिन से भी कम समय में 10 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पर्थ में 295 रनों से जीत दर्ज करने के बाद भारत ने पिंक-बॉल टेस्ट में भी औसत प्रदर्शन किया जिस कारण ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज की।

दोनों पारियों में बल्लेबाजों के फ्लॉप होने के अलावा भारतीय गेंदबाजों ने भी निराश किया, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की निर्णायक बढ़त हासिल की। ??तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुरुआती सफलताएं हासिल कीं लेकिन उन्हें दूसरों से समर्थन नहीं मिला। दूसरे टेस्ट में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि भारत को तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जरूरत है ताकि गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिल सके। चोट के कारण एक साल तक बाहर रहने के बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे शमी के जल्द ही ऑस्ट्रेलिया रवाना होने की उम्मीद है, लेकिन

टीम प्रबंधन उनकी अंतरराष्ट्रीय वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं कर रहा है।

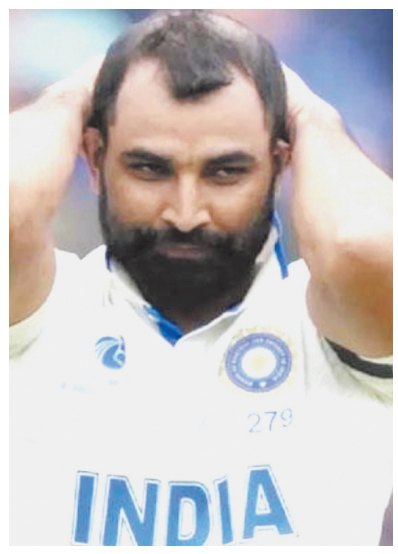

बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हमें खबर मिल रही है कि शमी जा रहे हैं, लेकिन चौथे टेस्ट से खेल सकते हैं। अगर भारत शमी को चौथे टेस्ट से खिलाता है तो कोई फायदा नहीं होगा। उन्हें अभी भेजकर ब्रिसबेन टेस्ट में खिलाएं। अगर आप उन्हें मेलबर्न के लिए बुला रहे हैं, तो उन्हें बिल्कुल भी न बुलाएं। भारत को अभी शमी की जरूरत है! आपके पेस अटैक को शमी की जरूरत है।

शमी की फिटनेस पर रोहित ने दिया अपडेट – दूसरे मैच में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि शमी के घुटने में एक बार फिर कुछ सूजन आ गई हैक्योंकि उन्होंने मुश्ताक अली ट्रॉफी के 7 मैच खेले हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शमी की वापसी की संभावना है, रोहित ने अपने जवाब में सावधानी बरती। उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, निश्चित रूप से। उनके लिए दरवाजे पूरी तरह से खुले हैं। लेकिन हम सिर्फ उनकी निगरानी कर रहे हैं क्योंकि सैयद मुश्ताक अली टी20 खेलते समय उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई, जो जाहिर तौर पर टेस्ट मैच खेलने के लिए उनकी तैयारी में बाधा डाल रही है। हम बहुत-बहुत सावधान रहना चाहते हैं। गौर हो कि शमी ने रणजी ट्रॉफी मैच में 42 ओवर गेंदबाजी करने के अलावा 13 दिनों में 7 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 मैच भी खेले थे।

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को 109 रन से हराया

सीरीज 2-0 से जीती, बावुमा प्लेयर ऑफ द सीरीज

केनबरा, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को 109 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में टेम्बा बावुमा की टीम ने 348 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका 238 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ नंबर-1 पर कब्जा जमा लिया है। पांचवें दिन श्रीलंका को 143 रन की जरूरत थी। जबकि साउथ अफ्रीका को 5 विकेट चाहिए थे। लेकिन टीम अपने कल के स्कोर 205 रन में मात्र 33 रन जोड़ सकी और ऑलआउट हो गई। प्रोटियाज टीम से केशव महाराज ने 5 विकेट लिए। डेन पैटरसन ने मैच में 7 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं 2 मैच में 327 रन बनाने वाले कप्तान बावुमा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला।

कप्तान सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज फेल – श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे। सिल्वा ने 92 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने 46 रन बनाए। आखिरी के 4 बल्लेबाज मिलकर 15 रन ही जोड़ सके। स्पिनर केशव महाराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए।

बावुमा ने फिफ्टी लगाई – चौथे दिन

साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 191/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 36 और कप्तान टेम्बा बावुमा ने 48 रन के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। बावुमा ने फिफ्टी लगाई, वह 66 रन बनाकर आउट हुए, वहीं स्टब्स ने 47 रन बना दिए।

डेविड बेडिंघम ने 35 रन का योगदान दिया। 5 टैलेंडर्स ने भी 8 से 14 रन की पारियां खेलीं और स्कोर 317 रन तक पहुंचा दिया। पहली पारी में साउथ अफ्रीका ने 30 रन की बढ़त ली थी, इसलिए श्रीलंका को 348 रन का टारगेट मिला।

जयसूर्या को 5 विकेट – श्रीलंका से दूसरी पारी में स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने 5 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो को 2 विकेट मिले, वहीं असिथा फर्नांडो और लहिरु कुमारा के हाथ 1-1 सफलता आई। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

श्रीलंका की खराब शुरुआत – 348 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम की शुरुआत खराब रही। दिमुथ करुणारत्ने 1 और पाथुम निसांका 18 रन बनाकर आउट हो गए। मिडिल ऑर्डर बैटर्स ने पारी संभाली, लेकिन 3 बैटर्स सेट होने के बाद आउट हो गए। दिनेश चांदीमल ने 29, एंजलो मैथ्यूज ने 32 और कामिंडु मेंडिस ने 35 रन बनाए। कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने फिर कुसल मेंडिस के साथ टीम को संभाला। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और स्कोर 200 रन के पार पहुंचा दिया। स्टंप्स तक टीम ने 205 रन बना लिए, कुसल और धनंजय दोनों 39-39 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। साउथ अफ्रीका से केशव महाराज और डैन पैटरसन 2-2 विकेट ले चुके हैं। एक विकेट कगिसो रबाडा को भी मिला।

बिहार सरकार

अध्यक्ष
बिहार विधान सभा

शुभकामना संदेश

10 दिसंबर विश्व के समस्त मानव समुदाय के लिए विशेष दिन है, क्योंकि इस दिन अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में उन अधिकारों को स्मरण किया जाता है, जो किसी व्यक्ति के सम्मानजनक जीवन के लिए जरूरी है। मानवाधिकारों में भोजन, शिक्षा, काम, स्वास्थ्य, अभिव्यक्ति और आजादी जैसे जीवन से जुड़े मूलभूत अधिकार शामिल हैं। मानवाधिकार गरिमा, निष्पक्षता, समानता और सम्मान जैसे मूल्यों पर आधारित है। मानवाधिकार दिवस दुनिया के लोगों को बताता है कि जाति, रंग, धर्म, लिंग, भाषा, समाज, संपत्ति और अन्य स्थितियों को आधार बनाकर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

यह हर्ष का विषय है कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के दिन ही बिहार मानवाधिकार आयोग, पटना की स्थापना के 16 वर्ष पूरे हो रहे हैं। अपने स्थापना वर्ष 2008 से ही बिहार मानवाधिकार आयोग राज्य के नागरिकों के मानवाधिकार के संरक्षण के लिए कृत संकल्पित है। विभिन्न कार्यक्रमों और मीडिया के माध्यम से आयोग आम लोगों को मानवाधिकार के प्रति जागरूक करता रहा है। जनसाधारण को उनके मानवीय अधिकारों के प्रति जागरूक करने में बिहार मानवाधिकार आयोग की महती भूमिका रही है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आयोग अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर अपने दायित्वों का भली–भांति निर्वहन करता रहेगा। स्थापना की 16वीं वर्षगांठ पर बिहार मानवाधिकार आयोग, पटना को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

(नन्द किशोर यादव)

PR No.-014360 (Home)D. 2024-25

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री
बिहार

संदेश

मानवाधिकार हर व्यक्ति का नैसर्गिक या प्राकृतिक अधिकार है। इसके दायरे में जीवन, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार आता है। इसके अलावा गरिमामय जीवन जीने का अधिकार, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकार भी इसमें शामिल हैं।

मानवाधिकार का संरक्षण हमारी शासन व्यवस्था का मूल सिद्धान्त है। हमारे संविधान में भी नागरिकों के अधिकारों को मूल अधिकारों के रूप में स्वीकार किया गया है। मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत बिहार मानवाधिकार आयोग का गठन 10 दिसम्बर 2008 को किया गया है। राज्य सरकार मानवाधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए सदैव प्रयासरत एवं दृढ़ संकल्पित है। "**न्याय के साथ विकास**" का मूलभूत सिद्धांत मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की इसी भावना का मूर्त रूप है।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस एवं मानवाधिकार आयोग के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त नागरिकों को शुभकामना और बधाई देता हूँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 014357 (Home)D. 2024-25

बिहार सरकार

उप मुख्यमंत्री
बिहार

शुभकामना संदेश

राज्य की मूल अवधारणा लोक कल्याण पर आधारित है। किसी भी राज्य का प्रमुख दायित्व राज्य में रहने वाले सभी व्यक्तियों के मानवाधिकारों का संरक्षण करना है। इसी उद्देश्य को प्राप्त करने में बिहार मानवाधिकार आयोग, सरकार के सदैव सहयोगार्थ अग्रसर है।

बिहार मानवाधिकार आयोग अपने स्थापना वर्ष 2008 से ही पूर्ण समर्पण भाव से अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करता आ रहा है, जो प्रशंसनीय है। जाति, धर्म, लिंग और वर्ग विभेद किये बिना मानवाधिकारों को प्रतिष्ठित करने के लिए सतत् प्रयत्नशील और तत्पर रहने की शुभकामनाओं के साथ मैं अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस और बिहार मानवाधिकार आयोग के 16वें स्थापना दिवस पर शुभकामना ज्ञापित करता हूँ।

मुझे आशा है कि बिहार मानवाधिकार आयोग अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सदैव सफल रहेगा।

(विजय कुमार सिन्हा)

PR No.-014358 (Home)D. 2024-25

बिहार सरकार

उप मुख्यमंत्री
बिहार

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि बिहार मानवाधिकार आयोग 10 दिसम्बर, 2024 को 16वां स्थापना दिवस मना रहा है। बिहार मानवाधिकार आयोग अपने स्थापना वर्ष 2008 से ही पूर्ण समर्पण भाव से अपने वैधानिक कर्त्तव्यों का निर्वहन करता आ रहा है, जो प्रशंसनीय है।

मानवाधिकारों को प्रतिष्ठित करने के लिये जाति, धर्म, लिंग और वर्ग विभेद किये बिना सतत् प्रयत्नशील एवं तत्पर रहने की शुभकामनाओं के साथ मैं अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर बिहार मानवाधिकार आयोग के 16वें स्थापना दिवस की बधाई देता हूँ।

(सम्राट चौधरी)

PR No.-014359 (Home)D. 2024-25

अमेरिकी विदेश विभाग का आगामी ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर टिप्पणी से इनकार

प्रात : किरण/ एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उनके लिए नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, जिन्होंने अभी तक कार्यभार नहीं संभाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रेसिडेंट जो बाइडेन की विदेश नीति पर गर्व है। मिलर ने सोमवार को कहा, देखिए, मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए ऐसे प्रशासन की नीतियों पर टिप्पणी करना उचित है जिसने अभी तक पदभार ग्रहण नहीं किया है। हमारे पास एक समय में एक राष्ट्रपति होता है। मुझे यहां खड़े होकर राष्ट्रपति बाइडेन की विदेश नीति के बारे में सवाल पूछे जाने पर खुशी होती है। संभवत:, 21 जनवरी को एक नया विदेश विभाग प्रवक्ता होगा जो राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति के बारे में सवालों का जवाब देगा। बता दें ट्रंप लगातार विदेशी मुद्दों पर अपनी राय रख रहे हैं और यह भी बता रहे हैं कि कार्यभार संभालने के बाद वह क्या फैसले ले सकते हैं। सोमवार (03 दिसंबर को) ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी कि जनवरी में उनके शपथ ग्रहण से पहले, बंधकों को रिहा कर दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मध्य पूर्व में उन लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

गिनी: फुटबॉल मैच के दौरान हिंसा में 56 लोगों की मौत पर राष्ट्रपति ने जताया दुख

प्रात : किरण/ एजेंसी

कोनाक्री। गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन जेरेकोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान हुई हिंसा और भगदड़ में कम से कम 56 लोगों की मौत हो गई। गिनी के राष्ट्रपति ममादी डौम्बौया ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। डौम्बौया ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पेज पर लिखा, मैं लेबे और एन जेरेकोर की बहादुर आबादी, गिनी के लोगों और विशेष रूप से शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री अमादौ ओरी बाह के नेतृत्व में एक आपातकालीन मिशन को नुकसान हुए परिणामों का आकलन करने के लिए भेजा गया है।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) के संबंध में आवश्यक तथ्य एवं जानकारी

सामान्य जानकारी

- यह वायरस जनित पक्षियों की बीमारी है जो मुख्यतः जंगली जलीय पक्षियों में स्वाभाविक रूप से होते हैं।
- बर्ड फ्लू मुख्यतः मुर्गियों का बड़ा ही संक्रामक रोग है। संक्रमित पक्षी के सम्पर्क में आने से यह संक्रमण मनुष्यों में फैल सकता है। यह अत्यन्त संक्रामक वायरस जनित रोग है। जिसके कारण मुर्गी पालन व्यवसाय को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।
- मनुष्य खासकर बच्चे, अगर बीमार पक्षी की (म्यूकस) बीट और पंखों के सम्पर्क में आ जायें तो उनमें संक्रमण फैल सकता है।
- मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षण साधारण फ्लू से मिलते–जुलते हैं। जैसे कि साँस लेने में तकलीफ, तेज बुखार, जुकाम और नाक बहना, ऐसी शिकायत होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र को तुरंत इसकी सूचना दें।
- **सामान्यत : बर्ड फ्लू का वायरस 70°C तापमान पर नष्ट हो जाता है। किसी स्थान पर बर्ड फ्लू रोग की पुष्टि होने पर भी अण्डे व चिकन 70°C तापमान पर पकाकर खाने में कोई नुकसान नहीं हैं।**

इससे डरें नहीं सावधानियाँ बरतें

- बीमार मुर्गियों के सीधे सम्पर्क में न आयें। दस्ताने या किसी भी अन्य सुरक्षा साधन का इस्तेमाल करें। बीमार पक्षियों के पंख, श्लेष्मा (म्यूकस) और बीट को न छुयें। छुये जाने की स्थिति में साबुन से तुरंत अच्छे तरीके से हाथ धोयें।
- मुर्गियों को बाड़े में रखें। संक्रमित पक्षियों को मार कर उनका सुरक्षित निपटान करें। बीमार अथवा मरे हुए पक्षी की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तुरंत दें। ऐसा करना जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

मुर्गे–मुर्गियों के संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सोने–से खरे कुछ उपाय

पक्षियों को रानीखेत गम्बोरो और बर्ड फ्लू जैसी कई बीमारियां हो सकती है। ये बीमारियां एक पक्षी से दुसरी पक्षी में व दूषित पानी से अथवा प्रभावित पक्षी के मल–मूत्र, पंखों आदि के जरिये पूरे झुंड को तेजी से प्रभावित कर सकती है। मुर्गी पालन से जुड़े होने के नाते आप अच्छी तरह जानते हैं कि अपने पक्षियों को इन बीमारियों से बचाना कितना महत्वपूर्ण है।

आइये अपने पक्षियों के साथ–साथ अपने बचाव के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाएँ :

1. **बाड़े में सुरक्षित रखें :** अपने पक्षियों को बाड़े में रखिये, केवल आपकी पौल्ट्री फार्म की देखभाल करने वालों को ही पक्षियों के पास जाना चाहिए। अनावश्यक लोगों को बाड़े में प्रवेश न करने दें। अपने मुर्गे–मुर्गी को दूसरे पक्षियों/पशुओं के सम्पर्क में न आने दें। दो प्रजातियों के पक्षियों को एक ही बाड़े में न रखें।
2. **साफ–सफाई रखें :** पक्षियों के बाड़े में और उसके आसपास साफ–सफाई बहुत जरूरी है। इस प्रकार जीवाणु और विषाणुओं से बचा जा सकता है, पक्षियों के बाड़ों को साफ–सुथरा रखें। अपने पौल्ट्री फार्म/बाड़े को नियमित रूप से चूने अथवा कीटाणुनाशक दवाओं को छिड़काव कर संक्रमण मुक्त करते रहें।
3. **आहार एवं पेयजल व्यवस्था :** पक्षियों को स्वस्छ एवं शीतल पेयजल और संतुलित आहार दें। पक्षियों का भोजन एवं पेयजल रोजाना बदलें व पेयजल और भोजन के बर्तनों की नियमित साफ–सफाई करें।
4. **अपने पौल्ट्री फार्म में बीमारियों को प्रवेश करने से रोकें :** अपने आपको और बाजार या अन्य फार्मों में अन्य पक्षियों के संपर्क में आने वाली हर चीज की साफ–सफाई रखें। नये पक्षी को कम–से–कम 30 दिनों तक अपने स्वस्थ पक्षियों से दूर रखें। बीमारी को फैलने से रोकने या बचाव के लिए पौल्ट्री के संपर्क में आने से पहले और बाद में अपने हाथ, कपड़ों और जूतों को धोयें तथा संक्रमण मुक्त करें।
5. **बीमारी उधार न लें :** यदि आप अन्य फार्मों से उपकरण या पक्षी लेते हैं तो अपने स्वस्थ पक्षियों के संपर्क में आने से पहले भली भांति उनकी सफाई करें और संक्रमण मुक्त करें। अनावश्यक लोगों व अन्य फार्म पर कार्यरत मजदूरों एवं वाहनों को अपने फार्म पर प्रवेश न दें।
6. **लक्षणों को पहचानें :** अपने पक्षियों पर नजर रखें, यदि पक्षियों की आंख, गर्दन और सिर के आस–पास सूजन है और आँखों से रिसाव हो रहा है, कलगी और टांगों में नीलापन आ रहा है, अचानक कमजोरी, पंख गिरना बढ़ रहा है और पक्षियों की हरकत में कमी आ रही है, पक्षी आहार कम ले रहे हैं व अण्डे भी कम दे रहे हैं और असामान्य रूप से अधिक पक्षी मर रहे हैं, तो यह सब खतरे के संकेत हैं। यदि पक्षियों में ऐसे असामन्य लक्षण दिखाई देते है तो इसे छुपायें नहीं क्योकि यह आपके परिवार के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
7. **बीमार पक्षी की सूचना :** अपने पक्षियों की हर असामान्य बीमारी अथवा मौत की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तत्काल दें।

विशेष जानकारी के लिए पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना के नियंत्रण कक्ष के दुरभाष सं. 0612–2226049 पर संपर्क करें।
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित
PR No.- 014353 (Animal)D. 2024-25

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, निवर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129